

Daily E PHOTON SC

दफोटोनन्यूज Published from Ranchi

के त्यौहार रक्षा

Ranchi ● Monday, 19 August 2024 ● Year: 02 ● Issue: 211 ● Ranchi Edition ● Page: 12 ● Price: ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper: epaper.thephotonnews.com

बंधन की बधाई

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

O BRIEF NEWS

अमेरिका में दुर्घटना में भारतीय मूल के तीन लोगों की मौत HOUSTON: अमेरिका के

टेक्सास राज्य में एक कार दुर्घटना में भारतीय मूल के एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गयी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह दुर्घटना बुधवार को टेक्सास के लैम्पासंस काउंटी के पास हुई। 'ऑस्टिन

अमेरिकन स्टेट्समैन' की रिपोर्ट के अनुसार, अरविंद मणि (45), उनकी पर्ली प्रदीपा अरविंद (40) और उनकी 17 वर्षीय बेटी एंड्रिल अरविंद की कार दुर्घटना में मौत हो गयी। इसमें कहा गया है कि सभी लिएंडर के रहने वाले थे। उनका एकमात्र पारिवारिक सदस्य बच गया है। मतक दंपती का 14 वर्षीय पुत्र आदिरयानं दुर्घटना के दौरान उनके साथ वाहन में नहीं था। प्रत्यक्षदर्शियों ने दावा किया कि टक्कर

से पहले वाहन तेज गति से उनके पास एयर इंडिया के चालक दल की महिला पर

लंदन में हमला

NEW DELHI : एयर इंडिया के चालक दल की एक महिला सदस्य पर इस सप्ताह की शुरूआत में लंदन के एक होटल में एक घुसपैठिये ने कथित तौर पर हमला कर दिया। सूत्रों के अनुसार, एयरलाइन इस मामले को लेकर स्थानीय पुलिस से बातचीत कर रही है। एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि एयरलाइन ह्यह्यएक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय कंपनी द्वारा संचालित एक होटल में घुसपैठ की गैरकानूनी घटना से बहुत व्यथित है, जिससे उसके चालक दल की एक सदस्य प्रभावित हुई है।' सूत्रों के मुताबिक, एक बेघर व्यक्ति होटल के उस कमरे में घुस गया, जिसमें चालक दल की महिला सदस्य ठहरी हुई थी और उसने उसके साथ बदसलूकी की। उन्होंने बताया कि महिला के चिल्लाने पर आसपास के कमरों मे टहरे हुए अन्य लोग वहां पहुंचे और घुसपैठिये को पकड़ लिया। एक सूत्र नें बताया कि चालक दल की महिला सदस्य का होटल में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया, जबकि दो अन्य सूत्रों ने दावा किया कि महिला से मारपीट की गई। सूत्रों के अनुसार, यह घटना लंदन के हीथ्रो हवाई अड्डे के पास स्थित एक होटल में हुई। उन्होंने

बताया कि पीड़िता भारत लौट आई है

झामुमो से अलग राह चले चम्पाई, जमशेदपुर में काफिला छोड़ पहुंचे दिल्ली, कहा-

सीएम रहते मेरा अपमान हुआ मेरे लिए खुलें हैं सभी विकल्प

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की अटकलों के बीच रविवार को दिल्ली पहुंचे झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के वरिष्ठ नेता और राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन ने कहा है कि उनके लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं।

सोरेन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' और 'फेसबक' पर एक विस्तत लेख लिखा. जिसमें उन्होंने कहा कि झारखंड का मुख्यमंत्री रहते हुए उनका अपमान किया गया। उन्होंने कहा, 'झारखंड का बच्चा-बच्चा जानता है कि अपने कार्यकाल के दौरान, मैंने कभी भी, किसी के साथ न गलत किया, ना होने दिया। इसी बीच, हुल दिवस के अगले दिन, मुझे पता चला कि अगले दो दिनों के मेरे सभी कार्यक्रमों को पार्टी नेतृत्व द्वारा स्थगित कर दिया गया। इसमें एक सार्वजनिक कार्यक्रम दुमका में था, जबकि दूसरा कार्यक्रम पीजीटी शिक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण करने का था।' सोरेन ने कहा, 'पूछने पर पता चला कि गठबंधन द्वारा 3 जुलाई को विधायक दल की एक बैठक बुलाई गई है, तब तक आप मुख्यमंत्री के तौर पर किसी कार्यक्रम में नहीं जा सकते।' उन्होंने लिखा, 'क्या लोकतंत्र में इससे अपमानजनक कुछ हो सकता है कि एक मुख्यमंत्री के कार्यक्रमों को कोई अन्य व्यक्ति रद्द करा दे?' सोरेन ने कहा, 'मुझे कभी भी सत्ता का लोभ रत्ती भर भी नहीं था, लेकिन आत्म-सम्मान पर लगी इस चोट को मैं किसे दिखाता? अपनों द्वारा दिए गए दर्द को कहां जाहिर करता?' उन्होंने कहा, 'कहने को तो विधायक दल की बैठक बुलाने का अधिकार मुख्यमंत्री का होता है, लेकिन मुझे

जमशेदपुर में काफिल छोड़ गए दिल्ली



दिल्ली रवाना होने से पहले उन्होंने अपना काफिला जमशेदपुर सर्किट हाउस में छोड़ दिया। उनके पैतक आवास पर लगा झाममो का झंडा हट गया। उन्होंने 'एक्स' से भी झॉममो का सिंबल हटा दिया है। इस दौरान उन्होंने कोलकाता से दिल्ली की फ्लाइट पकडी। दिर्ल्ल में उन्होंने संवाददाताओं से कहा था, 'मुझे ऐसी अटकलों और खबरों के बारे में कुछ नहीं पता ... मैं जहां हूं, वहीं हूं...।

द फोटोन न्यूज विश्लेषण

चम्पाई सोरेन के पास 'सीमित' विकल्प

पहलाः राजनीतिक संन्यास लेना

विश्लेषण : वर्तमान हालात में जब जनता के बीच किसी नेता की बेहतर छवि बनी हो और चुनाव के बीच वह सर्वाधिक चर्चा तथा राजनीतिक रूप से सर्वाधिक महत्वपूर्ण बन गया हो तो कोई संन्यास के विकल्प का चुनाव नहीं करेगा।

दूसराः अलग संगठन खड़ा करना

विश्लेषण : विधानसभा चुनाव बहुत नजदीक है। ऐसे में कोई नया संगठन खड़ा कर चुनाव लड़ना जोखिम भरा कदम हो सकता है। चुनाव में दो प्रमुख राजनीतिक दलों के प्रत्याशियों से सीधा मुकाबला कर जीत हासिल करने की चुनौती होगी। यह लक्ष्य भी नामुमकिन जैसा है।

बैठक का एजेंडा तक नहीं बताया गया था। बैठक के दौरान मुझसे इस्तीफा मांगा गया। मैं आश्चर्यचिकत था, लेकिन मुझे सत्ता का मोह नहीं था, इसलिए मैंने तुरंत इस्तीफा दे दिया, लेकिन आत्म-सम्मान पर लगी चोट से दिल भावुक था।' सोरेन ने कहा, 'मुझे ऐसा लगा, मानो उस पार्टी में मेरा कोई वजद ही नहीं है.

तीसराः अगर कोई साथ मिले तो उसके साथ आगे का सफर तय करना विश्लेषण : तीसरे विकल्प के रूप में चम्पाई सोरेन के लिए मुख्य विपक्षी दल भाजपा आगे की साथी हो सकती है।



जमशेदपुर सर्किट हाउस में खड़े वाहन

कोई अस्तित्व ही नहीं है, जिस पार्टी के लिए हमने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। मैंने भारी मन से विधायक दल की उसी बैठक में कहा कि आज से मेरे जीवन का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है।' उन्होंने कहा, 'आगामी झारखंड विधानसभा चुनाव तक मेरे लिए सभी विकल्प खुले हुए हैं।

अमर बाउरी बोले, मुझे जानकारी नहीं



नेता प्रतिपक्ष अमर बाउरी से सोरेन के भाजपा में शामिल होने की अटकलों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहां, 'मेरे पास कोई आधिकारिक

जानकारी नहीं है। मझे केवल मीडिया के माध्यम से जानकारी मिल रही है।'

उन्होंने लिखा है कि मेरे पास तीन विकल्प थे। पहला-राजनीति से संन्यास लेना, दुसरा-अपना अलग संगठन खड़ा करना और तीसरा इस राह में अगर कोई साथ मिले तो उसके साथ आगे का सफर तय करना। आगामी विधानसभा चनाव तक सभी विकल्प खुले हुए हैं।'

पोस्ट के अंत में उन्होंने लिखा है कि 'यह मेरा निजी संघर्ष है इसलिए इसमें पार्टी के किसी सदस्य को शामिल करने या संगठन को किसी प्रकार की क्षति पहुंचाने का मेरा कोई इरादा नहीं है लेकिन हालात ऐसे बना दिये गए हैं कि...।' इससे पहले, दिल्ली पहुंचने के तुरंत बाद सोरेन ने पत्रकारों से कहा कि 'उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के किसी नेता से मुलाकात नहीं की है और वह राष्ट्रीय राजधानी में एक 'निजी' यात्रा पर हैं।'

शुक्रवार को मीडिया में आईं कुछ खबरों में दावा किया गया कि झारखंड विधानसभा चुनाव से पहले सोरेन भाजपा में शामिल हो सकते हैं। लेकिन सोरेन ने शनिवार को कहा था कि उन्हें अटकलों के बारे में कोई

संज्ञान, कल होगी सुनवाई

sc ने कोलकाता में डॉक्टर

की हत्या-रेप केस का लिया

कोलकाता में विरोध प्रदर्शन करते चिकित्सक और स्थानीय युवा

NEW DELHI (BHASHA):

उच्चतम न्यायालय ने कोलकाता के आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्ष चिकित्सक से कथित बलात्कार और हत्या के मामले में स्वतः संज्ञान लिया है। शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर अपलोड की गई 20 अगस्त की वाद सूची के अनुसार, प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ मंगलवार को इस मामले पर सुनवाई करेगी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने हाल ही में मामले की जांच कोलकाता पुलिस से केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को स्थानांतरित कर दिया था। सरकारी अस्पताल के 'सेमिनार हॉल' में 'जुनियर डॉक्टर' से कथित बलात्कार और हत्या की वारदात के बाद देशभर में व्यापक स्तर पर विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं।

पर्व प्राचार्य की 'कॉल डिटेल' चाहती है सीबीआई तीसरे दिन पूछताछ जारी

KOLKATA: केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के अधिकारी एक महिला चिकित्सक के कथित बलात्कार और हत्या मामले की जांच के संबंध में सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के पूर्व प्राचार्य संदीप घोष की 'कॉल डिटेल और 'चैट' की जानकारियां जुटा रहे हैं। जांच एजेंसी के एक अधिकारी ने बताया कि रविवार को लगातार तीसरे दिन सीबीआई अधिकारियों के समक्ष पेश हुए घोष को अस्पताल में घटना से पहले और उसके बाद किए फोन कॉल की जानकारियां देने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि अधिकारी घोष की 'कॉल डिटेल' और डेटा उपयोग की जानकारियां प्राप्त करने के लिए मोबाइल फोन सेवा प्रदाता से संपर्क करने पर विचार कर रहे हैं। सीबीआई ने शनिवार देर रात तक करीब 13 घंटे तक घोष से पूछताछ की थी।

लेटरल एंट्री को लेकर राहुल का केंद्र पर हमला

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहल गांधी ने रविवार को 'लेटरल एंट्री' के जरिये लोक सेवकों की भर्ती करने के सरकार के कदम को 'राष्ट्र विरोधी कदम' करार दिया और आरोप लगाया कि इस तरह की कार्रवाई से अनुसूचित जाति, माध्यम से लोक सेवकों की भर्ती

अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग का आरक्षण खुलेआम छीना जा रहा है। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'संघ लोक सेवा आयोग के बजाय राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के करके संविधान पर हमला कर रहे हैं।' राहुल गांधी ने ऐसे समय में यह हमला बोला है जब एक दिन पहले ही केंद्र सरकार ने 'लेटरल एंट्री' के माध्यम से 45 विशेषज्ञों की केंद्रीय मंत्रालयों में संयुक्त सचिव, निदेशक और उपसचिव जैसे प्रमुख पदों पर नियुक्ति करने की घोषणा की।

कुवैत के प्रधानमंत्री से मिले जयशंकर

NEW DELHI : भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कुवैत के प्रधानमंत्री शेख मुहम्मद सबा अल-सलेम अल-सबा और युवराज शेख सबा अल-खालिद अल-सबा से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों को नयी ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए उनसे चर्चा की। रविवार को एक

बुलंदशहर में सड़क हादसा, 10 यात्रियों की मौत

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले के सलेमपर थाना क्षेत्र में रविवार को एक वाहन (मैक्स पिकअप) और निजी बस की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गयी जबकि 27 अन्य लोग घायल हो गए। जिला प्रशासन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार थाना के करीब यह दुर्घटना हुई। मामले का संज्ञान लिया है।

चन्द्र प्रकाश सिंह ने बताया कि रविवार को पिकअप वैन और निजी बस के बीच आमने-सामने की टक्कर हो गई। उन्होंने कहा कि पिकअप वैन गाजियाबाद से संभल की तरफ जा रही थी तभी सलेमपुर

इस हादसे में कुल 37 यात्री घायल हो गए जिसमें से 10 यात्रियों की मौत हो गयी। उन्होंने कहा कि 27 घायलों का विभिन्न अस्पतालों में उपचार किया जा रहा है। जिलाधिकारी सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

ALLDECO

की तरफ से आप सभी को भाई-बहन के प्यार के पर्व

Building Dreams

रक्षाबंधन

की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई



डॉक्टर ने कहा-खाने के दौरान रखें सावधानी

गले में रसगुल्ला फंसने से 17 वर्षीय किशोर की मौत

PHOTON NEWS GHATSILA:

भाई-बहन के पवित्र रिश्ते का पर्व रक्षाबंधन की पर्व संध्या पर एक भाई ने बहन को हमेशा के लिए अलविदा कर दिया। रविवार को गालुडीह थाना क्षेत्र के महुलिया पंचायत के पाटमहलिया गांव के 17 वर्षीय अमित सिंह ने अपने घर के पलंग पर लेटकर रसगुल्ला खा रहा था। खाने के दौरान रासगल्ला अमित के गले में फंस गया. जिससे उसकी मौत हो गई।

घटना के वक्त अमित के चाचा रोहिणी सिंह के अलावा घर पर कोई नहीं था। गले में रसगुल्ला फंसने से अमित छटपटाने लगा। यह देखकर चाचा ने उसके गले के अंदर हाथ डालकर रसगुल्ला निकालने का प्रयास किया, पर सफल नहीं हो सका। ग्रामीणों के सहयोग से अमित को निरामय नर्सिंग होम लाया गया। जांच के बाद चिकित्सक ने अमित को मृत घोषित कर दिया। घटना से पूरा परिवार सदमे में है। किसी को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि परिवार का एकमात्र चिराग नहीं रहा। घटना की सूचना पर गालूडीह थाना के एसआई पंकज महतो दल-बल के साथ नर्सिंग होम पहुंचे। परिवार वालों से घटना की जानकारी लेने के बाद शव अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। इस संबंध चाचा रोहिणी सिंह ने कहा कि हम भी तीन माह बाद काम से लौटे थे। सुबह अमित ही गालुडीह स्टेशन



जांच करते पुलिसकर्मी • फोटोन न्यूज

ऐसी कोई घटना होती है, जिसमें किसी बच्चे के गले में कुछ फंस जाए तो उसके पैर को पंकड़कर उसे उल्टा करे और पीट थपथपाएं तो उसके गले में फंसी वस्तु निकल जाएगी। अगर किसी बडे व्यक्ति के गले में कुछ फंस जाए तो तत्काल उसकी पीठ की तरफ खड़े होकर उसे पकड़ें और छाती से निचले हिस्से पर जोरसे दबाएं, जिससे सांस की नली में प्रेशर पड़ता है और गले में फंसी वस्तु मुंह से बाहर आ जाती है। इसके अलावा परिजनों को भी काफी सावधानी

बरतनी चाहिए। - डॉ. अजय गुप्ता, गला रोग विशेषज्ञ

से बाइक पर लेकर आया। रास्ते में दुकान से मिठाई लेकर घर आए। अमित पलंग पर लेट कर मोबाइल गेम खेलते-खेलते रसगुला खा रहा था। इसी क्रम में रस्गुल्ला उसके गले में अटक गया होगा। रसगुल्ला अटकने से अमित सिंह छटपटाने लगा तो आनन-फानन में उसके गले से रसगुल्ला निकालने का काफी प्रयास किया गया। किसी तरह उल्टी भी किया पर आराम नहीं होने पर नर्सिंग होम लेकर गए। घटना से अमित के परिवार समेत गांव में रक्षाबंधन का पर्व गम में बदल गया। मृतक अमित सिंह के पिता सुजीत सिंह पंचायत सचिवालय गया हुआ था। मां रोते-रोते बेहाल थी।





स्टील सिटी एचपी गैस एजेंसी

की तरफ से आप सभी को भाई-बहन के प्यार के पर्व

रक्षाबंधन

की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

Нарру Raksha Bandhan



Monday, 19 August 2024

कोलकाता डॉक्टर रेप-हत्याकांड

रामगढ़ में प्रोटेस्ट कर



PHOTON NEWS RAMGARH:

हैवानों ने की है, वह काफी जघन्य है। बर्बरता पूर्वक हत्या की गई है, उसकी कड़ी शब्दों में निंदा करते हैं। उसी के विरोध में यह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही सरकार से यह भी मांग है कि जो महिला चिकित्सक हैं, उनकी सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाए। अस्पतालों को सेफ जोन बनाया जाए। अस्पतालों में जो सेंसेटिव जगह है या फिर अस्पताल में आने जाने वाले रास्तों में सीसीटीवी कैमरा लगाए जाए। उनकी निगरानी लगातार की का कुकृत्य हुआ है, वह मानवता को शर्मसार करने वाली घटना है। इस तरह के जो भी अपराधी हैं, उन्हें फास्ट टैक में कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जानी चाहिए ताकि भविष्य में कोई भी विकत मानसिकता वाले लोग

सजा देने की उटी आवाज

प्रदर्शन करते चिकित्सक व अन्य।

कोलकाता डॉक्टर हत्याकांड के विरोध में रामगढ़ के डॉक्टरों और मेडिकल लाइन से जुड़े लोगों ने भी प्रदर्शन किया। इस मौके पर डॉक्टरों ने थाना चौक से लेकर सुभाष चौक तक रैली निकाली। उन्होंने दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा फास्ट ट्रैक कोर्ट चलाकर दिलाने और महिला डॉक्टरों के लिए पख्ता सरक्षा इंतजाम करने की बात कही। रामगढ़ में निकाली गई इस विरोध मार्च में ओपीडी, लैब और डायग्नोसिस सेंटर समेत बड़ी संख्या में डॉक्टर, नर्स, पैथोलॉजी के साथ-साथ आम लोग भी शामिल हुए। उन्होंने जमकर नारेबाजी की। इस दौरान आरोपियों की गिरफ्तारी और उन्हें खले तौर पर कड़ी से कड़ी सजा सबके सामने देने की मांग की। महिला चिकित्सक अनुपम सिंह ने कहा

इस तरह की वारदात को अंजाम

पैसा मिला है, जमीन का पैसा नहीं मिला है। बरसात के दिनों में इतना जल्दी मकान तोड़ने से हम लोग बेघर हो जायेंगे। 'भाजपा की सरकार बनी तो तिसरी प्रखंड में कोई

O BRIEF NEWS

PALAMU: पलाम् से सटे गढ़वा के डीसी शेखर जमआर के निर्देश

पर प्रशासनिक अधिकारियों एवं एनएचआई के अधिकारियों ने पुलिस बल के साथ रविवार को नगर उंटारी के हलिवंता कला,

बिलासपुर एवं गंगटी में फोरलेन में

आने वाले मकान को हटाने के

लिये अभियान चलाया। इस दौरान

अधिकारियों ने हलिवंता कला एवं

बिलासपर में मुआवजा लेने के

बाद भी अभी तक मकान और

दुकान नहीं हटाये जाने पर नाराजगी

व्यक्ति करते हुये कई जगहों पर

जेसीबी से मकान को ध्वस्त किया।

अभियान के दौरान स्थानीय लोगों

ने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा

कि अभी तक उन्हें सिर्फ मकान का

फोरलेन पर अधिग्रहित

मकान को हटाने का अभियान किया स्थगित

सडक कच्ची नहीं रहेगी GIRIDIH: रविवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबुलाल ने कहा कि यदि झारखंड में भाजपा की सरकार बनी, तो तिसरी प्रखंड में एक भी सडक कच्ची नहीं रहेगी। सभी सड़कों का पक्कीकरण किया जाएगा। मरांडी अपने विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत तिसरी में दो सड़कों के शिलान्यास के बाद समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बेलवाना मोड़ से मनसाडीह तक और दलपतडीह मोड़ से राणाडीह तक बनने वाली सड़क का शिलान्यास किया। बेलवाना मोड़ और राणाडीह में आयोजित जनसभा में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार से लड़कर दोनों सड़कों की स्वीकृति दिलवाई है। उन्होंने लोगों से आगामी विधानसभा चुनाव में कमल खिलाने की अपील की। वहीं, राणाडीह गांव के लोग आजादी के बाद से एक अदद

छात्राओं ने कस्तुरबा विद्यालय की वार्डेन पर लगाए गंभीर आरोप

पर लोगों में खुशी है।

सड़क के लिए तरस रहे थे। स्थानीय

से दोनों सड़कों की स्वीकृति मिलने

GADWA: रविवार को बरडीहा प्रखंड मुख्यालय स्थित कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय में अभिभावक एवं छात्राओं ने वार्डेन के खिलाफ हंगामा किया। इस दौरान अभिभावक अपनी-अपनी बच्चियों को विद्यालय से ले जाने पर अड़े रहे। जानकारी के अनसार विद्यालय की वार्डेन कविता अम्मु की कार्यशैली को लेकर हंगामा हुआ। छात्राओं ने बताया कि वार्डेन और कलीम खान का व्यवहार आपत्तिजनक है। साथ ही कहा कि वार्डेन और कलीम में क्या रिश्ता है यह समझ से बाहर है। क्योंकि कलीम विद्यालय में पहले भी कई बार रात में आता था और विद्यालय में रहता था। जिसको लेकर छात्राओं एवं अभिभावकों ने जानकारी देते हुए बताया कि 14 अगस्त की रात को कलीम विद्यालय में था। इस दौरान वार्डेन एवं कलीम को आपत्तिजनक हालत में देखने के बाद कुछ लड़िकयां रात लगभग 11 बजे विद्यालय से बाहर आकर घटना की सूचना बरडीहा थाना को दी। इसके बाद कलीम नामक व्यक्ति को बरडीहा पुलिस ने

हिरासत में लिया।

लोगों को मिली १८७ करोड़ १५ लाख की १५१ योजनाओं की सौगात, सीएम बोले-

नारी शक्ति को समर्पित है झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना

PHOTON NEWS GODDA:

्रविवार को मख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि हमारी सरकार हर कदम पर आपके साथ है। हम आपकी भावनाओं से भली-भांति वाकिफ हैं। यही वजह है कि हमारी सरकार पुरी संवेदनशीलता के साथ आदिवासी, दलित, शोषित, वंचित, गरीब और किसानों-मजदुरों को मजबूत बनाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ रही है।

मुख्यमंत्री गोड्डा जिले के बोआरीजोर प्रखंड के राजाभीठा में विकास योजनाओं के उद्घाटन-शिलान्यास एवं लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि तमाम विपरीत पतिस्थितियों के कल्याणकारी योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं, जिसका लाभ आम जनमानस को मिल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नारी सशक्तिकरण हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि यहां की महिलाएं मेहनतकश हैं। वे घर- परिवार भी चलाती हैं और आमदनी के लिए काम भी करती हैं। ऐसे में हमारी सरकार राज्य की महिलाओं एवं बहन-बेटियों के लिए पहले से ही



दीप जलाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व अन्य।

झारखंड को हमेशा हाशिए पर रखा गया

मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड अलग राज्य बनने से पहले और ॲलग राज्य बनने के बाद भी हमेशा हाशिये पर रहा। नीति-निर्धारकों द्वारा इस राज्य और यहां की गरीब जनता की सुध नहीं ली गयी। यही वजह है कि विकास के मामले में झारखंड पिछड़ता रहा लेकिन हमारी सरकार के गठन के बाद से राज्य को विकास की दहलीज पर ले जाने और यहां की जनता के उत्थान के लिए लगातार निर्णायक फैसले ले रही है। वह दिन दूर नहीं जब झारखंड अग्रणी राज्यों की श्रेणी में गिना जाएगा।

क्रम में झारखंड मख्यमंत्री मंइयाँ सम्मान योजना नाम से एक और ऐतिहासिक कड़ी आज से जुड़ रही है। इस योजना के तहत महिलाओं और बहन-बेटियों को हर वर्ष 12 हजार रुपये सम्मान राशि मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की बच्चियां पैसे के

रानाडीह में डायरिया का प्रकोप, एक

बच्ची की हुई मौत, दर्जन भर आक्रांत

अभाव में पढ़ाई से वंचित न रहे, इसके लिए उन्हें सावित्रीबाई किशोरी समृद्धि योजना के तहत 40 हजार रुपये दिया जा रहा है। चुकी हैं। वहीं, 50 वर्ष से

पेंशन योजना का लाभ दे रहे हैं । मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार जन कल्याण के लिए हमेशा से प्रतिबद्ध रही है। पिछले वर्षों में अनेकों ऐसी योजनाएं लेकर आए. जिससे जुड़कर यहां के लोग सशक्त बन रहे हैं। अब ऐसी ही कई और

कई योजनाओं का शिलान्यास

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर लगभग 187 करोड़ 15

लाख रुपए की १५१ योजनाओं का तोहफा दिया।

इसमें 58 करोड़ 62 लाख रुपये की 73 योजनाओं

का उद्घाटन एवं 128 करोड़ 53 लाख रुपये की 78

योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। इस विशेष

मौके पर मुख्यमंत्री ने राज्य की बहन-बेटियों को

झारखंड मंईयां सम्मान योजना की सम्मान राशि

प्रदान कर रक्षा बंधन की सौगात दी।

जन कल्याण से जडी योजनाओं को शरू करने की कार्य योजना तैयार हो रही है। ये नई योजनाएं इस राज्य की दशा और दिशा बदलने का एक महत्वपूर्ण जरिया बनेगी। इन योजनाओं के सफल क्रियान्वयन को लेकर अपने संसाधनों को बढा रहे हैं।

८१ हजार महिलाओं के बैंक

खाते में भेजी सम्मान राशि

PAKUR: मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने

कहा कि आज का दिन विशेष कर

राज्य की बहन–बेटियों के लिए शुभ

और ऐतिहासिक दिन है। झारखंड मरख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना के

तहत आज पाकुड़ जिला की 81 हजा

से अधिक पात्र बहन–बेटियों को डीबीटी

के माध्यम से उनके बैंक खाते में एक

हजार रुपये की सम्मान राशि भेजी

उनकी सरकार इस रक्षाबंधन त्यौहा

के पावन अवसर पर झारखंड मुख्यमंत्री

है। इस योजना के तहत अब 21 वर्ष से

50 वर्ष की उम्र तक की पात्र महिलाओं

को राज्य सरकार डीबीटी के माध्यम से

प्रत्येक माह के 15 तारीख तक एक

हजार रुपये सम्मान राशि उनके बैंक

खाते पर भेजेगी। सभी पात्र महिलाओं

के बैंक खाते में हरेक वर्ष 12 हजार

रुपये भेजे जाएंगे। झारखंड मुख्यमंत्री

मंईयां सम्मान योजना के रूप में पाकुड

जिला की इस धरती से आपसभी लोगों

की गरिमामयी उपस्थिति में शुभारंभ

युवा आक्रोश रैली में खूंटी से चार हजार कायकर्ता शामिल होंगे : नीलकंठ

KHUNTI : भाजपा के जिला कार्यालय में रविवार को खुंटी ग्रामीण और नगर मण्डल की हुई बैठक में 23 अगस्त को रांची के मोरहाबादी मैदान में आहृत युवा आक्रोया रैलर की तैयशरियों की समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष और खुंटी के विधायक नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि 23 अगस्त को आहृत युवा आक्रोश रैली में खुंटी विधानसभा से चार हजार कार्यकर्ता शामिल होंगे। उन्होंने कार्यकताओं से रैली को सफल बनाने को लेकर रणनीति बनाने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि रैली के माध्यम से हेमंत सोरेन सरकार को उखाड़ फेंकने

पलामू में कुएं से मिले दो बच्चों के शव, दो दिनों से थे लापता

कि जिस तरह की हैवानियत

जिले के रामगढ़ थाना क्षेत्र के नावाडीह के बरवाही गांव में एक कुंआ से दो बच्चों का शव बरामद हुआ। दोनों बच्चे शनिवार की शाम से लापता थे। जिस कुंआ से बच्चों का शव बरामद हुआ है वह करीब 20 फीट गहरा है और जमीन के बराबर में है। पलामू के रामगढ़ थाना क्षेत्र के नावाडीह बरवाही के रहने वाले अंशु कुमार और गौतम कुमार शनिवार की शाम खेलने के लिए घर से बाहर निकले थे। देर शाम तक दोनों वापस नहीं लौटे। जिसके बाद परिजनों ने उनकी खोजबीन की। परिजन ग्रामीणों के साथ परे इलाके



में दोनों बच्चों को खोजते रहे। रविवार ग्रामीणों ने देखा कि दोनों बच्चों का शव गांव के एक कुंआ में तैर रहा है। ग्रामीणों ने तत्काल इसकी जानकारी रामगढ थाना को दी। रामगढ़ थाना की पुलिस मौके

पर पहुंची और दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रामगढ़ के थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि दोनों बच्चे शनिवार की शाम से

PHOTON NEWS PALAMU: जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल के हैदरनगर थाना अंतर्गत राणाडीह गांव में डायरिया का प्रकोप है। इससे एक बच्ची की मौत हो गई दर्जन भर लोग आक्रांत है। हुसैनाबाद एसडीओ

हुसैनाबाद में सहायक शिक्षक से

जाति सूचक शब्दों के साथ मारपीट

विधायक बाबुलाल मरांडी के प्रयास पियुष सिन्हा के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग की टीम रानाडीह गांव में कैंप कर रही है। डायरिया से जिस बच्ची की मौत हुई है, उसका नाम नित् कुमारी (10) है। प्रभारी चिकित्सा

> पदाधिकारी डा. विनेश कुमार ने रविवार को बताया कि जिन चार लोगों को ज्यादा दिक्कत है, उन्हें एंबुलेंस से अनुमंडलीय अस्पताल लाया गया है। उनका उपचार किया जा रहा है। डायरिया से पीडितों में

PHOTON NEWS PALAMU:

जिले के हुसैनाबाद थाना क्षेत्र के

झरगड़ा विद्यालय में सहायक शिक्षक

उमेश कुमार (40) के साथ गांव

के चार लोगों द्वारा मारपीट और

गाली-गलौज की घटना सामने आई

है। शिक्षक उमेश कुमार ने आरोप

लगाया है कि उनके साथ न केवल

मारपीट की गई, बल्कि जाति सूचक

शब्दों का भी इस्तेमाल किया गया।

घटना 16 अगस्त की है, जब उमेश

कमार अपने विद्यालय में पठन-

पाठन का कार्य कर रहे थे। उसी

समय गांव का एक लड़का स्कूल

प्रांगण में आया और उमेश कुमार से

अपने बच्चे का फार्म नवोदय

विद्यालय में भरवाने की बात कही।

लोगों से पूछताछ करती डॉक्टरों की टीम। कमारी, तिलेश्वरी देवी , सरस्वती देवी, विकास पासवान, सुषमा कुमारी, संजू देवी, उषा देवी चनारिक राम समेत अन्य शामिल हैं। प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने बताया कि मुखिया विकास सिंह, समाजसेवी

शिक्षक ने थाने में चार लडकों

के खिलाफ दिया आवेदन

उमेश कुमार ने यह स्पष्ट किया कि

उक्त बच्चा उनके विद्यालय में

नामांकित नहीं है, इसलिए वह यह

कार्य नहीं कर सकते। इस बात से

नाराज होकर, लड़के ने स्कूल छोड़

दिया और कुछ देर बाद लगभग

चार-पांच व्यक्तियों को लेकर वापस

आया। इनमें रुनजय यादव, चंदन

यादव, जितेन्द्र यादव और महेशी

यादव शामिल थे। इन चारों ने

विद्यालय में घुसकर गाली-गलौज

करना शुरू कर दिया और 'चमार'

जैसे जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल

करते हुए मारपीट करने लगे।

बबीता देवी की उपस्थित में लोगों की स्थिति को देखते हुए उन्हें दवा व बचाव की जानकारी दी दी जा रही है। चिकित्सक के साथ स्वास्थ्य कर्मी नीरज कमार सिंह व सनील कमार यादव एंबुलेंस के साथ एक टीम

धार्मिक ग्रंथ घर में होने से बच्चों धनबाद भाजपा में कलह, कार्यकर्ताओं

PHOTON NEWS KODERMA: विश्व हिंदु परिषद झारखंड प्रांत कार्य समिति की बैठक रविवार को हुई। तीन दिवसीय प्रांत बैठक शिव वाटिका झुमरी तलैया, कोडरमा में 16 अगस्त से 18 अगस्त हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने की। बैठक में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल ,मातृशक्ति, दुर्गा वाहिनी एवं विहिप के अन्य सभी आयम के प्रान्त,ज़िला अधिकारी एवं कार्यकर्ता बैठक में शामिल हए। बैठक के समापन समारोह में मुख्यवक्ता के रूप में विहिप के



केंद्रीय मंत्री अमरीश सिंह ने कहा कि सभी हिंदू परिवार में हिंदू संस्कार की रचना करने का कार्य विश्व हिंदू परिषद करती है। विश्व हिंदू परिषद अपने 60 वर्ष पूरे करने जा रही है। सिंह ने कहा कि धार्मिक ग्रंथ घर में होने से बच्चों

में संस्कार आता हैं। विहिप के केंद्रीय टोली सदस्य डॉ रविंद्र नारायण सिंह ने कहा कि विश्व हिंदू परिषद में सभी अधिकारी और कार्यकर्ता एक समान हैं और सभी को एक साथ मिल कर काम करने की आवश्कता है।

ने तीन नेताओं के खिलाफ लगाए नारे

PHOTON NEWS DHANBAD: राज्य में विधानसभा की चुनाव से पहले धनबाद बीजेपी में अंदरूनी कलह खुलकर समाने आया है। भाजपा के एक गुट ने धनबाद विधायक राज सिन्हा, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह और भाजपा महानगर श्रवण राय का खुलकर विरोध किया है। शहर के हीरापुर स्थित अग्रसेन भवन में भाजपा के एक गुट के कार्यकताओं की बैठक रविवार को हुई। इस दौरान बीजेपी कार्यकताओं ने धनबाद विधायक राज सिन्हा, प्रदेश मंत्री सरोज सिंह और भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय के खिलाफ जमकर अपनी भड़ास निकाली और तीन नेताओं के खिलाफ

मदार्बाद के नारे लगाए। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता बॉबी पांडे ने बताया कि धनबाद भाजपा में कुछ भी ठीक नहीं चल रहा है। उन्होंने कहा कि जब से धनबाद भाजपा महानगर अध्यक्ष श्रवण राय को बनाया गया है, तब से भेदभाव की राजनीति शुरू हो गई है। प्रदेश मंत्री सरोज सिंह और विधायक राज सिन्हा धनबाद जिला महानगर अध्यक्ष श्रवण राय के कंधे पर रखकर बंदुक चलाने का कार्य कर रहे हैं। बॉबी पांडे ने आरोप लगाया कि श्रवण राय पैसे देकर पार्टी में पद देने का काम कर रहे हैं। उनका आरोप है कि विधायक राज सिन्हा के इशारे पर

कोडरमा प्रखंड में मेघातरी के कुशहना गांव में बाढ़ जैसी स्थिति, टूटा संपर्क

हल्की बारिश में बह गया चेकडैम

जिले में जारी विकास की पोल खुल गई, जब कोडरमा प्रखंड के मेघातरी के कुशहना गांव में बना चेकडैम हल्की बारिश भी नहीं झेल पाया। नतीजा चेकडैम के बह जाने से कई गांव का सम्पर्क टूट गया। वहां बाढ़ का नजारा देखने को मिला। डैम के टूटने से सरकारी विद्यालय व कई घरों को भारी नुकसान हुआ है। वहीं कई मवेशी पानी में बह गए। प्राथमिक विद्यालय कुशहना में भी भारी नुकसान पहुंचा जहां विद्यालय में रखे मध्यान भोजन बनाने वाले अनाज, बच्चों के खेलकुद का समाज व कई जरूरी दस्तावेज बर्बाद हो गए। ग्रामीणों ने बताया कि अचानक चेकडैम टूटने की जोरदार आवाज के साथ गांव में

पानी घुसना शुरू हुआ। जिसके



बाद हम सभी समय किसी तरह सुरक्षित स्थान पर चले गए नहीं तो कई लोगों की जान भी जा सकती थी। इधर डैम टूटने की घटना की खबर पाकर कोडरमा सीओ व वन विभाग की टीम पहुंची। यहां डैम

का निर्माण किस विभाग के द्वारा किया गया था कोई बताने को तैयार नहीं था। पर बताया जाता है कि वन विभाग अंतर्गत वन्य प्राणी आश्रयणी कोडरमा प्रमंडल से उक्त चेकडैम का निर्माण कराया गया

था। ग्रामीणों का यह भी कहना था कि दो साल पहले भी मरम्मति करायी गयी थी और बड़ी राशि की निकासी कर ली गयी। इधर इस बाबत कोडरमा रेंजर रामबाबू ने बताया कि पता नहीं कौन विभाग से बना है। यह पूछे जाने पर कि वन विभाग में आपके बिना सहमति के कौन विभाग ओर कब बना था तो उन्होंने कहा कि बहुत पहले इसका निर्माण किया गया था, कह कर फोन कट कर दिया। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद विधायक नीरा यादव के निदेशानुसार भाजपा कार्यकताओं ने मेघातरी पंचायत के विभिन्न बाढ़ प्रभावित गांवों का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों का हाल जाना और उनके बीच चूड़ा, गुड़, सत्तू और बिस्कुट का वितरण किया।

खूंटी प्रेस क्लब ने दी वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र प्रसाद को भावभीनी श्रद्धांजलि

KHUNTI : खूंटी प्रेस क्लब के तत्वावधान में रविवार को खूंटी क्लब में शोकसभा का आयोजन कर खुंटी के वरिष्ठ पत्रकार और खुंटी प्रेस क्लब के संस्थापक अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। मौके पर प्रेस क्लब के अध्यख रंजीत प्रसाद ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद जिले के सभी पत्रकारों के लिए प्रेरणा स्रोत थे। खूंटी के लोग उन्हें उनकी निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए हमेशा याद करेंगे। पत्रकार अनिल मिश्र ने कहा कि राजेंद्र प्रसाद एक बेबाक और निर्भीक पत्रकार थे। राजेंद्र प्रसाद पत्रकार के साथ ही एक सुलझे हुए टिप्पणीकार थे। डॉ नीरज मिश्रा ने राजेंद्र प्रसाद के साथ गुजारे क्षणों की याद करते हुए कहा कि सच्चाई के लिए किसी से भी लोहा लेने की कुवत राजेंद्र प्रसाद में थी।

बाबा आम्रेश्वर धाम में जलार्पण के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

PHOTON NEWS KHUNTI: पवित्र सावन महीने में क्षेत्र के प्रसिद्ध बाबा आम्रेश्वर धाम अंगराबारी में जलाभिषेक के लिए दूर दराज क्षेत्रों से भक्तों का पहुंचना लगातार जारी है। इसी क्रम में श्रावण महीने के अंतिम रविवार को अवकाश के दिन अहले सुबह से ही बाबा आम्रेश्वर धाम में बाबा भोलनाथ का जलार्पण और पूजा-अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शनिवार आधी रात से ही हजारों भक्त पहुंचने लगे थे। रविवार को पूरे दिन यहां जलार्पण और पूजा-अर्चना करनेवाले श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। पूरे दिन यहां हजारों श्रद्धालुओं ने बाबा का जलाभिषेक किया। बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति द्वारा शनिवार की रात आयोजित परंपरागत श्रृंगार पूजन



कार्यक्रम में प्रबंध समिति के लोग शामिल हुए। विधि-विधान से संपन्न श्रृंगार पूजन के दौरान पवित्र शिवलिंग सहित बाबा के दरबार को रंग-बिरंगे फूलों से सजाया गया। ज्ञात हो कि एक महीने तक चलने वाले श्रावणी महोत्सव को लेकर उपायुक्त और एसपी के

निर्देश पर मंदिर परिसर में शांति

और सुरक्षा के लिए समुचित संख्या में पुलिस और सुरक्षाबलों के साथ महिला पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। साथ ही डंडाधिकारियों की भी प्रतिनियुक्ति की गई है। भक्तों की सुविधा के लिए पेयजल, स्नानागार, शौचालय सहित अन्य व्यवस्थाओं का उचित प्रबंधन किया गया है।













THE PH©TON NEWS www.thephotonnews.com

Monday, 19 August 2024

एसडीओ उत्कर्ष कुमार ने जारी किया निर्देश

शहर में कई स्थानों

पर लगेंगे सीसीटीवी

BRIEF NEWS राज्यपाल ने उत्तर प्रदेश की



RANCHI: झारखंड के राज्यपाल संतोष कमार गंगवार ने रविवार को उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल से राज भवन, लखनऊ में शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर उन्होंने राज्य में उच्च शिक्षा में सुधार के संदर्भ में चर्चा की।

महिला पुलिस सम्मेलन 23 और 24 अगस्त को

RANCHI: रांची में पहला राज्य स्तरीय महिला पुलिस सम्मेलन 23 और 24 अगस्त को आयोजित होगा। सम्मेलन में पुलिस महिला पुलिस की सेवा, सुरक्षा और सम्मान से संबंधित कार्यक्रम होंगे। साथ ही महिला पुलिस के अनुभवों और चुनौतियों को साझा किया जायेगा। बताया जाता है कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम के लिए प्रभावी रणनीतियों पर चर्चा की जाएगी।

ओल्ड हाईकोर्ट परिसर में हुई महा रुद्राभिषेक पूजा

RANCHI: झारखंड हाई कोर्ट के पुराने भवन परिसर (डोरंडा) के शिव मंदिर में रविवार को महा रुद्राभिषेक पूजन का आयोजन हआ। यह आयोजन झारखंड हाई कोर्ट पूजा समिति की ओर से की गयी। इसमें यजमान के रूप में झारखंड स्टेट बार काउंसिल के अध्यक्ष राजेंद्र कृष्ण, एडवोकेट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष रीतु कुमार, अधिवक्ता धीरज कुमार, नीता कृष्णा, अर्चना कुमारी, नवीन कुमार, कौशल मिश्रा, अभय मिश्रा, अशोक कुमार, विशाल तिवारी , निलनी झा, प्राण प्रणय, झारखंड हाई कोर्ट के कोर्ट अधिकारी संजीव झा के अलावा अमित पांडे, कुन्दन कुमार सहित

कई श्रद्धालु उपस्थित रहे। **डॉ. अरुण बने राजद चिकित्सा** प्रकोष्ट के प्रदेश अध्यक्ष

RANCHI: डॉ अरुण कमार को चिकित्सा प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष,संतोष प्रसाद को दस्तकार प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष और प्रणव कुमार बबलू को प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल का महासचिव मनोनीत किया गया है इस संबंध में रविवार को झारखंड प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के मुख्य प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष संजय कुमार सिंह यादव ने निर्देश दिया कि अति शीघ्र अपने अपने प्रकोष्ठ का गठन कर प्रदेश कार्यालय को सूची उपलब्ध कराए।

आज पहाड़ी मंदिर मुख्य द्वार पर महाआरती

RANCHI: सोमवार को पहाड़ी मंदिर मख्य द्वार पर संध्या 5 बजे भव्य महाआरती और उसके बाद महाभंडारा का आयोजन होगा। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में झामुमो की राज्यसभा सदस्य डॉ. महुआ माजी शामिल होंगी। यह जानकारी रविवार को नंदिकशोर सिंह चंदेल ने दी है।

नाम में क्या रखा कहना पुलिसवालों को पड़ेगा भारी

अब वर्दी के साथ नेम प्लेट लगाना अनिवार्य : डीजीपी

पुलिस के तमाम इकाइयों में तैनात अधिकारियों और जवानों को वर्दी के साथ नेम प्लेट लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। इयुटी के दौरान अधिकारियों और जवानों को वर्दी पहनना है और उसमें अपना नेम प्लेट लगाना है। झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने बताया कि झारखंड पुलिस की सभी इकाई, एंटी करप्शन ब्यूरो, सीआईडी, आर्म्ड फोर्स, जगुआर के साथ-साथ होमगार्ड के जवानों को भी वर्दी के साथ नेम प्लेट लगाना अनिवार्य है। डीजीपी अनुराग गुप्ता के अनुसार पब्लिक डीलिंग के समय तो वदीर्घारी को हर कीमत पर अपना नाम प्लेट लगाना है। आम लोगों को यह जानना जरूरी है कि जो व्यक्ति उनके पास आया है वह पुलिस के किस इकाई से है और उसका नाम क्या है। डीजीपी के मुताबिक, वर्दी के साथ-साथ नेम प्लेट नहीं लगाने

कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा हटाने के लिए 24 अगस्त को

मोरहाबादी में होगा महाजुटान

RANCHI: भाजपा नेता और राज्यपाल रहे कैलाशपति मिश्र की प्रतिमा रांची में लगाए जाने पर राजनीति गर्म हो गई है। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा ने सरकार और प्रशासन से तत्काल कैलाशपित मिश्र की प्रतिमा हटाने और प्रतिमा लगवाने में शामिल रांची सांसद सह केंद्रीय राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व मंत्री और विधायक सीपी सिंह, रांची की पूर्व मेयर आशा लकड़ा और पूर्व डिप्टी मेयर विजयवर्गीय पर कार्रवाई की मांग की है। सीपीआई की किसान महासभा से जुड़े झारखंड आंदोलनकारी पुष्कर महतो ने कहा कि कैलाशपित मिश्र की प्रतिमा हटाने के लिए 24 अगस्त में झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा के नेताओं का महाजटान होगा।



इस संबंध में डीजीपी ने कडे निर्देश भी जारी किए हैं। डीजीपी ने बताया कि उन्होंने आम लोगों से यह अपील की है कि अगर कोई पलिसवाला बिना नेम प्लेट के उन्हें नजर आता है तो उसकी तस्वीर खींचकर उसे व्हाटसएप करें। इस मामले में वैसे पुलिसकर्मी पर कार्रवाई की जाएगी। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस मुख्यालय को यह शिकायत मिली थी कि झारखंड के अधिकांश पुलिस अफसर और कर्मी वर्दी तो पहनते हैं लेकिन अपना नेम प्लेट नहीं लगाते हैं। पब्लिक डीलिंग के

सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाया

जाए। शांति समिति के सदस्यों द्वारा

बताया गया कि दिनांक 25 व 26

अगस्त को ताजिया व अखाडा

रात्रि में निकाला जायेगा। डीएसपी

ने बताया कि ड्रोन कैमरे से शरारती

तत्वों पर नजर रखी जायेगी।

जबिक जगह-जगह पर सीसीटीवी

कैमरा लगाया जायेगा और

दंडाधिकारी व पुलिस पदाधिकारी

की प्रतिनियुक्ति की जायेगी।

समय कई बार ऐसा भी हुआ है कि नाम पूछने पर आम लोगों को पुलिस के द्वारा प्रताड़ित भी किया गया। वैसे भी पलिस मैनअल में यह स्पष्ट है कि वर्दी के साथ नेम प्लेट लगाना आवश्यक है। अब डीजीपी ने इस मामले में कड़ाई बरतने के निर्देश दिए हैं।

जन्माष्टमी व चेहल्लुम को ले शांति समिति की हुई बैटक



चेहल्लुम और कृष्ण जन्माष्टमी एक ही दिन होने की संभावना है। जिसे देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय ने शांति समिति के साथ की बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोई भी उपद्रव किया या फिर अपने निर्धारित मार्ग छोड़कर जुलूस निकाला या बिना

लाइसेंस धारी आखाडा लेकर

सड़क पर उतरा तो उन पर कार्रवाई

की जाएगी। डीएसपी ने कहा कि

रांची बाईपास सड़क पर आवागमन शुरू, अब तक काम नहीं हुआ पूरा

RANCHI: रांची के विकास से रामपुर फोरलेन रोड में आवागमन तो शुरू कर दिया गया है, लेकिन अब भी इस सड़क के पूरी तरह से पूर्ण होने में समय लग रहा है। 26 127 किमी लंबी इस रोड को पूर्ण करने में करीब 1329 दिन की देरी अब तक की जा चुकी है। इस प्रोजेक्ट को जुलाई 2020 में ही पूरा कर दिया जाना था, लेकिन हर दिन इसमें देरी हो रही है। शुरूआत में काम करने वाली एजेंसी की ओर से विलंब हुआ बाद में अब पावर ग्रिड कॉरपोरेशन द्वारा युटिलिटी शिफ्टिंग कार्य में देरी की जा रही है। एक स्थान पर 220 केवी एचटी लाइन इस सड़क के उपर से गुजर रही है, जिसे अभी तक हटाया नहीं जा सका है। वहीं, फोरलेन रोड में कई जगह सर्विस

चुनाव आयोग के आदेश पर 64 पुलिस पदाधिकारियों को किया गया इधर से उधर

RANCHI: चुनाव आयोग के निर्देश पर झारखंड में 64 पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया है। इस संबंध में डीजीपी द्वारा आदेश दिये जाने के बाद डीआईजी कार्मिक ने इससे संबंधित अधिसूचना रविवार को जारी कर दी। जिन पुलिस पदाधिकारियों का तबादला किया गया हैं। उसमें 53 सब इंस्पेक्टर रैंक, एक मेजर और दस इंस्पेक्टर रैंक के पदाधिकारी शामिल है। गौरतलब है। कि बीते दिनों झारखंड समेत चार राज्यों में विधानसभा चुनाव के निकट होने का संकेत देते हुए चुनाव आयोग ने मुख्य सचिव को पत्र लिखा था जिसमें कहा गया है कि आयोग की नीति है कि चुनाव वाले राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव के संचालन से सीधे जुड़े अधिकारियों को उनके गह जिलों या उन स्थानों पर तैनात नहीं किया जाता है. जहां वह एक लंबे समय से तैनात है। इसलिए चुनावों से सीधे जुड़े किसी भी अधिकारी को वर्तमान जिले में बने रहने की अनुमति नहीं दी जायेगी। अगर वह अपने गृह जिले में तैनात है या उसने उसने पिछले चार वर्षों के दौरान उक्त जिले में तीन वर्ष वर्ष परे किए हैं, तो उसे स्थानांतरित किया जाए।



होगी। कैमरों की संख्या इतनी करते हुए सभी बैंक एवं वित्तीय होनी चाहिए कि उक्त प्रतिष्ठान के लेनदेन संस्थान, सभी एटीएम, आस-पास पड़ने वाले पब्लिक ज्वेलरी दुकानें, पेट्रोल पम्प, एरिया (आम जगह) जहां पर होटल एवं रेस्टोरेंट, शराब की आम जनता के आवागमन की दुकान, मल्टी स्टोरी फ्लैट/ संभावना हो, को कवर किया जा हाउसिंग सोसायटी,ऑटो एवं सके। कैमरों के माध्यम से उक्त बस स्टैंड, पेड पार्किंग, प्राइवेट एरिया पर नजर रखी जा सके। संचालित हॉस्टल, मॉल एवं कैमरा लगाते समय इस बिन्द पर मार्केटिंग कम्प्लेक्स, दवा दुकान, विशेष ध्यान दिया जाये कि किसी अपार्टमेन्ट एवं अन्य सभी की निजता भंग न हो। विशेषकर महत्वपर्ण व्यावसयिक संस्थानों जिन क्षेत्रों में महिला, बच्चे में अच्छी गुणवता के सीसीटीवी इत्यादि रहते हों या प्रयोग करते कैमरे पर्याप्त संख्या में लगाने का हों, उस क्षेत्र का कवरेज न हो। निर्देश दिया है। इन कैमरों में या प्रत्येक ऐसे संस्थान के प्रभारी तो रिकार्डिंग सिस्टम होगा या की जिम्मेवारी होगी कि वे फिर कैमरे की लाइव फीड को सुनिश्चित करें कि वे सीसीटीवी

राजीव गांधी की जयंती पर निकलेगी सद्भावना यात्रा

PHOTON NEWS RANCHI: पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी के 80 वीं जयंती पर सभी जिला अध्यक्षीं को जिला मुख्यालयों में सद्भावना यात्रा आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। अखिल भारतीय कांग्रेस किमटी के महासचिव के सी वेणुगोपाल के निदेशीनुसार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने यह निर्देश दिया है। इस संबंध में रविवार को जानकारी देते हुए प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता सोनाल शांति ने बताया कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने राष्ट्रहित के कार्यों को आगे बढ़ाते हुए उसकी गतिशीलता बरकरार रखी थी। उन्होंने गरीबी उन्मलन, सामाजिक समरसता, समाज के कमजोर वर्गीं के उत्थान,पंचायती राज के सुदृढ़ीकरण, युवाओं के विकास के लिए अपनी दुरदर्शिता का परिचय देते हुए कई



क्लाउड पर भेजने की व्यवस्था

पर उतारा था। उन्होंने बताया कि जिला अध्यक्षों को निर्देश दिया गया है कि स्वर्गीय राजीव गांधी के आदर्शों और आधुनिक भारत के निर्माण में उनके योगदान को जनता के बीच सद्भावना यात्रा के माध्यम से प्रचारित प्रसारित करेंगे। साथ ही सद्भावना यात्रा में सभी जिला अध्यक्ष अपने जिला अंतर्गत आने वाले सांसद, विधायक एवं संगठन के सभी स्तर के पदाधिकारी, कार्यकताओं भागीदारी सनिश्चित करेंगे।

प्रदेश कांग्रेस के सभी प्रवक्ता पूर्व की तरह रहेंगे कार्यरत

सही ढंग से कार्य करें।

RANCHI: कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय प्रभारी, प्रभारी,चेयरमैन सहित सभी प्रवक्ता और सोशल मीडिया चेयरमैन एवं सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर पूर्व की भांति कार्यरत रहेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने इस संबंध में निर्देश दिए है। इस संबंध में रविवार को प्रदेश कांग्रेस के मीडिया चेयरमैन सतीश पॉल मुंजनी ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष ने निर्देश देते हुए कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए संगठन और सरकार द्वारा जनमुद्दों को लेकर किए गए कार्यों को मीडिया के माध्यम से जनता तक पहुंचाना है। ताकि झारखंड में कांग्रेस के सिद्धांतों के अनुसार किए गए कार्यों से जनता परिचित हो सके। महागठबंधन सरकार द्वारा किए गए कार्यों को विभिन्न संवाद माध्यमों से भाजपा द्वारा अपना बताने की

निहित : डॉ. धनंजय द्विवेदी मंच निर्माण के लिए किया भूमि पुजन टाइम व ट्रैकिंग की करेंगे समीक्षा

PHOTON NEWS RANCHI: प्रसाद मुखर्जी

विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने कहा कि संस्कृत में ही भारतीय संस्कृति निहित है। हमारे आदर्शों, मान्यताओं एवं मूल्यों का स्रोत वही है और उसी ने हमारी परम्पराओं को जन्म दिया है। संस्कृत ज्ञान-विज्ञान की गंगोत्री है। दर्शन, भूगोल, खगोल, गणित, ज्योतिष, चिकित्सा विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, जन्तु विज्ञान, यन्त्र विज्ञान, भाषा विज्ञान, व्याकरण, समाज विज्ञान, राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, विधिविज्ञान, कामशास्त्र, संगीत,

साहित्य प्रभृति विविध ज्ञान



शाखाओं से सम्बन्धित सामग्रियां संस्कृत वाङ्मय में सहज ही उपलब्ध हैं। डॉ धनंजय वासुदेव द्विवेदी ने रविवार को विशेष बातचीत में कहा कि संस्कृत भाषा के अध्ययन से रोजगार के प्रायः वे सभी अवसर संस्कृत के छात्र को

PHOTON NEWS RANCHI:

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति, रांची के सान्निध्य में अलबर्ट एक्का चौक, मेन रोड में 26 तथा 27 अगस्त को श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया जाना है। इसके लिए रविवार को मेन रोड स्थित आयोजन स्थल पर श्रीकष्ण जन्माष्टमी के लिए बन रहे नाट्य व झांकी प्रतियोगिता के लिए मंच तैयार होगा। इसे बनाने के पर्व भिम पजन का कार्य रविवार को समिति के संरक्षक सह रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, पूर्व सांसद अजय मारू के अलावा अध्यक्ष मुकेश काबरा द्वारा आचार्य की उपस्थिति में संपन्न कराया गया। मौके पर संजय सेठ ने कहा कि प्रथम दिन 26 अगस्त को शाम चार बजे से धरित्री कला केंद्र



नेतृत्व में बाल कलाकारों के द्वारा भाव नृत्य प्रस्तुति होगी। कोलकाता के कलाकारों के द्वारा भगवान श्री राधाकृष्ण के भावपूर्ण नृत्य प्रदर्शन के साथ प्रस्तुति रखी जायेगी। श्री कृष्ण के बाल रूप की झांकी प्रतियोगिता का भी आयोजन रखा गया है.। मुकेश ने कहा कि दो ग्रुप में प्रतियोगिता का कार्य सम्पन्न

• फोटोन न्यूज होगा। प्रथम ग्रुप में छह महीने से लेकर छह वर्ष तक के बच्चे बच्चियां एवं दूसरे ग्रुप में सात वर्ष से 12 वर्ष तक के बच्चे- बच्चियां भाग ले सकेंगे। प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को प्रथम, द्वितीय पुरस्कार के अलावा सभी बच्चों के बीच सांत्वना पुरस्कार का भी

वितरण किया जायेगा।

संस्कृत में भारतीय संस्कृति मंत्री संजय सेंट ने कृष्ण जन्मोत्सव के डीजीपी डायल 112 के रिस्पास

डीजीपी अनुराग गुप्ता 20 अगस्त

को झारखंड पुलिस मुख्यालय में डायल 112 के रिस्पांस टाइम और ट्रैकिंग सिस्टम की समीक्षा करेंगे। इस दौरान यदि किसी पुलिस अफसर या पुलिसकर्मी की लापरवाही सामने आयी तो उसपर कार्रवाई भी हो सकती है। डीजीपी अनुराग गुप्ता के पहल पर डायल 112 को क्यूआर कोड डेवलप किया गया है। इस क्युआर कोड की कॉपी ऑटो, बस और एटीएम सहित शहर के विभिन्न स्थानों में लगा दिया गया है।अगर आप किसी संकट में हैं, तो आप क्युआर कोड को स्कैन कर पुलिस की हेल्प ले सकते हैं। डायल 112 के क्युआर कोड को डीजीपी अनुराग गुप्ता के प्रयास से डेवलप



टेक्निकल सेल ने डेवलप किया है। शहर के किसी भी जगह पर यदि कोई आदमी मुसीबत में फंसा हो, तो वह क्युआर कोड को स्कैन कर पुलिस को अपनी परेशानी बताकर मदद मांग सकता है। इसके लिए सबसे पहले क्युआर कोड को स्कैन करना होगा। मोबाइल से स्कैन करते ही मोबाइल में एक फॉर्म दिया जायेगा, जिसमें मात्र चार पाइंट भरने होंगे।

रक्षाबंधन पर छाया भद्रा का साया, अपराह्न एक बजकर 30 मिनट से बांधी जाएगी राखी

भाई-बहन का त्योहार रक्षाबंधन आज

🗕 सुबह तीन बजकर चार मिनट पर भद्रा होगी प्रारंभ

PHOTON NEWS RANCHI: ज्योतिषाचार्य पंडित सुरेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि 19 अगस्त सोमवार को रक्षाबंधन का पर्व मनाया जाएगा। इस बार रक्षाबंधन पर भद्रा का साया है, इस कारण रक्षाबंधन को सोमवार की अपराह्न एक बजकर 30 मिनट से मनाया जाएगा। इसी समय घरों में राखी पुजन होगा। राखी बांधने के लिए श्रेष्ठ मुहुर्त अपराह्न एक बजकर 30 मिनट से शाम सात बजकर पांच मिनट के बीच रहेगा। 19 अगस्त को तड़के सुबह तीन बजकर चार मिनट पर भद्रा प्रारंभ होगी, जो उस दिन अपराह्न एक बजकर 29 मिनट तक रहेगी। भद्रा के समय राखी बांधना अशुभ माना जाता



राशि में होने के कारण भद्रा का निवास पाताल में रहेगा। पंडित सुरेंद्र कुमार शर्मा ने आगे बताया कि हालांकि कई विद्वानों का मत है कि यदि भद्रा का वास स्थान पाताल या फिर स्वर्ग लोक में है तो वह पृथ्वी पर रहने वाले लोगों

है। 19 अगस्त को चंद्रमा मकर के लिए अशुभ नहीं होती है। उसे शुभ ही माना जाता है, लेकिन कई शुभ कार्यों में पाताल की भद्रा को नजर अंदाज नहीं कर सकते हैं। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की पूर्णिमा तिथि रक्षाबंधन पर्व के रूप में मनाई जाती है। इस पर्व में अपराह्न व्यापिनी पूर्णिमा तिथि का

• मिटाइयों की दुकान पर रही भीड़, बाजार रहा गुलजार

की निर्देशिका गार्गी मलकानी के

होना जरूरी हैं और भद्रा वर्जित है। पुराणों में भद्रा को सूर्य की पुत्री और शनि की बहन बताया गया है। किसी भी शुभ कार्य की इसकी उपस्थिति नहीं होनी चाहिए। इस साल रक्षाबंधन के दिन भद्रा का साया रहेगा। पंडित सुरेंद्र शर्मा ने बताया कि सोमवार को पूर्णिमा तिथि प्रातः तीन बजकर चार से रात्रि 11 बजकर 55 मिनट तक रहेगी। वहीं भद्रा प्रातः तीन बजकर चार मिनट से आरम्भ होकर दोपहर एक बजकर 29 पर समाप्त होगी। राखी बांधने के लिए श्रेष्ठ मुहूर्त सोमवार को अपराह्न एक बजकर 30 मिनट से शाम सात बजकर पांच मिनट के बीच रहेगा।

जीडी गोयंका की छात्राओं ने सैनिकों को बांधा रक्षा सूत्र

RANCHI: जीडी गोयंका के

छात्राओं ने रविवार को आर्मी कैंट नामकुम में रक्षाबंधन पर्व को एक महोत्सव के रूप में मनाया। छात्राओं ने रक्षा बंधन पर्व पर देश के जाबाज सैनिकों के माथे पर तिलक लगाकर उनके हाथ में रक्षा सूत्र बांधा । इस अवसर पर विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य और संभाषण के माध्यम से देश की सुरक्षा पर तैनात देश के वीर सैनिकों की भूमिका को अपने माध्यम से व्यक्त किया। साथ ही साथ इस रक्षाबंधन कार्यक्रम के दौरान सैनिकों ने समस्त जीडी गोयंका के विद्यार्थियों का अभिनंदन कर उन्हें उपहार स्वरूप भी दिया। इस अवसर पर विद्यालय के उपनिदेशक अमन सिंह ने रक्षाबंधन को पारिवारिक सामाजिक मुल्यों की याद दिलाने वाला त्योहार बताते हुए कहा कि रक्षाबंधन भाई-बहन के रिश्तों की मिठास, सुरक्षा के भाव तथा जीवन में रिश्तों की अहमियत सीखाता है।

रांची जिला सोना-चांदी व्यवसाय समिति की चुनाव प्रक्रिया शुरू



PHOTON NEWS RANCHI: सोना-चांदी व्यवसाय समिति, रांची की चुनाव संबंधी प्रक्रिया शुरू हो गई है। यह जानकारी देते हुए चुनाव प्रबंधन समिति ने बताया कि नामांकन फॉर्म जारी करने की शनिवार को अंतिम तारीख थी। शनिवार को अध्यक्ष पद के लिए एक नामांकन फॉर्म जारी किया गया। अध्यक्ष पद के लिए तीन, सचिव पद के लिए चार तथा कोषाध्यक्ष पद के लिए तीन समेत कुल 10 नामांकन फॉर्म जारी किए गए हैं। अब 19 और 20 अगस्त 2024 को भरे हुए

नामांकन का जमा लिये जाएंगे। 22 अगस्त को नामांकन फॉर्म वापस किया जा सकता है। 23 अगस्त को नामांकन फॉर्म की जांच-पड़ताल के पश्चात उम्मीदवारों के नामों की घोषणा की जाएगी। सभी उम्मीदवार अपना प्रचार-प्रसार 23 अगस्त से 6 सितंबर शाम 5 बजे तक कर सकते हैं। 8 सितंबर को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे तक चर्च रोड स्थित सोना-चांदी व्यवसायी समिति कार्यालय स्वर्णकलश स्वर्णकार भवन में संपन्न होगी। शाम 5 बजे से वोटों की गिनती शुरू की जाएगी।

14 जिलों में आज व कल भारी बारिश का अलर्ट

RANCHI: सावन महीने की समाप्ति झारखंड में भारी बारिश से होगी। मौसम विभाग ने 19 और 20 अगस्त को 14 जिलों में भारी बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग की मानें तो राज्य के दक्षिण-पश्चिमी एवं निकटवर्ती मध्य भागों में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इसमें गुमला, सिमडेगा, पश्चिमी सिंहभूम और खुंटी में भारी बारिश को लेकर ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। वहीं राज्य के मध्य एवं निकटवर्ती उत्तरी भागों में कहीं-कहीं पर भारी बारिश हो सकती है। इसमें रांची, लोहरदगा, लातेहार, चतरा, गढ़वा, पलामू, हजारीबाग, रामगढ, सरायकेला खरसांवा और पूर्वी सिंहभूम शामिल हैं। इन जिलों में बारिश को लेकर येलो अलर्ट जारी किया गया है। विभाग के अनुसार, 24 अगस्त तक राज्य में बारिश हो सकती है।

रामदास बोले- सभी विधायक क्षेत्र में, कोई कहीं नहीं गया

झामुमो में टूट के कयास पर घाटशिला विधायक ने दी सफाई

PHOTON NEWS JSR:

चम्पाई सोरेन के साथ अन्य विधायकों के दिल्ली जाने की बात पर घाटशिला के विधायक सह झाममो जिलाध्यक्ष रामदास सोरेन ने कहा कि यह अफवाह है। पर्वी सिंहभूम जिले के सभी झामुमो विधायक अपने क्षेत्र में ही हैं। उधर, खरसावां के विधायक

दशरथ गागराई ने कहा कि अगर कोई उन्हें 100 करोड़ रुपये भी दे देगा तो वे झामुमो नहीं छोड़ेंगे। गुरूजी (शिब् सोरेन) के मान सम्मान को ठेस पहुंचाने का कोई कार्य वे नहीं करने जा रहे हैं। भाजपा हमेशा से ही विधायकों को तोड़ने और झारखंड की वर्तमान सरकार को अस्थिर करने का

चम्पाई के दिल्ली जाने पर उन्होंने कहा कि वे उनके मार्गदर्शक हैं। वे भाजपा में शामिल होने या न होने को लेकर वे कोई प्रतिक्रिया



अपने समर्थकों के साथ विधायक रामदास सोरेन

देना नहीं चाहते। वहीं, बहरागोड़ा

के विधायक समीर मोहंती ने कहा

कि वे झामुमों के सच्चे सिपाही हैं।

इस पार्टी ने उन्हें बहुत कुछ दिया

है और वे आज जो भी पार्टी में हैं।

यह उदाहरण भी दिया कि झामुमो

को छोड़कर भाजपा में शामिल

होने वाले आज हाशिये पर हैं।

बहरागोड़ा क्षेत्र की जनता

इस बात को अच्छी तरह समझ

सुदेश महतो २० को आएंगे जमशेदपुर JAMSHEDPUR : आजसू

पार्टी के सुप्रीमो सुदेश महतो 20 अगस्त को जमशेदपुर आएंगे। पार्टी के जिला प्रवक्ता अप्पू तिवारी ने बताया कि उस दिन जुगसलाई विधानसभा स्तरीय चूल्हा प्रमुख सम्मेलन कमलपुर थाना स्थित कटिन में होगा। इसमें जुगसलाई विधानसभा के 10 हजार से अधिक चूल्हा प्रमुख शपथ ग्रहण करेंगे।

जुगसलाई थाना अंतर्गत पोस्ट

आफिस रोड के पास शुक्रवार देर

रात अपराधियों ने अभिजीत सिंह

पर फायरिंग की थी। इस मामले में

पुलिस ने तीन आरोपियों को

गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार

आरोपियों में नामजद आरोपी मोहित

पांडेय, रॉकी और राहुल शामिल हैं।

पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही

पर घटना में प्रयुक्त हथियार भी

बरामद किया है। पूछताछ में

आरोपियों ने पुलिस को बताया कि

घटना से दो दिन पूर्व अभिजीत और

उसके साथियों ने घर में घुसकर

मारपीट की थी। रास्ते में भी स्कृटी

में टक्कर को लेकर बहस हुई थी।

इसी बात को लेकर वे लोग

अभिजीत से समझौता करने गए थे।

CHAKRADHARPUR : पश्चिमी

सिंहभम जिला स्थित बंदगांव प्रखंड के सुदूर गांव में रविवार को

वज्रपात से बुजुर्ग की मौत हो गई।

यह घटना कराईकेला थाना के

भालपानी पंचायत स्थित रांगरिंग

गांव में हुई, जब 60 वर्षीय सहदेव

प्रधान अपनी खेत में हल जोतने

गए थे। सुबह करीब 11 बजे

जोरदार बारिश एवं बिजली

चमकने लगी। जब सहदेव खेत में

हल चला रहे थे, तभी उन पर

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि वर्षा

कम होने पर उन्होंने सहदेव प्रधान

को खेत में गिरा हुआ देखा।

ग्रामीण उन्हें तत्काल गाड़ी से

चक्रधरपर अनमंडल अस्पताल

लाए, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत

घोषित कर दिया। इसके बाद

सहदेव प्रधान के शव को

पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को

बिजली

चक्रधरपुर के सुदूर गांव में

वज्रपात से बुजुर्ग की मौत

पीएलएफआई के नाम पर आतंक मचाने का आरोपी धराया, मिला पर्चा

MANOHARPUR : पश्चिमी सिंहभम जिले के नक्सल प्रभावित आनंदपुर थाना क्षेत्र से एक व्यक्ति की हत्या का आरोपी और पीएलएफआई के नाम पर लेवी वसूलने का आरोपी याकुब टूटी को आनंदपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। याकुब के तीन कारतस. पीएलएफआई नक्सली का पर्चा

आदि बरामद किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार पश्चिमी सिंहभूम जिला के अति नक्सल प्रभावित गुदड़ी प्रखंड के बिरकेल निवासी याकुब टूटी पीएलएफआई का सिक्रय सदस्य था। वह गुदड़ी, सोन्आ, मनोहरपुर, आनंदपुर, बानो, रनिया आदि थाना क्षेत्र में पीएलएफआई के नाम पर लेवी वसुलता था। उसके खिलाफ मनोहरपुर और गुदड़ी में थाना में मामला दर्ज है। वह जेल भी जा

आनंदपुर थाना क्षेत्र के गुंडरी साप्ताहिक हाट में अपने साथियों के साथ मतियस कि गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले में फरार था। वह हमेशा पुलिस को

बागबेड़ा स्टेशन टीओपी के पीछे ४ दिनों से पड़ा था युवक शव, शिकायत पर हटाया

JAMSHEDPUR : टाटानगर स्टेशन गोलचक्कर के पास बागबेडा थाना के टीओपी के पीछे विगत चार दिनों से एक युवक का शव पड़ा हुआ था। युवक की मौत कैसे हुई, इसकी जानकारी किसी को नहीं है। जब इसकी जानकारी टीओपी में तैनात पुलिसवालों को दी गई, तब उन्होंने अनसना कर दिया। अंततः जब 4 दिनों के बाद डीएसपी तक मामला पहुंचा, तब उन्होंने संज्ञान में लिया और शव को हटाने का आदेश बागबेड़ा थाना को दिया। श्री श्री झारखंडेश्वर शिव दुर्गा हनुमान मंदिर टाटानगर के अध्यक्ष जितेंद्र यादव ने बताया कि रविवार की सुबह जब वे मंदिर की साफ-सफाई करा रहे थे, इस बीच एक व्यक्ति ने बताया कि 3-4 दिनों से टीओपी के पीछे एक युवक का शव पड़ा हुआ है। इसके बाद उन्होंने डीएसपी को घटना की जानकारी दी। डीएसपी तौकीर आलम की पहल पर शव

ईचागढ़ में मादा हाथी की संदेहास्पद मौत, जांच में ज़ुटा वन विभाग

क्षेत्र में इस वर्ष अब तक हो चुकी तीन हाथियों की मौत

सरायकेला-खरसावां जिले के ईचागढ़ प्रखंड के कुटाम, चोगाटांड में रविवार की सुबह एक मादा हाथी का शव मिलने से हड़कंप मच गया। ग्रामीणों ने वन विभाग को इसकी सूचना दी। इसके बाद भी काफी विलंब से विभाग के अधिकारी व कर्मचारी घटनास्थल पर पहुंचे। इस बीच ग्रामीण मृत इससे पूर्व एक की कुआं और एक की ट्रेन की चपेट में आकर हुई थी मौत हाथी की पूजा-अर्चना करने लगे। मृत हथिनी की उम्र करीब 20 वर्ष बता दें कि इस वर्ष क्षेत्र में तीन हाथियों की मौत हो चुकी है। वनरक्षियों के बताई जा रही है। ग्रामीणों का आंदोलन के कारण वन विभाग की कार्रवाई में देरी हुई है। इस वर्ष सबसे पहले

छह जनवरी को आंडा गांव में कुआं में गिरकर एक हाथी की मौत हुई थी। इसके बाद 9 जून को लेटेमदा में ट्रेन की चपेट में आकर एक हाथी की मौत हुई थी। अब ईचागढ़ के चोगाटांड़ में मादा हाथी की संदेहास्पद स्थिति में मौत लोगों में चर्चा का विषय बना हुआ है। मादा हाथी की मौत के बाद वन विभाग की कार्रवाई में वनरक्षियों के आंदोलन का असर साफ झलक रहा है। है। शव का पोस्टमार्टम कराने के

वृंदावन की तर्ज पर श्रद्धालुओं

ने झुलाया भगवान को झूला

बाद उसका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मादा हाथी की मौत को लेकर स्थानीय ग्रामीणों में तरह-तरह की चर्चा है। कुछ लोगों का कहना है कि खेतों में कीटनाशक दवा डाली गयी होगी, जहां धान का पौधा खाकर हाथी की मौत हुई है। वहीं कुछ ग्रामीणों का कहना है कि फसल को सरक्षित रखने के लिए खेत में बिजली का करंट लगाकर रखा गया होगा, जिसकी

• फोटोन न्यूज

और श्रद्धालुओं द्वारा झुलाया गया।

इस अवसर पर बुजवासी हेमंत

शर्मा द्वारा बुंदावन के झुलन

महोत्सव के महत्व के बारे बताया

की जीवंत झांकी प्रदर्शित की गई।

राधा गोविंद के रुप में दो कन्याओं

को सजाकर विराजमान कराया

गया। शनिवार संध्या को संध्या

आरती, तलसी आरती, भगवान

की शयन आरती हुई। बंगाल से

समाचार सार

ग्रामोत्थान केंद्र ने पुलिसकर्मियों को बांधी राखी

CHAKRADHARPUR: एकल ग्रामोत्थान महिला समिति की अध्यक्ष नीत साह के नेतत्व में परी टीम चक्रधरपर थाना पहुंच कर प्रभारी सह पुलिस निरीक्षक राजीव रंजन, पुलिस पदाधिकारी एवं जवानों



को राखी बांधी और मिठाई खिलाई। इस कार्यक्रम में महिला समिति की डिप्पी कौर, सुषमा साव, मीना भागेरिया, अनीता भागेरिया, राखी साव, बिमला शिंदे, नेहा अग्रवाल, बबिता

ताम्रकार, सविता साव, माया मिश्रा, रीता साव, किरण तिवारी, शिल्पा मिश्रा, सुशीला, प्रकाश महतो, संजय सिंह, संतोष महतो सिहत एकल विद्यालय के सभी कार्यकर्ता-आचार्य उपस्थित रहे।

अल्पसंख्यक स्कूलों के शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन



JAMSHEDPUR : अल्पसंख्यक विद्यालयों के शिक्षकों ने राज्य अल्पसंख्यक चेयरमैन हिदायतुल्लाह खान को ज्ञापन सौंपा। रांची कार्यालय में समाधान करने की मांग रखी। एसोसिएशन ऑफ मान्योरिटी एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन के बैनर

तले उपस्थित प्रतिनिधियों में कबीर वेलफेयर ट्रस्ट के फाउंडर ट्रस्टी प्रो. शमीम मदनी, करीम सिटी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मो. रियाज, साकची हाई स्कूल प्रबंध समिति की सदस्य पुरबी घोष व जेसी हाई स्कूल के सदस्य एसएन दत्ता, उत्तम सिन्हा व कबीर मेमोरियल उर्दू हाईस्कूल के एकेडिमक एडवाइजर रिजवान अहमद शामिल थे।

आम आदमी पार्टी ने निकाली तिरंगा यात्रा

JAMSHEDPUR : आम आदमी पार्टी, जमशेदपर महानगर इकाई ने



भालबासा, साकची गोलचक्कर, हावड़ा ब्रिज, गोलमुरी, टिनप्लेट होते हुए बारीडीह के मुख्य गोलचक्कर तक गई। नेताजी सुभाष चंद्र बोस की पुण्यतिथि और भारत के वीर शहीदों की याद में आप नेता अभिषेक कुमार

के नेतृत्व में निकाली गई यात्रा में मुख्य अतिथि आप नेता रईस अफरीदी के अलावा संतोष भगत, मनोज सिंह, संजय सिंह, अमित सिंह जख्मी, मणि यादव, चरणजीत सिंह, देवेंद्र सिंह, मनीष कुमार, राहुल मिश्रा, अमरजीत सिंह, अमित सिंह जत्थेदार, पंकज गुप्ता, पवन कुमार, हकीमुद्दीन वारसी, अफरोज आलम, कमलेश यादव सहित कई कार्यकर्ता

जिला कांग्रेस 20 को निकालेगी सद्भावना यात्रा

JAMSHEDPUR : प्रदेश कांग्रेस कमेटी के दिशा-निर्देश पर पूर्वी सिंहभम जिला कांग्रेस के तत्वावधान में भारत रत्न पर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 80वीं जयंती पर 20 अगस्त को सद्भावना यात्रा निकालेगी। इसमें मुख्य अतिथि प्रदेश महामंत्री बलजीत सिंह बेदी शामिल होंगे।

आरोपी मोहित पांडेय की मां ने अभिजीत पर लगाए कई गंभीर आरोप कपाली में देशी कट्टा व कारतूस के साथ युवक गिरफ्तार **PHOTON NEWS JSR:**

जुगसलाई फायरिंग मामला

हथियार के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार

कपाली ओपी अंतर्गत शाहिद बगान डोंगाडीह पास स्थानीय पुलिस ने छापेमारी कर रहमत नगर निवासी साजिद अंसारी उर्फ छोटा साजिद को हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने साजिद के पास से एक देशी कट्टा और दो गोली बरामद किया है। रविवार को मामले का खुलासा करते हुए सर्किल इंस्पेक्टर अजय कुमार ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि बीती रात डोंगाडीह के पास एक युवक हथियार के साथ घूम रहा है। वह लोगों को हथियार दिखाकर रंगदारी वसूलने का प्रयास कर रहा है। सूचना पर पुलिस ने एक टीम का गढन कर छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस ने युवक को संदिग्ध परिस्थिति में पकड़ा। पूछताछ करने पर युवक ने अपना नाम साजिद अंसारी बताया। तलाशी के क्रम में उसके पास से एक देशी कट्टा बरामद किया गया। अजय कुमार ने बताया कि साजिद एक शातिर अपराधी है। वह पूर्व में भी आर्म्स एक्ट

मौके पर मौजूद लड्डू ने हथियार बीच-बचाव में उनलोगों ने भी

अस्पताल पहुंचे डॉ. विजय सिंह

सांत्वना दी।

सौंप दिया गया। घटना की सूचना

मिलते ही समाजसेवी डॉ. विजय

सिंह गागराई अनुमंडल अस्पताल

पहुंचे और मतक के परिजनों को

उन्होंने परिवार को हरसंभव मदद

का आश्वासन दिया। उन्हें वज्रपात

से मौत मामले में राज्य सरकार से

मिलने वाला मुआवजा भी दिया

जाएगा। मृतक के तीन पुत्र व एक

पुत्री हैं। एक पुत्री का विवाह हो

गया है, जबिक दो पुत्र दिव्यांग हैं।

इस घटना से क्षेत्र में शोक की

फायरिंग शुरू कर दी और मौके से

भाजपा नेता विकास सिंह

पर मारपीट और चेन

भाजपा नेता विकास सिंह पर एक

बार फिर गंभीर आरोप लगे हैं।

हालांकि इस बार विधायक

प्रतिनिधि राकेश दास ने विकास

सिंह के खिलाफ मानगो थाना में

प्राथमिकी दर्ज कराई है। राकेश ने

विकास सिंह पर आरोप लगाया है

कि विकास सिंह ने उनके साथ

गाली गलौज करते हुए मारपीट की

और गले से सोने की चेन छीन

लिया। मामले को लेकर मानगो

थाना प्रभारी निरंजन कुमार ने

बताया कि राकेश कुमार के

अनसार वे और विकास सिंह एक

ही कॉलोनी में रहते हैं। कोई भी

वाटसएप ग्रप में विकास सिंह

भाजपा से जुड़ी खबर डालते हैं तो

उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं

होती, पर जब उनके द्वारा कांग्रेस से

जुड़ी खबर डाली जाती है तो उन्हें

ग्रुप से रिमूव कर दिया जाता है।

छीनने का मामला दर्ज



कहना है कि शनिवार की रात

लगभग 12 हाथियों का झुंड

चोगाटाड़ गांव में विचरण करते

देखा गया था। आशंका है कि मृत

मादा हाथी उसी झुंड की होगी।

हथिनी की मौत के कारणों का अब

पोस्टमार्टम के बाद होगा अंतिम

वन विभाग के अधिकारी मैनेजर

मिर्धा ने बताया कि मादा हाथी की

मौत कैसे हुई, यह जांच का विषय

तक पता नहीं चल सका है।

जानकारी देते पुलिस अधिकारी जैसे मामलों में जेल भी जा चुका है। जनवरी में ही वह जेल

से जमानत पर बाहर आया था। फिलहाल साजिद को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

गोविंद को विराजमान कराया गया विस चुनाव में फिर से हेमंत सोरेन के JAMSHEDPUR : मानगो थाना अंतर्गत आशियाना अनंतरा निवासी नेतृत्व में सरकार बनाना है : जोबा

पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु

CHAKRADHARPUR

रेलनगरी चक्रधरपुर के पंचमोड़

स्थित श्रीश्री राधा गोविंद मंदिर में

धूमधाम से झुलन उत्सव मनाया

जा रहा है। 16 अगस्त को प्रारंभ

हुए इस विशेष उत्सव में 17

अगस्त शनिवार को विशेष

कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर सुसज्जित

रंगबिरंगी सुवासित पुष्पों से

भगवान के झुला को सजाकर राधा

बिला पंचायत में झामुमो की बैठक में शामिल हुई सांसद

PHOTON NEWS GOILKERA: पश्चिमी सिंहभूम जिला के गोइलकेरा प्रखंड अंतर्गत बिला पंचायत में रविवार को झामुमो पंचायत समिति की बैठक हुई। बैठक में सांसद जोबा माझी भी

शामिल हुईं। कार्यकताओं को संबोधित करते हए सांसद ने कहा कि सर्वजन पेंशन, मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना और अबुआ आवास योजना ने प्रदेश की जनता को काफी राहत पहुंचाई है। महिला, बुजुर्ग और छात्रों के हित में कई कल्याणकारी योजनाएं लागू की गई हैं। सांसद ने कार्यकताओं में जोश भरते हुए कहा कि जल्द ही विधानसभा का चुनाव होने वाला



कार्यक्रम को संबोधित करतीं जोबा माझी

है। इसके लिए सभी कार्यकर्ता तैयारी में जुट जाएं, ताकि फिर से राज्य में हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बनाई जा सके।

अंत में उन्होंने कहा कि मनोहरपुर से पार्टी जिसे भी उम्मीदवार बनाएगी उसकी जीत सनिश्चित करना हमारा लक्ष्य होना चाहिए। प्रखंड अध्यक्ष मनसुख गोप की

अध्यक्षता में हुई बैठक का संचालन सुरेश सुरीन ने किया, जबिक इस मौके पर संजीव प्रधान. प्रिंस खान, सुखमती कोड़ाह, माधवी बोबोंगा, श्रवण प्रधान, अरविंद प्रधान, अम्बा लाल प्रधान, अजय नायक, रमाकांत प्रधान, यशवंत प्रधान आदि समेत कई

कार्यकर्ता उपस्थित थे।

गोपाल मैदान में समाज, राज्य, राष्ट्र व मानव कल्याण के लिए हुआ पूजन

मिथिला समाज ने पूजे २१ लाख पार्थिव शिवलिंग, भक्तों की उमड़ी भीड़

PHOTON NEWS JSR:

मिथिला समाज जमशेदपुर द्वारा रविवार को बिष्टुपुर स्थित गोपाल मैदान में भव्य धार्मिक अनुष्ठान हुआ, जिसमें 21 लाख पार्थिव शिवलिंग पूजे गए। इसका समापन भजन संध्या से हुआ, जिसमें स्थानीय गायकों-कलाकारों ने पूरे मैदान को आध्यात्मिक माहौल से सराबोर कर दिया। अनुष्ठान में सांसद बिद्युत बरण महतो और विधायक सरयू राय भी शामिल हए। 41 यजमान 25 पंडितों के देखरेख में यह पूजन समाज, राज्य, राष्ट्र एवं मानव कल्याण के लिए किया गया। संपूर्ण सनातन समाज का सहयोग इस पूजा को प्राप्त हुआ और सुबह से शाम तक संपूर्ण सनातन समाज से जुड़े भक्तों का तांता लगा रहा। आयोजकों के अनुसार, लगभग 10000भक्तों के



सुबह से महिलाएं कर रही थीं शिवलिंग निर्माण

शिवलिंग निर्माण के लिए पूरे शहर के लगभग 7000 घरों में मिट्टी-गोबर का वितरण किया गया था। लगभग 1000 महिलाएं गोपाल मैदान स्थित पंडाल में सुबह 7 बजे से ही मिट्टी व गाय के गोबर से पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर रही थीं। सुबह से ही भक्तों का कई समूह फूलों को व्यवस्थित कर रहा था, तो कोई बेलपत्र चुनने में लगा था। पूरे शहर से घर–घर में बने महादेव के संग्रह के लिए विशेष व्यवस्था की गई थी और दोपहर 2 बजे तक सारे पार्थिव शिवलिंग का एकत्रीकरण गोपाल मैदान में हो गया था, इसमें लगभग 200 से अधिक कार्यकर्ता लगे थे। महिलाएं पार्थिव शिवलिंग निर्माण के साथ ही पूजन सामग्रियों की व्यवस्था भी कर रही थीं। अन्य प्रकार की व्यवस्थाओं में भी सहयोग दे रही थीं।

प्रसाद ग्रहण किया। भक्तों की सुविधा के लिए मेडिकल कैंप भी लगाया गया था। भक्तों के लिए

चाय और पानी की व्यवस्था की गई थी। विशेष कर महिलाओं का उत्साह तो देखते ही बन रहा था। मिथिला समाज की तरफ से इस आयोजन के संयोजक शंकर पाठक ने बताया कि इस अनुष्ठान में मिथिला समाज से जुड़ी सभी संस्थाओं का सहयोग प्राप्त हुआ। जिस प्रकार भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी है और संपूर्ण सनातन समाज की इसमें भागीदारी रही है, यह विशेष उपलब्धि है। बाबा सबका कल्याण करेंगे यह हमारा विश्वास है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण संध्या आरती रहा, जिसमें कीर्तन मंडली एवं अन्य भक्तों एवं मंडलों द्वारा दिन भर भजन-कीर्तन का दौर चलता रहा। भक्तों का उत्साह आयोजन में भक्ति का

विशेष रंग भर रहा था। इनकी रही सहभागिता : कार्यक्रम को सफल बनाने में विशिष्ट स्तर पर कई लोग सिक्रय रहे, जिनमें डॉ. अशोक कुमार झा अविचल, लक्ष्मण झा, सुजीत कुमार झा, मोहन ठाकुर, धर्मेश कुमार झा, लड्डू झा, सरोजकांत झा, सुरेश झा, तरुणा मिश्रा, अशोक कुमार, पंकज झा, अनिल झा, विक्रमादित्य सिंह, राजीव रंजन, बबलू झा, कुमुद कुमार खां, रमण कुमार झा, मनोज झा, पंकज राय, रणधीर मिश्र, मन्नू झा, प्रभाकर सिंह, विकास सिंह, विमल जालान, डॉ. आरके चौधरी, कैलाश झा, सुरेश झा, रंजीत झा, शिवचंद्र झा, पं. बिपिन झा, राजीव रंजन झा, सुर रंजन राय, राजेश झा, अजय कुमार झा आदि सक्रिय रहे। संपूर्ण पूजन शहर के पं. विपिन झा एवं दरभंगा के डॉ. ध्रुव कुमार के नेतृत्व में 25 प्रशिक्षित पंडितों द्वारा पूर्ण कराया गया।

डॉ. हयात के भोजपुरी गजल संग्रह का हुआ लोकार्पण



कार्यकम मे शामिल साहित्यकार

• फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : डॉ. उदय प्रताप हयात के भोजपुरी गजल संग्रह 'बार के दीअरी दहा दिहिला' का लोकार्पण रविवार को पेंशनर कल्याण समाज, साकची में हुआ। इसमें बतौर अतिथि अरविंद विद्रोही, मनोकामना सिंह व कोल्हान के पूर्व आयुक्त मोहनलाल राय उपस्थित थे। जलेस अध्यक्ष अशोक शुभदर्शी ने बधाई संदेश में कहा कि उदय ने इस पुस्तक में भोजपुरी समाज की श्रम संस्कृति को उभारा है। समीक्षक दिव्येन्दु त्रिपाठी ने उदय हयात के मध्य वर्गीय चेतना की

प्रशंसा की। प्रदीप सिंह ने कहा कि उदय हयात ने अपने गंवई संस्कार को गजल और गीत में ढाला है, जो सुख देता है। उन्होंने भोजपुरी समाज में महिला सम्मान की भी बात की है। मुख्य अतिथि अरविंद विद्रोही ने पुस्तक प्रकाशन पर हर्ष व्यक्त किया एवं हयात की रचनाओं को आम लोग से जुडा बताया। पुस्तक की कुछ रचनाओं को वरुण प्रभात व डॉ. लता मानकर ने प्रस्तुत किया। मनोकामना सिंह ने भोजपुरी गजलकारों को याद करते हुए पुस्तक को उपयोगी बताया।

www.thephotonnews.com Monday, 19 August 2024



रक्षाबंधन राखी पर यदि कर लिए ये 8 अचूक उपाय

19 अगस्त 2024 को रक्षा बंधन का त्योहार मनाया जाएगा । राखी के इस पर्व पर श्रावण मास की पूर्णिमा होती है । यदि आप आर्थिक संकट से परेशान हैं, कर्ज से मुक्ति चाहते हैं और दरिद्रता आपको सता रही है तो इस बार रक्षाबंधन पर आजमाएं हमारे बताए गए ८ अचूक उपाय ।

1. रक्षा बंधन का त्योहार पूर्णिमा के दिन मनाया जाता है पूर्णिमा के देवता चंद्रमा है। इस तिथि में चंद्रदेव की पूजा करने से मनुष्य का सभी जगह आधिपत्य हो जाता है । यह सौम्या तिथि हैं ।

2. रक्षाबंधन पर ५ शुभ योग का संयोग आ रहा है, जो बहुत दुर्लभ योग है। इन योगों के नाम हैं- सर्वार्थ सिद्धियोग, रवियोग, सौभाग्ययोग, शोभनयोग और श्रावण नक्षत्र के संयोग सहित ये 5 योग हैं। अत- इस दिन व्रत रख कर रक्षा बंधन मनाने का कई गुना लाभ है।

3. रक्षा बंधन पर हनुमानजी को राखी बांधने से वे भाई-बहनों के बीच के ऋोध को शांत करके उनमें आपसी प्रेम को बढा

4. आपको यदि ये लगता है कि मेरे भाई को किसी की नजर लग गई है तो आप इस दिन फिटकरी को अपने भाई के उपर से 7 बार वार कर उसे किसी चौराहे पर फेंक आएं या चूल्हे की आग में जला दें। इससे नजर दोष दूर हो जाएगा

5. यह भी कहा जाता है कि इस दिन गणेशजी की पूजा करने से भाई-बहन के रिश ते में प्यार बढ़ जाता है।

6. इस दिन बहन को हर तरह से खुश रखने और उसे उसका मनपसंद उपहार देने से भाई के जीवन में भी गई खुशियां लौट आती हैं।

7. दरिद्रता दूर करने के लिए अपनी बहन के हाथ से गुलाबी कपड़े में अक्षत, सुपारी और एक रुपए का सिक्का ले लें। इसके बाद अपनी बहन को वस्त्र और मिठाई उपहार और रूपए दें और चरण छूकर उसका आशीर्वाद लें।दिए गए गुलाबी कपड़े में लिया गया सामान बांधकर उचित स्थान पर रखने इसे घर की दरिद्रता दूर हो जाएगी।

8. एक दिन एकाशना करने के उपरांत रक्षाबंधन वाले दिन शास्त्रीय विधि– विधान से राखी बांधते हैं। फिर साथ ही वे पितृ–तर्पण और ऋषि–पूजन या ऋषि तर्पण भी किया जाता है । ऐसा करनें से पितरों का आशीर्वोंद और सहयोग मिलता है जिससे जीवन के हर संकट समाप्त हो जाते हैं।

रक्षाबंधनभाईऔर बहन के प्यार का प्रतीक



रक्षा बंधन का त्योहार हर साल श्रावण पूर्णिमा को

मनाया जाता है। रक्षा बंधन का त्योहार भाई बहन के

प्यार का प्रतिक है, जिसे राखी का त्योहार भी कहा

जाता है। रक्षा बंधन पर बहन भाई की कलाई पर राखी

बंधती और उसके सुखी जीवन की प्राथना करती है।

इसके साथ ही बहन बहन से अपनी सुरक्षा का वचन

पूरे भारत समेत अन्य देशों में भी मनाया जाता है।

रक्षा बंधन का त्योहार भाई और बहन के बीच के

बंधन को मजबूत करने वाला पर्व है।

रक्षा बंधन का अर्थ है रक्षा का

बंधन, यह का पर्व हर साल

श्रवण मास पूर्णिमा को

मनाया जाता है। इस दिन बहन

अपने भाई

की रक्षा

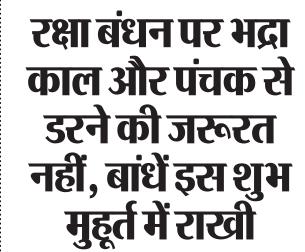
लेती है। रक्षा बंधन हिन्दुओं को प्रमुख त्योहार है, जिसे

लिए उसकी कलाई पर राखी नामक पवित्र धागा बांधती है। श्रावण मास की पूर्णिमा पर मनाया जाने वाला रक्षा बंधन भारत का संबसे लोकप्रिय त्योहार है। राखी के त्योहार को लेकर कई प्राचीन कहानियां प्रचलित में हैं। अगर हम इतिहास में देखें तो भाई और बहन के बीच प्यार का प्रतिक रक्षा बंधन युद्ध में जीत का भी प्रतिक है।



राखी और आधुनिक तकनीकी माध्यम

आज के आधुनिक तकनीकी युग एवं सूचना सम्प्रेषण युग का प्रभाव राखी जैसे त्योहार पर भी पडा है। बहुत सारे भारतीय आजकल विदेश में रहते हैं एवं उनके परिवार वाले (भाई एवं बहन) अभी भी भारत या अन्य देशों में हैं।इण्टरनेट के आने के बाद कई सारी ई-कॉमर्स साइट खुल गयी हैं जो ऑनलाइन आर्डर लेकर राखी दिये गये पते पर पहुँचाती है। इसके अतिरिक्त भारत में राखी के अवसर पर इस पर्व से सम्बन्धित एक एनीमेटेड सीडी भी आ गयी है जिसमें एक बहन द्वारा भाई को टीका करने व राखी बाँधने का चलचित्र है। यह सीडी राखी के अवसर पर अनेक बहनें दूर देश में रहने वाले अपने भाइयों को



सावन माह की पूर्णिमा यानी १९ अगस्त २०२४ सोमवार के दिन रक्षाबंधन का त्योहार मनाया जा रहा है। इस दिन भद्रा का साया रहेगा और इसी के साथ ही पंचक भी प्रारंभ होगा। बीच में अशुभ मुहूर्त भी रहेगा। कई लोग असमंजस में हैं कि फिर राखी कब बांधें । उनके लिए यहाँ प्रस्तुत है शास्त्र सम्मत शुभ मुहूर्त ।

भद्रा का वास: 19 अगस्त 2024 को भद्रा का वास पाताल लोक में रहेगा। अधिकतर ज्योतिष मान्यता के अनुसार यदि भद्रा पृथ वीलोक की हो तो ही इसके नियम मान्य होते हैं। भद्राकाल प्रांत- ०५-५३ से दोपहर ०१-३० तक रहेगा। इसलिए इसके बाद शुभ मुहूर्त में राखी बांध सकते हैं।

पंचक काल : 19 अगस्त 2024 को शाम 7 बजे से पांच दिनों के लिए अश्भ पंचक काल प्रारंभ होगा। हालांकि सोमवार को पड़ने वाला पंचक राज पंचक कहलाता है। राज पंचक को शुभ फलदायी माना जाता है इसलिए इस काल में राखी बांधने में कोई दोष नहीं लगेगा। यह पंचक शुभ माना जाता है और मान्यता अनुसार इसके प्रभाव से पांच दिनों में कार्यों में सफलता मिलती है खासकर सरकारी कार्यों में सफलता के योग बनते हैं साथ ही संपत्ति से जड़े काम करना भी

नक्षत्र : इस दिन धनिष्ठा नक्षत्र रहेगा। धनिष्ठा नक्षत्र में शुरु होने वाले पंचक में अग्नि का भय रहता है। इसलिए सावधानी रहें। राखी बांधने में कोई दोष नहीं है। शुभ मुहूर्त का समय : 19 अगस्त को रक्षाबंधन का मुहूर्त दोपहर में 03-40 बजे से रात ९-०८ बजे तक रहेगा। इस बीच शुभ मुहूर्त या चौघड़ियां में राखी बांध

रक्षाबंधन पर राखी बांधने का शुभ मुहूर्त-अभिजीत मुहूर्त : सुबह ११-५८ से दोपहर १२-५१ तक। विजय मुहूर्त : दोपहर 02-35 से दोपहर 03-27 तक। गोधूलि मुहुर्त : शाम ०६-५६ से ०७-१८ तक। रक्षा बंधन प्रदोष मुहूर्तः शाम ०६-५६-०६ से रात्रि ०९-०७-३१ तक । सर्वश्रेष्ठ महर्तः मध्याह्न ३२३० से ६२४५ मिनट तक।

क्या होती है भद्रा?

प्रचलित है। मान्यता के अनुसार लंकापति राजा रावण ने अपनी बहन से भद्रा के समय ही राखी बंधवाई थी। भद्राकाल में राखी बांधने के कारण ही रावण का सर्वनाश हुआ था। इसी मान्यता के आधार पर जब भी भद्राकाल होता है तो उस समय बहनों को अपने भाइयों की कलाई पर राखी नहीं बांधती हैं। इसके अलावा भद्राकाल में भगवान शिव तांडव नृत्य करते हैं इस कारण से भी भद्रा में शुभ कार्य नहीं किया जाता है।



Happy Raksha Bandhan

णंक प्रसंग

राखी का त्योहार कब शुरू हुआ यह कोई नहीं जानता। लेकिन भविष्य पुराण में वर्णन मिलता है कि देव और दानवों में जब युद्ध शुरू हुआ तब दानव हावी होते नज़र आने लगे। भगवान इन्द्र घबरा कर बृहस्पति के पास गये। वहां बैठी इन्द्र की पत्नी इंद्राणी सब सुन रही थी। उन्होंने रेशम का धागा मन्त्रों की शक्ति से पवित्र करके अपने पति के हाथ पर बाँध दिया। संयोग से वह श्रावण पूर्णिमा का दिन था। लोगों का विश्वास है कि इन्द्र इस लड़ाई में इसी धागे की मन्त्र शक्ति से ही विजयी हुए थे। उसी दिन से श्रावण पूर्णिमा के दिन यह धागा बाँधने की प्रथा चली आ रही है । यह धागा धन, शक्ति, हर्ष और विजय देने में पूरी तरह समर्थ माना जाता है। इतिहास में कृष्ण और द्रौपदी की कहानी प्रसिद्ध है, जिसमे युद्ध के दौरान श्री कृष्ण की उंगली घायल हो गई थी, श्री कृष्ण की घायल उंगली को द्रौपदी ने अपनी साड़ी मे से एक दुकड़ा बाँध दिया था, और इस उपकार के बदले श्री कृष्ण ने द्रौपदी को किसी भी संकट मे द्रौपदी की सहायता करने का वचन दिया था। स्कन्ध पुराण, पद्मपुराण और श्रीमद्भागवत में वामनावतार नामक कथा में रक्षाबन्धन का प्रसंग मिलता है। कथा कुछ इस प्रकार है, दानवेन्द्र राजा बलि ने जब 100 यज्ञ पूर्ण कर स्वर्ग का राज्य छीनने का प्रयत्न किया तो इन्द्र आदि देवताओं ने भगवान विष्णु से प्रार्थना की । तब भगवान वामन अवतार लेकर ब्राह्मण का वेष धारण कर राजा बलि से भिक्षा माँगने पहुँचे । गुरु के मना करने पर भी बलि ने तीन पग भूमि दान कर दी।भगवान ने तीन पग में सारा आकाश पाताल और धरती नापकर राजा बलि को रसातल में भेज दिया। इस प्रकार भगवान विष्णु द्वारा बलि राजा के अभिमान को चकनाचूर कर देने के कारण यह त्योहार बलेव नाम से भी प्रसिद्ध है कहते हैं एक बार बिल रसातल में चला गया तब बिल ने अपनी भिवत के बल से भगवान को रात-दिन अपने सामने रहने का वचन ले लिया। भगवान के घर न लौटने से परेशान लक्ष्मी जी को नारद जी ने एक उपाय बताया । उस उपाय का पालन करते हुए लक्ष्मी जी ने राजा बलि के पास जाकर उसे रक्षाबन्धन बांधकर अपना भाई बनाया और अपने पति भगवान विष्णु को अपने साथ ले आयीं। उस दिन श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि थी। विष्णु पुराण के एक प्रसंग में कहा गया है कि श्रावण की पूर्णिमा के दिन भगवान विष्णु ने हयग्रीव के रूप में अवतार लेकर वेदों को ब्रह्मा के लिये फिर से प्राप्त किया था। भगवान हयग्रीव को विद्या और बुद्धि



ऐतिहासिक प्रसंग

बाद बहन पराये घर में चली जाती है । इस बहाने प्रतिवर्ष अपने संगे ही नहीं अपितु दूरदराज के रिश्तों के

है। दो परिवारों का और कुलों का पारस्परिक योग (मिलन) होता है। समाज के विभिन्न वर्गों के बीच भी

एकसूत्रता के रूप में इस पूर्व का उपयोग किया जाता है । इस प्रकार जो कड़ी टूट गयी है उसे फिर से

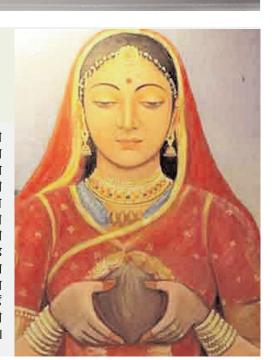
भाइयों तक को उनके घर जाकर राखी बाँधती है और इस प्रकार अपने रिश्तों का नवीनीकरण करती रहती

राजपूत जब लडाई पर जाते थे तब महिलाएँ उनको माथे पर कुमकुम तिलक लगाने के साथ साथ हाथ में रेशमी धागा भी बाँधती थी। इस विश्वास के साथ कि यह धागा उन्हे विजयश्री के साथ वापस ले आयेगा। राखी के साथ एक और प्रसिद्ध कहानी जुड़ी हुई है। कहते हैं, मेवाड़ की रानी कर्मावती को बहादुरशाह द्वारा मेवाड़ पर हमला करने की पूर्वे सूचना मिली। रानी लड़ने में असमर्थ थी अत उसने मुगल बादशाह हुमायूँ को राखी भेज कर रक्षा की याचना की। हुमायूँ ने मुसलमान होते हुए भी राखी की लाज रखी और मेवाड़ पहुँच कर बहादुरशाह के विरुद्ध मेवाड़ की ओर से लड़ते हुए कर्मावती व उसके राज्य की रक्षा

जागृत किया जा सकता है।

की। एक अन्य प्रसंगानुसार सिकन्दर की पत्नी ने अपने पति के हिन्दू शत्रु पुरुवास को राखी बाँधकर अपना मुँहबोला भाई बनाया और युद्ध के समय सिकन्दर को न मारने का वचन लिया। पुरूवास ने युद्ध के दौरान हाथ में बँधी राखी और अपनी बहन को दिये हुए वचन का सम्मान करते हुए सिकन्दर को जीवन–दान दिया। महाभारत में भी इस बात का उल्लेख है कि जब ज्येष्ट पाण्डव युधिष्टिर ने भगवान कृष्ण से पूछा कि मैं सभी संकटों को कैसे पार कर सकता हूँ तब भगवान कृष्ण ने उनकी तथा उनकी सेना की रक्षा के लिये राखी का त्योहार मनाने की सलाह दी थी। उनका कहना था कि राखी के इस रेशमी धागे में वह शक्ति है जिससे आप हर

आपत्ति से मुक्ति पा सकते हैं। इस समय द्रौपदी द्वारा कृष्ण को तथा कुन्ती द्वारा अभिमन्यु को राखी बाँधने के कई उल्लेख मिलते हैं। महाभारत में ही रक्षाबन्धन से सम्बन्धित कृष्ण और द्रौपदी का एक और वृत्तान्त भी मिलता है। जब कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शिशुपाल का वध किया तब उनकी तर्जनी में चोट आ गई। द्रौपदी ने उस समय अपनी साड़ी फाड़कर उनकी उँगली पर पट्टी बाँध दी।यह श्रावण मास की पूर्णिमा का दिन था। कृष्ण ने इस उपकार का बदला बाद में चीरहरण के समय उनकी साड़ी को बढ़ाकर चुकाया। कहते हैं परस्पर एक दूसरे की रक्षा और सहयोग की भावना रक्षाबन्धन के पर्व में यहीं से प्रारम्भ हुई।



Monday, 19 August 2024

रक्षाबन्धन पर्व से जीवन में सीख



डॉ. शारदा मेहता

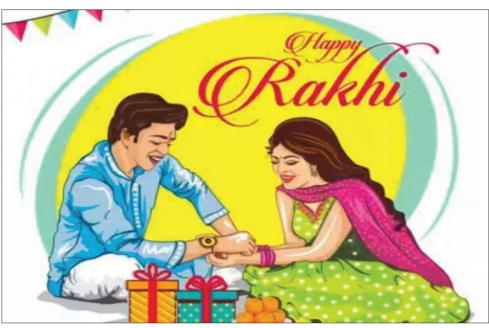
वर्तमान समय परिवर्तन का युग है। अनेक बहिनें विदेशों ेमें निवास करती हैं। कई भाई भी विदेशों में रहते हैं। वे सभी डिजिटल राखियाँ एक-दूसरे को भेजकर इस त्योहार की औपचारिकता पूर्ण करते हैं। सीमित परिवारों में या तो दो बहनें होती हैं या दो भाई होते हैं। कुछ परिवारों में एक भाई एक बहन होते हैं। दो बहनें एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बाँध कर एक-दूसरे की रक्षा का वचन ले सकती हैं। इसी प्रकार दो भाई भी एक-दूसरे को राखी बाँधकर इस त्योहार का आनन्द ले सकते हैं और आजीवन एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं।

ई-बहन के पवित्र स्नेह का प्रतीक रक्षाबन्धन का त्योहार भारतीय संस्कृति के प्रमुख त्योहारों में माना जाता है। श्रावण मास की पूर्णिमा के दिन बड़े हर्ष के साथ इस पर्व को मनाया जाता है। इस पूर्णिमा को श्रावणी पूर्णिमा तथा नारियल (नारेली) पूर्णिमा भी कहते हैं। पुरुषों द्वारा गले में धारण किए जाने वाला पवित्र धागा जिसे यज्ञोपवीत कहते हैं श्रावणी पूर्णिमा के दिन बदल कर उसके बदले में पूजन कर नई यज्ञोपवीत धारण की जाती है। नदी आदि पवित्र स्थानों पर सामहिक रूप से इसे बदलने का कार्यक्रम पंडितों द्वारा आयोजित किया जाता है जहाँ विधिपर्वक पजन कर इसे धारण किया जाता है। घरों में भी पुजन विधि पूर्ण कर इसे पहना जाता है। बाजार में पूजन सामग्री विक्रेताओं के यहाँ यज्ञोपवीत आसानी से उपलब्ध हो जाती है।

रक्षाबंधन का त्योहार कब से प्रारंभ हुआ इस विषय में विभिन्न पौराणिक ग्रंथों में भिन्न-भिन्न कथाएँ पढने को प्राप्त होती है। किस कथा को आधार मान कर यह पर्व अस्तित्व में आया इस विषय में विद्वानों में मतैक्य नहीं है। इस लेख में कुछ प्रचलित कथाओं का संक्षेप में वर्णन किया जा रहा

१. इन्द्र की कथा- देवराज इन्द्र की राजा बलि से युद्ध में रक्षा करने के लिए उनकी पत्नी शची (इन्द्राणी) ने एक रक्षा सूत्र तैयार किया और उसे इन्द्र की कलाई पर बाँध दिया। तभी से रक्षा सूत्र बाँधने की परम्परा अस्तित्व में आई। इस कथा के आधार पर राखी, पत्नी ने पित को युद्ध में जीत दिलाने की शुभेच्छा से बाँधी थी। कुछ विद्वानों का मत है कि इन्द्राणी ने रक्षा सूत्र तैयार किया और किसी श्रेष्ठ ब्राह्मण ने इन्द्र की कलाई पर इसे बाँधा।

२. श्रीकृष्ण द्रौपदी कथा- युद्ध में एक बार श्रीकृष्ण की अंगुली में चोट लगने से रक्त बहने लगा। उपचार का कोई साधन उपलब्ध नहीं था अतः द्रौपदी ने अपनी साड़ी के पल्लू को फाड़कर एक पट्टी निकाली और उसे श्रीकृष्णजी की अँगुली में बाँध कर रक्त का बहना रोक दिया। पौराणिक ग्रन्थों के अनसार तभी से भाई की कलाई पर रक्षा सत्र बाँधने की परम्परा प्रारंभ हुई। बहिन द्रौपदी ने भाई श्रीकृष्ण की रक्षा की थी इसलिए जब भरे दरबार में द्रौपदी का चीरहरण किया जा रहा था तब मन ही मन द्रौपदी ने श्रीकृष्ण का स्मरण किया था, श्रीकृष्ण ने अदृश्य रूप से दरबार में द्रौपदी की रक्षा की थी। तभी से रक्षा बन्धन का त्योहार मनाया जाने लगा।



३. लक्ष्मीजी और राजा बलि की कथा- एक बार भगवान विष्णु ने दैत्यराज बलि की परीक्षा लेने का सोचा। वे वामन अवतार धारण कर उनके राज्य में गए। इस अवसर में विष्णुजी ने बौने ब्राह्मण का रूप धारण किया। कहा जाता है कि उनकी ऊँचाई केवल बावन अंगुल की थी। राजा बलि ने उनके दरबार में आये ब्राह्मण का स्वागत सत्कार किया, उन्हें सम्मानित किया। वामन अवतारधारी विष्णजी ने बलि से तीन पग भूमि दान देने को कहा। राजा बलि ने सोचा यह ब्राह्मण बोना हैं अतः तीन पग भूमि छोटे कदम के नाप से कम ही होगी, अतः उन्होंने ब्राह्मण की याचना स्वीकार कर ली। दैत्य गुरु शुक्राचार्य ने राजा बलि से ब्राह्मण को भूमि देने से इंकार किया, परन्तु राजा बलि तो संकल्प ले चुके थे। वामन भगवान ने दो पग में ही सम्पूर्ण लोकों को नाप लिया तो राजा बलि ने तीसरे पग के लिए अपना स्वयं का सिर रख दिया और भगवान वामन (विष्णजी) से प्रार्थना की कि आप मेरे साथ पाताल लोक चलें। सरल हृदय विष्णुजी ने राजा बलि की प्रार्थना के स्वीकार कर लिया और पाताल लोक को चले गए।

खोजने पर लक्ष्मीजी को ज्ञात हुआ कि भगवान पाताल

लोक में गए हैं। वे चिंतित रहने लगी। पौराणिक ग्रन्थों के अनुसार नारद मुनि ने लक्ष्मीजी को उदास देख कर सलाह दी कि राजा बलि के हाथ में रक्षा सूत्र बाँध कर उन्हें अपना भाई बना लें और उनसे विष्णु भगवान प्राप्त कर लें। लक्ष्मीजी पाताल लोक गईं और राजा बलि के हाथ में रक्षा सूत्र बाँधकर उन्हें अपना भाई बना लिया। रक्षा सूत्र बाँध कर लक्ष्मीजी ने अपने भाई से भगवान विष्णु को माँग लिया। विष्णुजी ने राजा बलि को वचन दिया कि प्रतिवर्ष चार मास के लिए वे पाताल लोक में निवास करेंगे। तभी से हिन्दू पंचांग के अनुसार देवशयनी एकादशी से लेकर देव प्रबोधिनी एकादशी तक विष्णु भगवान पाताल लोक में रहते हैं। इन चार मास में कोई भी मांगलिक कार्य नहीं होता है। कहा जाता है कि चित्तौड़गढ़ की रानी कर्णावती ने भी हुमायूँ को जो कि दिल्ली का सम्राट था, उसके लिए राखी भेजी

इन्द्राणी (शची) ने स्वनिर्मित रक्षा सूत्र पति (इन्द्र) को युद्ध में विजय प्राप्ति होने के लिए उनकी कलाई पर बाँधा था। यह कथा इस बात की पोषक है कि पत्नी भी पति की रक्षा के लिए तत्कालीन परिस्थितियों में राखी बाँध सकती थी।

पित और पत्नी एक-दूसरे के पूरक होने के साथ ही आजीवन एक-दूसरे के संकट के समय सहायता करते हैं। अतः रक्षा सूत्र बाँधने की यह परम्परा उचित प्रतीत होती है। लक्ष्मीजी ने भी राजा बलि के हाथों में रक्षा सूत्र बाँधकर अपने पति भगवान विष्णु को राखी के उपहार स्वरूप माँग लिया और उन्हें पाताल लोक के बन्धन से मुक्त करवाया। भगवान श्रीकृष्ण ने भी द्रौपदी द्वारा बाँधी गई साड़ी की पट्टी से अँगुली से खून बहने को रोका। उन्होंने चीरहरण के समय द्रौपदी की रक्षा की। रक्षा सूत्र भाई बहिन के स्नेह का प्रतीक तो है ही, संकट के समय एक-दूसरे की सहायता करने का सन्देश देने वाला पर्व भी है। इसमें भाई के सिर पर अक्षत युक्त तिलक लगाकर बहिन इस बात की कामना करती है कि मेरा भाई हमेशा अपने कार्य में सफल हो, विजय प्राप्त करें। भाई के हाथ में नारियल देना उसके सुखद भविष्य के लिए शुभ संकेत है। भाई-भाभी की आरती उतार कर उनके सुखद मंगलमय जीवन की कामना करती है। मेरे भाई भाभी की जोड़ी सुखी रहे और मेरी भाभी का सौभाग्य अटल रहे, यही बहिन का आशीर्वाद रहता है।

इस प्रकार गहन स्नेह का प्रतीक रक्षाबंधन पर्व भारतीय संस्कृति में बड़े उल्लास से मनाया जाता है। भाई-भाभी से स्नेहोपहार प्राप्त कर बहिन अपने आपको सौभाग्यशाली

वर्तमान समय परिवर्तन का युग है। अनेक बहिनें विदेशों में निवास करती हैं। कई भाई भी विदेशों में रहते हैं। वे सभी डिजिटल राखियाँ एक-दुसरे को भेजकर इस त्योहार की औपचारिकता पूर्ण करते हैं। सीमित परिवारों में या तो दो बहनें होती हैं या दो भाई होते हैं। कुछ परिवारों में एक भाई एक बहन होते हैं। दो बहनें एक-दूसरे को रक्षा सूत्र बाँध कर एक-दूसरे की रक्षा का वचन ले सकती हैं। इसी प्रकार दो भाई भी एक-दूसरे को राखी बाँधकर इस त्योहार का आनन्द ले सकते हैं और आजीवन एक-दूसरे की सहायता कर सकते हैं। प्रायः सभी घरों में कन्याओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण और हनुमानजी को रक्षा सूत्र बाँधने की परम्परा तो युगों से चली आ रही हैं। नवाचार के इस युग में बच्चों से वृक्षों पर रक्षा सूत्र बँधवाएँ जिससे वे उसकी रक्षा करें और काटे नहीं। पालतु पशुओं को भी राखी बाँधकर उन पर हो रहे अत्याचार को रोकें। अतः समय के अनुकूल जैसा भी संभव हो रक्षा सूत्र के पवित्र बन्धन के त्योहार को मनाने का हम नई पीढ़ी के सामने एक उदाहरण प्रस्तुत कर सकते

संपादकीय

स्तब्ध करता फैसला

भारतीय पहलवान विनेश फोगाट (29) की ओलंपिक रजत पदक पाने की उम्मीद बुधवार को ध्वस्त हो गई जब इस बाबत उनके दावे को अपील खेल पंचाट (सीएएस) ने खारिज कर दिया। यह वाकई निराश और हतप्रभ करने वाला निर्णय है। विनेश ने ओलंपिक फाइनल से पहले 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिए जाने के खिलाफ सीएएस के समक्ष अपील की थी। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने इस फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया जताई है। आईओए की अध्यक्ष पीटी ऊषा ने कहा कि वह फैसले से स्तब्ध और निराश हैं। आईओए ने खिलाडिय़ों के 'मनोवैज्ञानिक और शारीरिक तनाव' को



समझने में नाकाम 'अमानवीय नियमों' की आलोचना की है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक में 50 किलो फ्रीस्टाइल कुश्ती में भारत का प्रतिनिधित्व किया। एक ही दिन में तीन कुश्ती मुकाबले जीतकर दमदार तरीके से फाइनल में पहुंचीं विनेश को फाइनल मुकाबले से पहले किए गए वजन में सौ ग्राम अधिक उतरने पर अयोग्य करार दे दिया गया था। इस पर विनेश ने क्युबा की पहलवान युसनेलिस गुजमैन लापेज के साथ संयुक्त रूप

से रजत पदक दिए जाने की मांग की थी। लापेज को विनेश ने सेमीफाइनल में हराया था। विनेश फोगाट अयोग्यता के चलते बिना पदक वतन लौट रही हैं, लेकिन देशवासी उनका विजेता की तरह स्वागत करने की तैयारी में हैं। उनके गृह राज्य हरियाणा ने उन्हें रजत पदक विजेता को मिलने वाली इनाम राशि और अन्य प्रोत्साहन देने की घोषणा की है। देशवासी मान रहे हैं कि विनेश स्वर्ण पदक जीत सकती थीं लेकिन नियति को यह मंजूर नहीं था। कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि भारतीय पहलवान किसी साजिश का शिकार हुई हैं। कुछ उनके प्रशिक्षक और अन्य स्टाफ को कठघरे में खड़ा करने से भी नहीं चूक रहे। दरअसल, देशवासियों में गुस्सा इस कदर है कि कुश्ती महासंघ तक को लपेटे दिए दे रहे हैं। दुख और गुस्से में अपनी मां के नाम किए पोस्ट में विनेश ने कुश्ती को अलविदा कहने की बात कही, लेकिन उन्हें इस फैसले पर फिर से विचार करना चाहिए। अभी उनमें कुश्ती के लिए पर्याप्त क्षमता है, और मौका आने पर वे सभी को चौंका सकती हैं। इसलिए उन्हें संन्यास लेने का अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

चिंतन-मनन

ध्वनि तंरगों से रोगों का उपचार

यह बात जान कर आप सभी को आश्चर्य होगा की ध्विन तंरगें से भी रोगों के उपचार होते है। यह विश्व जीवों से भरा है। ध्विन तंरगों की टकराहट से सुक्ष्म जीव मर जाते है, रात्री में सुर्य की पराबैगनी किरणां के अभाव में सुक्ष्म जीव उत्पन्न होते है जो ध्विन तरगों की टकराहट से मर जाते है। ध्विन तरगों से जीवों के मरने की खोज सर्वप्रथम बर्लिन विश्वविधालय में 1928 में हुई थी। शिकागों के डॉ.ब्राइन ने ध्वनि तरगों से जीवों के नष्ट होने की बात सिद्ध की है। आधुनिक वैज्ञानिकों ने सिद्ध किया कि शंख और घण्टा की ध्वनि लहरों से 27 घन फुट प्रति सेकिंड वायु शक्ति वेग से 1200फुट दूरी के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते है।

पूर्व में मंदिरों का निमार्ण गुम्वजाकार होता था दरवाजे छोटे होते थे अन्दर की ध्विन बाहर नहीं निकलती थी, बाहर की ध्विन अन्दर प्रवेश नहीं करती थी। मन्दिर में एक ईष्ट देव की प्रतिमा, एक दीपक, एक घण्टा, शंख होता था। यहां कोई भी रोगी श्रद्धा से जाता घण्टा या शंख ध्वनि कर दीप जलता बैठ कर श्रद्धा से प्रार्थना भक्ति करता, मौन ध्यान करता। रोंगों के ठीक होने की कामना करता वह ठीक हो जाता था। इसका बैज्ञानिक कारण घण्टा -शंख ध्वनि भक्ति प्रार्थना की ध्वनि तंरगें बाहर न जाकर गुम्वजाकार शिखर से टकराकर शरीर से टकराती जिससे शरीर के रोगाणु नष्ट हो जाते रोग ठीक हो जाते। आज भी पुराने मंदिरों में यह होता है। इसलिये सीमित मात्रा में बोलना ठीक है। ध्विन ज्यादा मात्रा में प्रदूषण का रूप ले लेती है, जो शारीरिक एवं मानसिक दृष्टि से हानिकारक होती है। मौन रहने में ही सुख एवं सुख मय जीवन है।

जम्मू-कश्मीर लिखेगा एक और इतिहास

अा जादी और विभाजन के बाद ऐतिहासिक विवाद और विचार-विमर्श का केंद्र रहे जम्मू-कश्मीर फिर नई इबारत लिखने जा रहा है। पांच अगस्त 2019 को स्वायत्तशासी राज्य से केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए जम्मू-कश्मीर का भूगोल लद्दाख के अलग होने के कारण पहले ही बदल चुका है। अरसे बाद तीन चरणों में विधानसभा चुनाव तय हो गया है। 2014 के बाद होने जा रहा नए जम्मू-कश्मीर का यह विधानसभा चुनाव इतिहास का हिस्सा होगा। इस साल जून से आतंकवादियों के आए दिन हमलों और सुरक्षाकर्मियों की शहादत के बीच सुप्रीम कोर्ट के प्रति सम्मान जताने के चुनाव आयोग के फैसले से अवाम को स्थानीय स्तर पर नुमाइंदे मिल जाएंगे। इससे उनकी अपने जनप्रतिनिधि चुनने के बाद उनकी समस्याओं पर सुनवाई और समाधान नजदीक ही नहीं, तेजी से भी होने की उम्मीद बढ़ गई है। 87.09 लाख मतदाताओं वाले केंद्र शासित प्रदेश में सभी दलों के लिए पूर्ण राज्य का मुद्दा सबसे अहम है। अनुच्छेद 370 के खात्मे के समय गृह मंत्री अमित शाह ने आश्वासन दिया था कि विधानसभा चुनाव के बाद उचित समय पर राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा। जमीन और नौकरी का अधिकार, बेरोजगारी, महंगाई, अलगाववाद और सुरक्षा के हालात भी चुनाव पर

अपनी छाप जरूर छोड़ेंगे। भाजपा जम्मू-कश्मीर में अब्दुल्ला और मुफ्ती के परिवारवाद पर 2014 के लोकसभा चुनाव से ही प्रखरता से प्रहार करती रही है। 2019 में अनुच्छेद 370 खत्म करने के बाद इसे बड़ा मुद्दा बना दिया। 2024 के लोकसभा चुनाव में अवाम के बदले मिजाज का असर दिखा। यही वजह रही कि दो पर्व मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला बारामुला और महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजोरी सीट पर हार गए। इंडिया गठबंधन में आम राय नहीं बन पाई। उमर की पराजय अप्रत्याशित रही। महबूबा की शिकस्त का कारण भी नेशनल



के बावजूद शून्य पर रही। दो सीटों पर चुनाव मैदान में उतरी भाजपा ने 24.26 फीसदी वोट के साथ दो सीटें जीत लीं। नेशनल कांफ्रेंस ने भी दो सीटें हासिल कीं पर 22.30 प्रतिशत वोट लेकर वह तीसरे स्थान पर खिसक गई। लोकसभा चुनाव के आंकड़ों में साफ है कि नेशनल कांफ्रेंस 34 विधानसभा क्षेत्रों में आगे रही। भाजपा ने 28, कांग्रेस सात और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी 5 सीटों पर बढत बनाई। बारामुला संसदीय सीट पर निर्दलीय जीते इंजीनियर रशीद 14 विधानसभा क्षेत्रों में अव्वल रहे। भाजपा की सहयोगी जम्मू-कश्मीर अपनी पार्टी और पीपुल्स कांफ्रेंस एक-एक क्षेत्र में

कांफ्रेंस रही। हालांकि पांच में से दो संसदीय सीटों पर 2014 के विधानसभा चुनाव में 25 साल बाद 66.4 लडी कांग्रेस सबसे अधिक 29.38 प्रतिशत वोट पाने फीसदी मतदान हुआ था। उस समय लहाख की चार सीटों को मिलाकर 87 सीटें थीं। भाजपा ने इनमें से 25 सीटें जीती थीं, जबिक उसे 23.2 फीसदी वोट मिले थे। पीडीपी की सीटें सबसे अधिक 28 थीं लेकिन वोट प्रतिशत 22.9 रहा। नेशनल कांफ्रेंस को 15 सीटें और 20.8 फीसदी मत मिले। कांग्रेस ने 18.2 प्रतिशत वोट हासिल कर 12 सीटें पाईं थीं। त्रिशंकु विधानसभा के कारण अरसे तक राज्यपाल शासन के बाद मुफ्ती मोहम्मद सईद के नेतृत्व में सरकार बनी थी। अब स्थितियां बदली हुई हैं। नए दौर में नतीजे नए गठबंधन के नेताओं और नीतियों पर निर्भर करेंगे। वैसे, 2024 में जम्मू-कश्मीर को 'जन्नत-ए-जम्हूरियत' के तौर पर दर्ज कराने के लिए भाजपा कोई कसर नहीं छोडेगी।

भाजपा को भरोसा है कि बरसों बाद पहली बार विधानसभा चुनाव में मतदान का हक पाने वाले मतदाता और बेहतरी के लिए उसे चुनने में गर्व महसूस करेंगे। अनुच्छेद 370 हटाए जाने से पहले लोकसभा और विधानसभा चुनाव में मतदाता सूची का आधार अलग-अलग होने के कारण मतदाताओं की संख्या में ही नहीं, मंशा में भी भारी अंतर होता था। अब नए माहौल में यहां नई इबारत के साथ-साथ नया इतिहास लिखा जाना तय है। पाकिस्तान समेत दुनिया के लिए चुनाव पूरा होने तक जम्मू-कश्मीर कौतूहल का विषय

चुनावी लिहाज से परिसीमन के बाद से जम्मू और कश्मीर में सीटों का संतुलन बन गया है। कुल 90 विधानसभा सीटों में जम्मू क्षेत्र 37 से बढ़ कर 43 हो गई हैं, जबकि कश्मीर में यह आंकड़ा 46 से केवल 47 तक पहुंचा है। यही नहीं, परिसीमन के बाद नौ सीटें अनुसूचित जनजाति और सात सीटें अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई हैं। भाजपा का जोरे इन सीटों के जीतने पर है। गुज्जर बक्करवाल समुदाय के साथ ही पहाडी समुदाय को आरक्षण देकर भाजपा ने पहले से ही तैयारी कर ली है। यह भी स्पष्ट है कि पहली बार भाजपा की सरकार बनने पर सत्ता की कमान डोगरा बिरादरी के हाथ में होगी। मुख्यमंत्री पद के लिए उसने चेहरा तय है। अब तक गुलाम नवी आजाद के अलावा सभी मुख्यमंत्री कश्मीर घाटी के ही रहे हैं। महबूबा मुफ्ती के साथ एक बार सरकार में शामिल रह चुकी भाजपा को सरकार बनाने के लिए कम से कम 46 सीटों पर जीत हासिल करनी होगी। फिलहाल, 30 सीटों पर आगे भाजपा के लिए कश्मीर घाटी में पीपुल्स कांफ्रेंस और अपनी पार्टी के साथ ही जम्मू संभाग में गुलाम नवी आजाद की अगुआई वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक आजाद पार्टी में किसी किस्म की समझदारी उसके लिए लाभदायक हो सकती है।

-प्रदीप मिश्र (लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

वैश्वकी : बेमानी यूक्रेन यात्रा



धानमंत्री नरेन्द्र मोदी 'शांति दूत' बनकर अगले सप्ताह यूक्रेन जाने वाले हैं। इस यात्रा की अभी आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन विभिन्न सूत्रों के अनुसार मोदी की यूक्रेन और पोलैंड़ यात्रा 21 से 23 अगस्त तक प्रस्तावित है। इस यात्रा के कार्यक्रम की तैयारी पिछले कई सप्ताह से हो रही थी। इस सिलसिले में भारत अमेरिका और रूस सिहत कई देशों के साथ संपर्क में था। लेकिन युक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमिर जेलेंस्की के गैर-जिम्मेदाराना रवैये के कारण इस यात्रा पर ग्रहण लग गया है। बदले हुए हालात में मोदी को इस यात्रा पर जाना भी चाहिए इस पर सवालिया निशान लग गया है।

अमेरिकी मीड़िया में इस आशय के समाचार प्रकाशित हुए हैं कि रूस और यूक्रेन, दोनों एक सीमित युद्ध-विराम पर सहमति बनाने के लिए कतर की राजधानी दोहा में वार्ता करने के लिएतैयार थे। प्रतीत होता है कि इसी संभावना के मद्देनजर मोदी ने यूक्रेन यात्रा पर जाने का फैसला किया हो। लेकिन हाल में जेलेंस्की ने रूस



के कुर्स्क क्षेत्र में हमला करके संभावित शांति प्रयास पर पानी फेर दिया। रूस की अब यह निश्चित राय है कि जेलेंस्की अमेरिका और नाटो, दोनों की शह पर युद्ध का विस्तार करने पर आमादा हैं। मोदी अपनी यात्रा से कुछ हासिल कर पाएंगे इसमें संदेह है। एक खतरा यह भी है कि भारत अपने भरोसेमंद मित्र देश रूस की नाराजगी मोल ले सकता है।

अमेरिकी अधिकारियों ने दोहा वार्ता के संबंध में मीड़िया को अनौपचारिक रूप से बताया था कि रूस और यूक्रेन के अधिकारी संभावित बैठक में सीमित युद्ध-विराम पर चर्चा करने वाले थे। वार्ता की मेज पर समझौते का एक प्रारूप था जिसमें दोनों देश एक दूसरे के ऊर्जा प्रतिष्ठानों पर हमला नहीं करने पर सहमति बनाने वाले थे। संघर्ष के दौरान रूस ने यूक्रेन के बिजलीघरों को मिसाइलों से निशाना बनाया था। दूसरी ओर, यूक्रेन ने रूस के तेल प्रतिष्ठानों और तेलशोधक संयंत्रों पर ड्रोन से हमले किए थे। दोहा वार्ता यदि सफल होती तो इससे दोनों देशों को राहत मिलती तथा भविष्य में स्थायी युद्ध विराम के पक्ष में माहौल बन सकता था। अब कुर्स्क क्षेत्र में हमले के बाद

परिस्थितियां पूरी तरह से बदल गई हैं। हालांकि अभी भी समय है कि मोदी अपनी यूक्रेन यात्रा को रद्द कर दें। यदि वह यात्रा पर जाते हैं तो अपने शांति प्रयासों को सीमित कर दें तथा द्विपक्षीय संबंधों पर ही ध्यान दें। मोदी के दोनों गंतव्य देश युक्रेन और पोलैंड रूस के खिलाफ नाटो के मंसूबों के मोहरे हैं। अच्छा तो यह होता कि मोदी अपने यात्रा कार्यक्रम में हंगरी को शामिल करते जो इस संघर्ष में संतुलित नीति अपना रहा है।

युक्रेन संघर्ष समाप्त करने के लिए दोनों पक्षों ने जो शांति प्रस्ताव रखे हैं, उनमें जमीन आसमान का अंतर है। इस खाई को पाटना भारत जैसे देश के लिए संभव नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी कितनी भी सदइच्छा रखे, वह जेलेंस्की और राष्ट्रपति पुतिन को शांति के लिएराजी नहीं कर सकते। जेलेंस्की की मांग है कि रूस अपनी सेनाएं यूक्रेन से पूरी तरह हटाए। दूसरी ओर रूस की मांग है कि यूक्रेन ड़ोनबास सहित चारों प्रांतों पर उसका अधिकार स्वीकार करे। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइड़न सहित पश्चिमी देशों के नेता रूस की रणनीतिक हार के एजेंडे.पर काम कर रहे हैं। हकीकत यह है कि मोदी की शांति पहल की असफलता की इबारत यूक्रेन यात्रा शुरू होने के पहले ही लिख दी गई है। बांग्लादेश में अमेरिका और पश्चिमी देशों ने जो हरकत की उससे भी भारत क्षब्ध है। जब पश्चिमी देश पड़ोस में ही भारत के हितों की अनदेखी कर रहे हों तो इन हालात में एक यूरोपीय संघर्ष में भारत की शांति पहल का कोई औचित्य नहीं है। खासकर ऐसे समय जब यूक्रेन नाटो के हथियारों के बलबूते युद्ध क्षेत्र में रूस को हटाने का दिवास्वप्न देख रहा हो।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail: thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Let's reawaken as a nation to sing the song of freedom

SEVENTY-SEVEN years after its 'tryst with destiny', India has much to celebrate today. As the fastest-growing economy and the world's largest pluralist democracy that has succeeded in lifting millions of its citizens above abject poverty over the years, its voice is heard with respect in the chanceries of the world. Its imminent rise as the world's third largest economy, demonstrated scientific prowess, democratic resilience and an exceptional cultural heritage of harmonious coexistence are reason enough for every Indian to rejoice. And yet, as we salute the 'Tiranga' in reverence on Independence Day and thereafter, we cannot forget that the road to national glory must navigate the harsh truth of unfreedom, violence and injustices that have scarred the soul of the nation. The heart-rending sight of a man dragging his wife tied to his motorcycle with none showing the courage to stop the horrendous ordeal of the helpless woman, the rape and murder of a young doctor inside a Kolkata hospital, the unspeakable pain of the nation and of its wrestler daughter who lost an Olympic medal over 100 grams of body weight despite her unremitting toil and discipline in the service of her chosen sport, and the forced migration of our youth to foreign lands for want of gainful employment, leaving behind old and often untended parents in the twilight of their lives, tell a painful story. Recurring and aggravated discrimination on account of widening disparities in incomes, shameful display of wealth mocking the poverty of the wretched, continuing suicides by the impoverished, custodial torture of the helpless and murderous police encounters in and outside custody interrogate our claims as a welfare and liberal state.

The economic and social plight of the elderly on account of their neglect by children who caught up in the pursuit of unguided ambition and material gains, loss of dignity of the marginalised even in death, the wrecking of reputations, privacy and dignity in the media without a meaningful recourse and social consciousness generally immune to the misery of the destitute this is not the Bharat of Bapu's dreams who, along with his compatriots, had envisioned an egalitarian society in which we could live in the shelter of each other, joined together in empathy. Heightened religious strife, escalating caste and regional conflicts, bitter political animosities beyond ideological contestation and the abuse of state power to settle personal scores question the health of Indian democracy. Having celebrated the anniversary of Independence — the day when we unshackled ourselves from the yoke of British colonialism and were reborn to freedom - we must ask ourselves whether we have vindicated the aspirations of a free people for justice and dignity. We must also reflect on whether the present state of our democracy can translate into reality the vision of our founders and ask ourselves whether the conduct of an elevating democratic politics is at all possible without its anchor in public and constitutional morality, as the Father of the Nation never tired of reminding us. The need to repurpose the nation's politics is compelling, and lest we forget the lesson of history, there can be no democracy without humanity; both are integral to each other. While we celebrate our freedom, let us think of the marginalised masses whose sufferings question our gains beyond apology. Let us shed a tear for their unbearable pain born out of undeserved deprivation, denial and unending injustices.

In drawing attention to the bitter truth of our reality 77 years after freedom, the idea is not to apportion blame but to correct the nation's course for the future as also to remind ourselves that the purpose of human life and freedom is to battle for succour to those bearing the brunt of misery in a life without hope. While I yearn to sing the song of freedom aloud, I find my voice muffled by the deafening cries of pain and grief that 'well up like a lump in the throat'. The reality of hunger, poverty, exploitation and misery of the multitude does not leave me free to exult at this moment.

Laapataa ladies & opportunistic BJP

THE GREAT GAME: Amid outrage over Kolkata rape-murder, Trinamool MPs in danger of being called 'goongi gudiyas'

THE Trinamool Congress' 'laapataa ladies', a sarcastic reference to the Hindi movie by the same name, finally showed up at a march led by their leader and West Bengal Chief Minister Mamata Banerjee in Kolkata on Friday in support of the female doctor gruesomely raped and murdered a full eight days ago at a state-run hospital in the city.Mahua Moitra, Saayoni Ghosh, Dola Sen, Satabdi Roy, Sharmila Sarkar, Kakoli Ghosh Dastidar, June Maliah — all women MPs — and minister Shashi Panja were among those flanking Mamata as they walked from Moulali to Dorina crossing in Kolkata, seeking to wrest back the narrative that India's only woman chief minister at present seems to have clearly lost in the last

For the first time in years, Didi seems to be on the back foot. She knows she's faltered. Her 11 women Lok Sabha MPs, many of them stars on social media, are keenly aware that when they refused to speak up in support of the victim, except for former journalist Sagarika Ghose, in the allimportant hours and days after the grisly murder — the Trinamool allowed the creation of an information vacuum into which the Opposition BJP walked right in.

These smart women, the bane of the BJP in Parliament and in Kolkata, know that when they shut themselves up against their better judgement — perhaps, as they waited for the Kolkata Police to carry out its investigation, or perhaps, waited to hear what their Dear Leader, Didi, first wanted to say on the subject — they waited too long. That, at least for the moment, that sense of trust that politicians constantly strive for in the minds of women and men they claim to lead, seems to be faltering. That for the first time in more than a decade, an element of doubt seems to have crept in. Here's what we know. The rapemurder of the young woman took place between 3 and 5 am on August 9, when after working for 36 hours straight in the hospital, she decided to get some rest in a seminar room. The post-mortem report details the horror—that she was throttled to death (the thyroid cartilage was broken due to strangling), that there were deep wounds on her private parts which were, ostensibly, caused by 'perverted sexuality' and 'genital torture'. That she was bleeding from her eyes and mouth too. Pictures doing the rounds show her legs at awkward angles to each other some say that that can't be possible unless the pelvic girdle is broken. Strangely, though, for the next six days, all these bright young politicians, a galaxy of shining stars that include Mamata's nephew Abhishek Banerjee, occupied themselves in a variety of matters, including the fell blow to Vinesh Phogat in Paris. Didi, herself, is said to have spoken about the matter in Bangla in Kolkata—a bit like a peacock dancing in a dense jungle which few saw, and then disregarded. By then, events were taking on a life of their own. The principal of the medical college resigned but was within hours given another plum



assignment. Rumours about the police calling it a 'suicide' (they didn't) or that they cremated her without telling her parents (it was the family that cremated her) blew into the information gap. The X handles of all these women MPs, rightfully most vocal about things gone wrong, were strangely silent. Even when more than half of Kolkata was out on the streets that fetid night of August 14-15, seeking to "reclaim the night", thousands of women and men demanding justice, a right to life and safety, the Trinamool was missing in action. Their anger, passion and ardour that often stir up the Lok Sabha had either been spent or misspent.

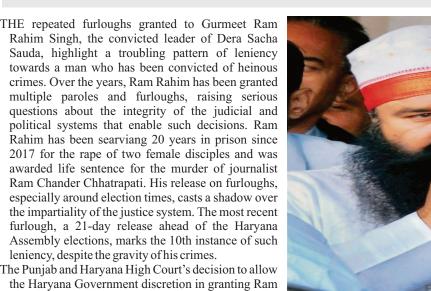
TV gave the girl a name: Abhaya, the Fearless One, invoking the name that was awarded to the girl, Nirbhaya, brutally raped in Delhi 12 years ago. Everyone remembered how that winter of 2012, when the Congress government of Sheila Dikshit sought somehow to save the girl, had turned out. Two years later, the Manmohan Singh government had lost power at the Centre, paving the way for the BJP.Nirbhaya, many said, had shown the way for the fortunes of one political party. Clearly, the BJP believes Abhaya can do for it today what Prime Minister Modi has failed to do in the last 10 years, which is to persuade Bengal to vote for the BJP, or at least turn in its favour since there are no elections on the horizon. Not for nothing has Smriti Irani returned to the TV screens for the first time since she lost Amethi to the unfancied Kishori Lal Sharma in the recent Lok Sabha polls.

But the BJP may still find that Bengal is somewhat differen from the Hindi heartland states it has experience of conquering. Despite the growing admiration for Hindutva, the outrage on the streets of Kolkata today is less about the BJP and more about the sheer anger and helplessness it feels against the Trinamool. It is Didi, not the BJP, who invokes Bengal's women as its primary audience and asks for their votes.

On August 14, hours before the midnight mob ransacked the hospital where the girl's murder took place, Saayoni Ghosh was applauding Mamata's 'Kanyashree' project which is full of schemes for the girl child. For the moment, Mamata and the Trinamool are the focus of Kolkata's anger against the sheer corruption and mass helplessness that have begun to pervade the city as well as the state. Nothing seems to work, little seems to have changed. If this mass anger spreads to other parts of Bengal, Mamata knows what can happen — it's happened before, in Nandigram in 2007, when the CPM, then in power, refused to listen to the angry voices from the ground and lost power some years later — when she became the welcome beneficiary of that anger. That's why Mamata led a march in Kolkata on Friday, along with her most articulate women MPs and MLAs. All of them understand that they must fight for Bengal again. That if they don't — and notwithstanding Mahua Moitra the Trinamool MPs are in danger of being called Bengal's 'laapataa ladies' and its 'goongi gudiyas'.

A stain on justice

The farce of Ram Rahim's frequent furloughs



mark arises on how a government could grant 'good conduct' certificates to someone responsible for grave offences. The timing suggests political considerations, especially in view of Ram Rahim's significant influence over a large voter base in Haryana, Punjab and Rajasthan. His sect has historically been courted by political parties, raising questions about whether justice is being compromised for electoral gains. The dera has a history of aligning with political parties, including open support for the BJP during the 2014 Haryana Assembly polls.

This leniency is not just a legal issue; it's a moral failing. It sends a dangerous message that those with political connections can evade full justice, undermining the victims' suffering and the principle of fairness. The law must apply equally to all, regardless of status. Anything less damages the credibility of our judicial system and the public's

The quest for a piece of the Bangladesh pie



SHEIKH Mujibur Rahman's legacy has been consigned to history. Nobel laureate Muhammad Yunus has taken over after Sheikh Hasina's ouster. What next for Bangladesh? Will it be a civil war or a period of prolonged instability that provides a fertile ground for foreign operators to play the 'Great Game East' in South Asia? Indeed, the game has been going on within for decades, with rival political players vying for power through any means — elections, mass uprisings on the streets or the assassination of Presidents (Mujibur and Gen Ziaur Rahman). Regrettably, from democracy to dictatorship or a fundamentalist religious state, Bangladesh has seen it all in the past half a century since its birth.

In a throwback to the bloody Partition of British India in 1947, Muslim-majority Pakistan saw itself being dismembered in 1971 to give birth to another Muslimmajority but profoundly secular, liberal and linguistic Bangladesh. In 1947, the British were the sole foreign player. In 1971, during Pakistan's civil war, China, the US, the USSR and India were the four direct actors and the rest of the West was an indirect factor.

The lesson of history, however, is seldom learnt by the fighters, even if they chase a mirage at the risk of their territory being inexorably and inevitably parcelled out. Pages of history are replete with instances of internal political wars turning into an alluring arena for outsiders. Today, four foreign players are again direct stakeholders in the geopolitics and geoeconomics of the turbulent nation of Bangladesh: India, the US, China and Pakistan — all with different purposes, though. Resultantly, Bangladesh has to reckon with and reconcile itself to the fact that none of the four is likely to give up its respective strategic interests as long as this young nation burns.

Three of these four nations (the US, China and Pakistan) do not share a border with Bangladesh. It's only neighbouring India whose fortunes are intertwined with the rise and fall, prosperity or poverty of Bangladesh. Hence, the biggest stakeholder in that country is indisputably India; the leaders in Dhaka need to recognise that.Bangladesh juts into India as its underbelly, directly or indirectly affecting the demography of 12 states 'seven sisters' of the North-East, Sikkim, West Bengal, Bihar, Jharkhand and Odisha). The nearly 30-month-old Ukraine war owes it to the West's NATO-EU combine's determined expansion bid through Kyiv to Moscow's indisputable territorial underbelly. Russia's fear of being shrunk and robbed of its resource-rich land is a supreme factor in the bloody intra-Slav fratricidal fight leading to the devastating Black Sea-Balkan battle.

Rahim furlough is deeply concerning. A question

India already faces a two-front war owing to the Sino-Pak axis stretching from Karakoram to Kameng and beyond to Walong. Now, stretched further because of the Bangladesh crisis, there will be greater pressure on troops along the

McMahon Line to Sikkim, Himachal Pradesh and Ladakh, thereby resulting in a colossal rise in costs. And that's exactly what China is up to: to bleed the Indian economy without firing a shot.

Chinese stratagems in Bangladesh have been going on since the days of Gen HM Ershad in the 1980s. So much so that today virtually all main combat ships of Dhaka are built by China's Wuhan Shipyard (Mingclass sub) and frigates and corvettes by Hudong Shipyard (Shanghai) and Wuchang Shipyard, Wuhan.



The Belt and Road Initiative, too, has helped China make deep inroads into dual-purpose ports with the reported setting up of the PLA Navy base in the near future. No wonder the US had sought Hasina's nod for a proposed naval base at St Martin's Island off Cox's Bazar, which is adjacent to Myanmar's restive Rakhine state's coastline. The refusal of Hasina to set up a naval base certainly didn't endear her to the US; it upset Washington's calculations to keep an eye on the Bay of Bengal trio of Dhaka, Yangon and New Delhi. The Chinese quest for at least two ports from

Chittagong, Chalna, Khulna, Mongla, Barisal and Cox's Bazar, too, didn't amuse America. Thus, Bangladesh today has become a frontline state for a conflict between overlapping interests of Beijing and Washington. Lately, the US also has been resentful of India's refusal to take sides in the Ukraine war as Delhi displayed her 'strategic autonomy'. For the US, any mass movement against Hasina, a friend of India, understandably wouldn't have had been bad news at all. Similarly, Dhaka's reduced dependence on Delhi would certainly make China happy. What's the result? Both the US and China are fierce rivals in Dhaka, but both are happy at India's discomfiture after Hasina's exit and the arrival of the perceived anti-Hasina and anti-India ruling

class in Bangladesh. Now, how does Pakistan fit into this Bangladesh game of the giants? Well, one just has to visit the Pakistan Military Academy in Abbottabad, where the 'revenge' mantra is inculcated into every trainee officer over India's role in the 1971 war and the humiliation suffered by the Pakistan army in Dhaka. The idea is to create a permanent state

of war without a direct fight — a war of terror to bleed India with a thousand cuts.

Thus has begun the 'Great Game East' in which India has got entangled. Pakistan, the US and China would all be happy to see post-Hasina Bangladesh in a prolonged state of instability. The prospect of more nations getting involved in the quest for a piece of the Dhaka pie has increased manifold. Hence, the question: is Hasina's departure from Bangladesh a prelude to a fresh deluge or a new chapter in the 'Great Game East' in South Asia?

India must create up to 148

million jobs by 2030, says

IMF official

SC grants states power to tax mining operations, retrospectively from 2005

NEW DELHI: India needs to create an additional 148 million jobs by 2030 given the population growth, IMF's First Deputy Managing Director Gita Gopinath said on Saturday."If you look at India's projections in terms of population growth, India will have to create anywhere between 60 million to 148 million additional jobs cumulatively between now and 2030. We are already in 2024, so in a short period of time we have to create a lot of jobs," she said while speaking at the Delhi School of Economics Diamond Jubilee event in New Delhi. She said it is going to require basic reforms including land reforms and implementation of labour codes to achieve employment generation of that scale.

Gopinath said that to generate more jobs there is a need for an increase in private investment as it is not commensurate with 7% growth in GDP.

Finance Minister calls for reforms in multilateral development banks at Global South Summit

MUMBAI. Citing some instances of violations of norms by some entities, the Reserve Bank has tightened regulations for peer-to-peer (P2P) non-bank lending platforms with a view to improve transparency and compliance, and to address concerns over their practices violating the 2017 guidelines. The revised guidelines come into force with immediate effect.

A P2P platform should not promote P2P lending as an investment product with features like tenure-linked assured minimum returns, liquidity options, etc, the RBI said Friday in the revised master directions.

As per the revised master direction, a non-banking P2P platform should not cross-sell any insurance product, which is in the nature of credit enhancement or credit guarantee. No loan should be disbursed unless the lenders and the borrowers have been matched/mapped as per the board-approved policy framed, it added..RBI had first issued P2P lending guidelines in 2017. A P2P platform acts as an intermediary providing online platform to the participants involved in P2P lending.

Manoj Govil appointed as expenditure secretary

NEW DELHI. Finance minister Nirmala Sithraman has called for views on actions needed to reform multilateral development banks (MDBs), and how the global south can collaborate better to raise the issue of debt distress faced by the low income countries.

She was addressing the finance ministers' (virtual) session of the 3rd Voice of Global South Summit. Sitharaman said high debt service costs have constrained resource available for financing developmental needs, particularly in low income countries."It is critical that the financing requests made to MDBs are met with speed and agility. This will



require reforms at operational levels as well as identifying new additional sources of finance," the minister said. She reiterated that dedicated concessional windows should be made available for middle income countries to address climate-related challenges on private capital mobilization."MDBs need to engage with credit trading agencies and explore how to better incentivise the flow of private capital or development financing," said the finance minister. Citing the World Bank's June 2024 report, which states that by the end of this year, one in four developing economies will be poorer than they were before the pandemic, she highlighted that growth remains insufficient to drive progress in development and poverty reduction.

BPCL plans Rs 1.7 lakh crore spend to expand core business, new energy foray

NEW DELHI. State-owned Bharat Petroleum Corporation plans to invest Rs 1.7 lakh crore over the next five years to grow its core oil refining and fuel marketing business as well as in 'future big bets' of petrochemicals and green energy, its chairman G Krishnakumar has said. Bharat Petroleum Corporation Ltd (BPCL), currently, owns about 14 per cent of India's oil refining capacity and about a quarter of the fuel retailing network. It plans to grow these businesses while foraying into newer areas. The firm is now implementing the first phase of a multi-decade aspirational journey in the form of 'Project Aspire' - its five-year strategic framework that is based on two fundamental pillars - 'Nurturing the Core' and 'Investing in Future Big Bets', he said in the company's latest annual report."Our mid-term strategy is on a continuum. While we remain committed to growing our core businesses, which include refining and marketing petroleum products and upstream, we are equally focused on our big bets comprising petrochemicals, gas, green energy, non-fuel retail, and digital."Project Aspire, with a planned capex outlay of around Rs 1.70 lakh crore over five years, will enable us to create long-term value for our stakeholders while preserving our planet for future generations," he said." A cornerstone of our long-term strategy, Project Aspire, with a Rs 1.70 trillion investment, marks the initial phase of our multi-decade odyssey to shape the energy of tomorrow. This, coupled with our robust balance sheet, fuels our ambition to lead the energy transition.

and minerals industry is back in the news. A full bench of the Supreme Court has ruled the states have the right to levy taxes on mining operations, overturning an earlier 1989 verdict which had held only the Union government had the power to impose such royalties. The court has made the ruling retrospective from 2005, opening up a Pandora's box of fresh costs for mining companies. Some estimates put the combined hit at over Rs 2 lakh crore.Mineral-rich states like Odhisa and Jharkhand will celebrate a new source of revenue, while mining companies will tear their hair reworking their costs. But where is environmental sustainability in all these calculations? The Union and state governments, as custodians of lakhs of acres of forest and public land, have been ramping up mining operations for coal, iron ore, lignite and limestone to serve the rising demand for power, steel

and cement.It was a therefore a bold

assertion by the Prime Minister in his

Independence Day speech that India is

ahead of all G20 nations on Climate Action and for achieving its renewable energy targets by 2030. Seen in the context of destruction of the environment by increasing mining operations, this claim sounded alittle hollow.India's mining sector grew 7.5 per cent in FY24, with production of iron ore and limestone recording high growth during the year. Production of iron ore was at 277 million metric tonne (MMT) in 2023-24 against 258 MMT in 2022-23, registering a growth of 7.4 per cent. While these figures indicate rising industrial production, the unrestricted exploitation of natural resources without the legally-required environmental protection measures, is proving to be devastating.

Let's take the example of coal. It's the dirtiest of fossil fuels and India has signed agreements to gradually phase out its use. Yet in the medium-term, the government has committed to double coal production, reaching 1.5 billion tonnes by2030. Union power minister Raj Kumar Singh at the Dubai world Environment



conference - COP28 - said the target was to add 88 gigawatts of thermal power plants by 2032.Government officials justify the expanding footprint of coal, arguing there is parallel development of renewable energy - wind and solar. The

target is 500 gigawatts of renewables by 2030; but the rate at which solar and wind power was installed over the past few years, it is about a third of what's needed, according to BloombergNEF. The mining industry today is a threat to both indigenous communities as well as to our natural resources. The operations are in jungles and among backward communities and tribals, therefore inviting little scrutiny.Gebra, in Korba, Chattisgarh, India's largest coal mine spread over 19 sq kms, produces 35 million tonnes of coal per year. It's expansion has denuded large forest areas and has disturbed the natural grazing habitats of elephants. This is turn has pushed the elephant herds into attacking village resources, leading to a major mananimal conflict, and even deaths.In another well-known case, Vedanta, that had a concession for mining bauxite in the Niyamgiri Hills for its alumina plant in Laljigarh, Odhisa, attempted to oust the Dongria Kondh tribesmen from their

India's GI-tagged agro-product Figs juice exported first time to Poland

Purandar figs are known for their unique tastes and textures. It has high pulp content and rich source of vitamins & minerals.

NEW DELHI. In order to get India's agro-products on the global stage, the Agricultural and Processed Food Products Export Development Authority (APEDA) facilitated the export of India's first ready-to-drink fig juice, made from GI-tagged Purandar figs, to Poland. Earlier in 2022, the export was made to Germany, too.

Purandar figs are known for their unique tastes and textures. It has high pulp content and rich source of vitamins & minerals. Moreover, it has excellent sweet taste, an attractive violet colour. The Specialties are attributed to the climatic factors, red-black soil & Salt-free well irrigation technique followed in the Region.The journey of this innovative fig juice began at the APEDA Pavilion during the SIAL 2023 held in Greater Noida, New Delhi. The international trade



showcase provided a platform for the product's initial introduction to the global market. The fig juice was also showcased at Macfrut 2024 in Rimini, Italy, with the support of APEDA. The event saw a positive response from buyers, including an inquiry from MG sales SP in Wroclaw, Poland, which led to this landmark export. The fig juice, produced by Purandar Highlands Farmers Producer Company Ltd. won an award at the event, highlighting its

potential in the international market.Since the first export of fresh GI-tagged Purandar Figs to Hamburg in 2022, APEDA has worked closely with smallholder farmers. This milestone shipment, flagged off by Chairman APEDA, Abhishek Dev in the presence of all stakeholders, departed on August 1, 2024, via Hamburg port in Germany. This event marks a significant achievement in promoting

India's unique agro-products on the global stage.APEDA's continuous support and assistance have been instrumental in the development and

Discount brokers' market share rises to 64.6% amid surge in new demat accounts

NEW DELHI: Discount brokers continue to chip away market share from traditional/full-service brokerages, with top five of them raising their market share to 64.6% in July, up from 58.1% in the year-ago period. Meanwhile, brokerages added 4.5 million new demat accounts in July, taking the total to 167 million in the month, up 35% year-on-year at 123 million and 3% jump on a monthly basis. This has the average monthly account additions of 3.9 million so far in the current fiscal, as per the data from traditional brokerage Motilal Oswal sourced from the exchanges and NSDL and CSDL.Top five discount brokers accounted for 64.6% of total NSE active clients in July, up from 58.1% in July 2022, increasing the number of active clients on the NSE by 3.2% to 45.7 million in July, the brokerage said. Groww toppled Zerodha to become the top brokerage in terms of clients in August 2023, and continues to add more clients and market share in July, recording 4.9% monthon-month rise in its client count to 11.5 million, and increasing its market share 40 bps to 25.1%. In July 2023, Groww had 18.8% market share and toppled Zerodha next month with 19.9% market share.On the other hand, Zerodha



Banks woo depositors with special schemes amid contest with markets

NEW DELHI. With deposit growth slowing down, banks are racing to mobilise funds through special deposit schemes and other innovative plans to meet the credit demand in the system. Many banks have reported a decline in deposits during the quarter ended June 2024 as customers are now looking at alternative avenues like the capital markets to park their funds for better returns.State Bank of India (SBI), India's largest bank, registered a fall in deposits to Rs 49.01 lakh crore in the June quarter of FY25, compared to Rs 49.16 lakh crore in the March 2024 quarter. Bank of Baroda reported a fall in deposits from Rs 13.26 lakh crore to Rs 13.06 lakh crore in the June quarter. Other banks also reported a similar trend during the June quarter. Among private banks, HDFC Bank's deposit base remained flat at Rs 23.76 lakh crore on a sequential basis in June

2024.CASA deposits and impact on bank strategiesAccording to bank officials, current and savings bank (CASA) deposits declined during the quarter. SBI's CASA deposits fell to Rs 19.41 lakh crore from Rs 19.14 lakh crore in March 2024. "The decline in deposit growth has forced some banks to raise deposit rates in certain buckets. Credit growth is now outpacing deposit growth. Customers are now focusing more on the capital market where returns are far higher than bank deposits. They were seen breaking fixed deposits to invest in mutual fund

schemes," said a bank official. The Reserve Bank of India's (RBI) latest data shows that credit growth rose by 15.1 per cent as of July 2024, compared to 14.6 per cent on a year-on-year basis. However, deposit growth declined to 10.6 per cent from 12.9 per cent a year ago. SBI Chairman Dinesh Khara said that the current phase of credit growth outpacing deposits is temporary. "We have seen that when alternative options are available, people have gone to markets but bank deposits remain the channelling source, we had a similar situation in 2007 when loans outpaced deposits, but it was a temporary phenomenon which we should be able to navigate with our investment book," he said while unveiling the bank's quarterly results last week.

Festive offer Banks launch special deposit schemes

In order to mobilise higher deposits, banks have been launching special term deposits. Recently, lenders such as SBI, Bank of Baroda, Bank of India, Bank of Maharashtra, RBL Bank, and Bandhan Bank have launched special retail deposit schemes. Banks are also focusing on niche segments for deposit mobilisation.

continued to lose share as it added only 1.7% more clients to 7.8 million in the reporting month, and lost 25 bps to 17.1%. Zerodha at its peak had a market share of 19.8% in July 2023 and since then has been losing.

Angel One saw a 3.8% growth in its client count to 7 million, adding 10 bps to market share to 15.3%, Upstox clocked a 2.7% rise in its client count to 2.7 million, and controlled 6% market share and 5Paisa lost 44 bps of its market share to 1.2%.On the other hand, traditional brokers led by ICICI Securities, which is being delisted, reported client count at 1.9 million, and lost 10 bps to 4.2%. IIFL Securities added 0.5 million clients and had 1% market share.

While the proposed F&O curbs has had its impact on NSE volume, it did in fact help BSE raise its volume share. The market share of BSE in the total cash segment came in at 7.1% in July, up

Mid-tier banks boost fixed deposit rates to 8.50% to attract depositors

MUMBAI. Borrowing a leaf from their larger peers who have been wooing depositors with attractive pricing for medium-term fixed deposits of up to 7.30% return per annum, several mid-tier banks are now doing the same offering as much as 8.50% at the peak and over average 20-30 bps more than the larger banks.Mid-sized banks, which have launched special deposit drive include RBL Bank, Bank of Maharashtra, Federal Bank, Bandhan Bank, and Tamilnad Mercantile Bank among others to increase in deposits. Continuing slower growth of deposit mobilisation for more than two months had the regulator Reserve Bank and even the North Block mandarins getting worried about asset liability mismatch. People were pulling out money from banks and parking them in equities and mutual funds and even derivatives since the pandemic-induced crash in March 2020 and the subsequent recovery from June of that year. Since then the stock market and mutual funds have been giving much higher returns on their money. While credit growth has been averaging 15-16% system-wide, deposits

accretion has been far lower averaging at 11-12% for the past few years. In FY24, credit growth was at 19.3% and deposit growth was 14.7%, forcing banks to offer higher prices for term deposits.Kochibased Federal Bank has unveiled a limited period fixed deposit scheme offering 7.35% for a 400-day money, 7.40% for 777 days, and 50-month tenor for callable deposits. It is offering an additional 0.50% to senior citizens. If you put in noncallable deposits above Rs 1 crore, it

is offering 7.50% for 400 days; 7.55% for a 777 day money.RBL Bank is offering 8.10% for 500-day money and 8.60% for senior citizens. Pune-based Bank of Maharashtra is offering 7.25% for 777 days tenor in a limited period offer. Turticorin-based Tamilnad Mercantile Bank is offering 7.50% on fixed deposits for 400-day tenor and 8% for senior citizens.In June and July large lenders like State Bank, HDFC Bank, Bank of Baroda, Union Bank of India, Canara Bank, Bank of India, Central Bank of India and Punjab National Bank, among others, launched



special fixed deposit schemes to mobilise deposits at a faster pace to support credit growth. Some of these large banks, in the meanwhile have also hiked their lending rates as well to protect their margins, which analysts war will fall by 25-30% this fiscal as deposit pricing keep on rising. The banks, which have increased their loan pricing — so far only MCLRbased loans which are typically short term corporate loans include SBI which earlier this week upped the MCLR loan rate by 10 bps across tenors, Bank of Baroda, Canara Bank, and Uco Bank had also hiked their

MCLR based loans by 5 bps. Typically banks earn more when their interest expense, which is what they pay for their funds is lower. In a normal scenario, banks price deposits/liabilities lower than their assets/loans to protect their margins/spreads.In the current scenario, banks are forced to raise domestic deposits at higher prices, because even raising money

from outside is no longer lucrative as the interest in the overseas markets are also at decadal high.

According to rating agency Crisil, banks profitability is set to moderate due to higher cost of deposits given the continued re-pricing at elevated rates. Deposit costs are expected to increase 25-30 bps this fiscal after having risen 140 bps since the start of the rate tightening cycle in May 2022. As a result, net interest margin (NIM) is likely to compress 10-20 bps this fiscal to 3-3.1%.

Opposition attacks Centre over lateral entry push by UPSC to fill 45 posts

Congress and Rashtriya Janata Dal (RJD) accused the Modi government of hatching a conspiracy to undermine reservation for the marginalised section of society through this move.

NEW DELHI.The decision taken by Prime Minister Narendra Modi-led Central government regarding the lateral recruitment of 45 positions of Secretary, Deputy Secretaries and Director in 24 central ministries has sparked a political row.Major Opposition parties like the Congress and the Rashtriya Janata Dal (RJD) have accused the Modi government of hatching a conspiracy to undermine reservation for the marginalised section of society.Congress president Mallikarjun Kharge called the Centre's move a 'double attack' on reservation as a ploy to deprive aspirants from Scheduled Castes (SCs), Scheduled Tribes (STs), Other Backward Classes (OBCs) and Economically Weaker Section (EWS) of opportunities.

"The BJP, which has ripped apart the Constitution, has launched a double attack on reservation! First, the Modi government issued an advertisement to fill at least 45 posts of Joint Secretary, Directors and Deputy Secretary at the Centre through Lateral Entry. Is there reservation for SC, ST, OBC and EWS? As part of a wellplanned conspiracy, the BJP is deliberately making such recruitments in jobs so that SC, ST, OBC categories can be kept away from reservation", Kharge said in a post written in Hindi on X.That is why the Congress Party is

demanding a caste census for social justice, Kharge said towards the end of a long post. Tejashwi Yadav of the RJD, a key component of the INDIA bloc with the Congress and others, echoed Kharge's views. Sharing a picture of the order issued by the Union Public Service Commission (UPSC) on X, Tejashwi wrote in Hindi "This



advertisement is a small example of how the Modi government at the Centre is cracking a dirty joke on and messing with the Constitution written by Baba Saheb and reservation"."If UPSC had appointed 45 IAS through the civil service examination, then it would have had to provide reservation to SC/ST and OBC, i.e. out of the 45, 22-23 candidates would have been

selected from Dalit, backward and tribal usurping people's rights. classes", he added.Urging the people Earlier on Saturday, the UPSC invited belonging to Dalit-OBC-Tribal and poor general classes to 'wake up', the former Bihar Deputy Chief Minister accused the Modi government of 'ending reservation in a systematic, planned and cunning

'In the last election, the Prime Minister, his stooge parties in Bihar and their leaders used to claim with great pomp that no one can take away their rights by ending reservation, but in front of their eyes, with their support and cooperation, the rights of the deprived, neglected and poor sections are being robbed and the so-called selfproclaimed OBC PM and SC/ST and OBC leaders of UP-Bihar-Jharkhand are unfortunately clapping and laughing", Tejashwi lamented.He further claimed that in the name of Hindutva, the BJP was

applications from private sector employees, for lateral recruitment of 45 positions of Secretary, Deputy Secretaries and Director in 24 central ministries. The posts announced by the UPSC included 10 Joint Secretary positions and 35 Director/Deputy Secretary positions. The applications invited for the Joint Secretary positions included, two posts in the Finance Ministry, one post each in the Home Ministry and the Ministry of Electronics and Information Technology, among others. Similarly, the applications invited for Director/Deputy Secretary positions included eight posts in the Agriculture ministry, two posts in the Education ministry and one post each in the Ministry of External Affairs and the Civil Aviation ministry and more.

Champai Soren heads to Delhi with 6 MLAs amid speculation of BJP switch: Sources

NEW DELHI. Senior Jharkhand Mukti Morcha (JMM) leader Champai Soren took an early flight to Delhi on Monday amid speculation of him joining the BJP, sources told India Today TV.

Champai, who was recently replaced as Jharkhand Chief Minister by JMM chief Hemant Soren, is accompanied by six party MLAs, sources said. Champai Soren, who is considered close to the Soren family, was appointed as the Chief Minister after Hemant Soren was arrested by the Enforcement Directorate on January 31 in an alleged land scam case. However, Champai Soren stepped down from the post on July 3 after Hemant Soren was granted bail by Jharkhand High Court.

Following this, speculation was rife that Champai Soren was reportedly not happy with the way he was unceremoniously removed from the top post to pave way for Hemant Soren to become the Chief Minister of Jharkhand once again. According to sources, the Jharkhand Mukti Morcha has been unable to contact the six MLAs who purportedly accompanied Champai Soren to Delhi.

Champai Soren, sources said, is in touch with several top BJP leaders. Last night, he was in Kolkata where he met Bengal BJP leader Suvendu Adhikari, sources said. Further, sources indicate that Soren has been in continuous touch with Union Minister Shivraj Singh Chouhan. However, the senior Jharkhand Mukti Morcha (JMM) leader on Saturday refuted the rumours of him joining the BJP.

I don't know what rumours are being spread. I don't know what news is being run, so I cannot tell whether it's true or not I don't know anything about it. Hum. jahan par hain vahi par hain (I am here only)," Champai Soren said on Saturday.

"We Are India's No 1...": IAS **Coaching Centre Fined For** "Misleading" Ad

New Delhi: A coaching institute for the civil services exam has been fined? three lakh for its "misleading" advertisements, the Centre said today.

In an official statement, the Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution said that the Central Consumer Protection Authority (CCPA) has taken action against Sriram's IAS, which has its centers in Delhi, for a misleading advertisement regarding the UPSC Civil Service Exam (CSE) 2022.It was in violation of the Consumer Protection Act, 2019, the Ministry said.

Coaching institutes and online edtech platforms use pictures and names of the same successful candidates to influence prospective aspirants (consumers), without disclosing the courses opted by such candidates and length of the course so attended," the statement said. The decision was taken to "protect and promote the rights of consumers as a class and ensure that no false or misleading advertisement is made of any goods or services which contravenes the provisions of the Consumer Protection Act, 2019", the Ministry said.Sriram's IAS in its advertisement made the following two claims: "200 plus selections in UPSC Civil Service Exam 2022" and "We are India's No 1 Prestigious UPSC/IAS Coaching Institute".

The CCPA found out that Sriram's IAS advertised various types of courses but the information for the course opted by the advertised successful candidates in the UPSC CSE 2022 was "deliberately concealed" in the advertisement."This has the effect of consumers falsely believing that all the successful candidates claimed by the Institute had opted for the paid courses advertised by the Institute on its website," the statement read. Information regarding the course opted by successful candidates is important for the consumers to know so that they can make informed choices while deciding which course and coaching institute to join, it said. Sriram's IAS in its response submitted the details of only 171 successful candidates against its claim of 200 plus selections in UPSC CSE 2022.

Air India crew member assaulted in London hotel room by intruder: Reports

The attacker entered the Air India cabin crew member's room at the London hotel and physically assaulted her, hitting her with a clothes hanger before dragging her across the floor.

NEW DELHI. A female crew member of Air India was assaulted by an intruder inside her room at a hotel in London where she was staying, the airline said in a statement on Sunday.

The company said that the incident happened at a hotel operated by a major international chain and stated that a police investigation is

According to reports, the assault took place at the Radisson Red Hotel at Heathrow in London and the airline staff had previously raised concerns about safety at the hotel. A homeless man barged into the room at the hotel where the crew member was staying, news agency PTI reported. As she woke up and noticed the intruder, the man reportedly physically assaulted her. He hit her with a clothes hanger before dragging her on the floor, the reports said. She screamed for help and

prevented from doing so by the intruder. As per reports, her colleagues heard her cries and came to her rescue. The crew member was taken to the hospital following the incident.



The assailant was arrested.

'We are deeply anguished by an unlawful incident of intrusion at a hotel, operated by a major international chain, that affected one of our crew members," a spokesperson for Air India said. The airline added, "We are providing all possible support to our colleague and their broader

team, including professional counselling. Air India is also working with the local police to pursue the matter to the fullest extent of the law, and with the hotel management to ensure such incidents are not repeated". The airline has not officially commented on reports suggesting that the crew member may have been sexually assaulted. One of allegedly sexually assaulted at the hotel, while two other sources claimed it was a physical assault.Congress leader Manish Tewari, responding to the reports of the assault, called it a "very disturbing" incident and alleged that Air India "deliberately put the cabin crew at risk" by not addressig the safety issues."The news report pertaining to the sexual assault on an Air India Crew Member in London is

Send reports every 2 hours: Centre to states amid Kolkata murder protests

NEW DELHI. As the country is reeling under the nationwide protest over the Kolkata rape and murder case, the Union Home Ministry has issued an order to all the states, asking them to submit reports regarding the law and order situation every two hours. In the wake of nationwide protests and outrage over a trainee doctor's rape and murder in a Kolkata hospital, the Home Ministry stated that the law and order situation in all the states should be monitored. The Union Home Ministry has directed the police forces of all states across the country to send reports every two hours through email, fax, or even WhatsApp.

the sources told PTI that she was Henceforth, a continuous two-hourly law and order situation report in this regard may kindly be sent to



Mercedes Runs Over Cyclist In Delhi, Driver Arrested, Car Seized

New Delhi: In yet another hitand-run case, a 34-year-old cyclist was found dead on a south Delhi road after he was hit by a Mercedes car on Saturday, police said.A passerby called up the police after seeing the man lying in a pool of blood on the Ashram to Bhogal flyover. The body was found on the roadside while his cycle was discovered around 150 metres away. The victim has

been identified as Rajesh Kumar, a gardener, who was a resident of South Delhi's Madanpur Khadar. A case has been registered and an investigation is



During investigation, the driver of the The victim was a 36-year-old rickshaw Mercedes was identified as 45-yearold Pradeep Gautam, who lives in Noida. The owner of the luxury car had given Gautam the vehicle to put it

seized for further investigation.

The postmortem will be conducted today and the body will be handed over to the relatives after the autopsy.Last week, in a similar hit-and-run incident, a man was killed and his friend was severely injured when a speeding SUV crushed them at Versova beach in the early hours of the morning.

driver who was sleeping on the beach with his friend to escape the heat. The driver of the SUV and his friend were arrested by the police.

the MHA control room (New Delhi) by Fax/ Email/ WhatsApp from 4 pm today (16/08/24)," reads the official notification issued by Centre,

arrested and his vehicle was On August 9, the 31-year-old postgraduate trainee doctor's semi-naked body was found in the seminar hall of the state-run RG Kar Medical College and Hospital. A civic volunteer of the Kolkata Police, Sanjay Roy, was arrested in connection with a gruesome rape and murder the next day. The Calcutta High Court handed over the probe to the Central Bureau of Investigation (CBI) on Tuesday. The accused, Sanjoy Roy, will undergo a psychoanalysis test, as the CBI has called in a team of experts from Delhi's Central Forensic Science Laboratory (CFSL) to Kolkata.

Protesting doctors are demanding justice and urgent reforms, including an overhaul of resident doctors' working and living conditions and the implementation of a central law to protect healthcare professionals from workplace violence.

Trinamool vs Trinamool on whether top cop should be probed in Kolkata rape case

Two senior Trinamool Congress leaders, Kunal Ghosh and Sukhendu Sekhar Ray, held different opinions about whether Kolkata's Commissioner of **Police Vineet Goyal should** be questioned by the CBI in connection with the rape and murder case of a trainee doctor.

New Delhi: Senior Trinamool Congress leader Kunal Ghosh called out fellow party leader Sukhendu Sekhar Ray for demanding the questioning of Kolkata Commissioner of Police in connection with the rape and murder of a trainee doctor.

Ray, a Rajya Sabha MP, demanded strict probe by the Central Bureau of Investigation (CBI), which took over the probe into the rape and murder case from

the Kolkata Police."CBI must act fairly. Custodial interrogation of ex-Principal and Police Commissioner is a must to know who and why floated suicide story. Why wall of hall demolished, who patronised Roy to be so powerful. Why sniffer dog used after 3 days. Hundreds of such questions. Make them speak," Ray said in the tweet.

Ray's remark came as Kolkata's Commissioner of Police Vineet Goyal faces criticism over the police's handling of

the case in its nascent stages. While the police claimed they did everything that was expected of them, the Calcutta High Court transferred the probe to the CBI, citing no significant progress in the

Commissioner, Sukhendu Sekhar Ray also referred to Sandip Ghosh, the former principal of state-run RG Kar Medical



and College and Hospital, who had resigned from the post two days after the trainee doctor's body was found on August 9. Ghosh is currently bing probed by the CBI.

On Ray's comment, Kunal Ghosh said, "I

police investigation. Besides the also demand justice in RGKar case. But strongly oppose this demand regarding CP. After got information He has tried his best. Personally CP was doing his job and

> investigation was in a positive focus. This kind of post is unfortunate, that too from my senior leader (sic)."The role of the city police and the hospital administration was criticised amid huge uproar over the brutal rape and murder of a 31year-old trainee doctor. The victim's family alleged that the first call they received about their daughter's death mentioned that she had died by suicide

There are also allegations that the renovation near the third-floor seminar hall of the chest department in the emergency building of the hospital

was ordered to destroy vital evidence. Notably, the woman's body was found in the seminar hall on August 9.

Ticketless man boards US flight after 'following family', airline probes

World szDelta Air Lines said Friday it is reviewing how a man who allegedly followed a family around the terminal then boarded the family's plane earlier this month without a ticket for the flight. The incident happened at Washington Dulles International Airport.

"Delta has processes in place for gate agents and flight crews to verify that individuals onboard aircraft prior to departure are customers that are booked on that particular flight," the airline said in a statement. "Delta is reviewing the matter in question internally and has been in touch with airport authorities in conjunction with this revi==]/pew."Delta Air Lines said Friday it is reviewing how a man who allegedly followed a family around the terminal then boarded the family's plane earlier this month without a ticket for the flight.

The incident happened at Washington Dulles International Airport."Delta has processes in place for gate agents and flight crews to verify that individuals onboard aircraft prior to departure are customers that are booked on that particular flight," the airline said in a statement. "Delta is reviewing the matter in questaaion internally and has been in touch with airport authorities in conjunction with

Swiss flight makes emergency landing in Kazakhstan due to medical incident



Astana, A Boeing 777 aircraft operated by Swiss International Air Lines flying from Tokyo to Zurich made an emergency landing in Kazakhstan on Saturday due to a medical incident onboard, followed by issues after the aircraft landed, the airline said. The Boeing 777-300ER's nose wheel got caught in the grass and was stuck, requiring it to be towed back onto the runway, the airlines said in a statement. The aircraft will be examined for damage and will be a subject of an investigation. Swiss confirmed that none of 319 passengers onboard were injured due to the incident."We'll defer to the airline for information about their fleet and operations,"

Volcano erupts after 7.2magnitude earthquake hits Russia's Kamchatka region



Moscow Russia's Shiveluch volcano has erupted, sending an ash column up to 8 kilometres high, following a magnitude-7.2 earthquake that struck off the eastern coast of the country, CNN reported, citing the state-run media outlet TASS.The volcano has released a gush of lava and there were no reports of people injured, according to the reports. A magnitude 7.2 earthquake struck off the east coast of Russia's Kamchatka region at a depth of 51 km (32 miles), according to the European Mediterranean Seismological Centre (EMSC). There were conflicting reports of tsunami warnings. The US National Tsunami Warning Centre said there was a tsunami threat from the quake. However, the Kamchatka branch of Russia's emergency ministry reported that there was no tsunami threat.Russian officials added that the recorded aftershocks from the quake ranged in magnitude from 3.9 to 5.0. According to the US Geological Survey, the earthquake struck 29 kilometres below the surface with its epicentre approximately 102 kilometres east of Petropavlovsk-Kamchatsky, which is a port city with over 181,000 residents, is surrounded by volcanoes and is located across a bay from a key Russian submarine base.

The Shiveluch volcano, which is situated around 450 kilometres from Petropavlovsk-Kamchatsky, is a colossal, perpetually active volcano. Renowned as one of the world's largest and most volatile volcanoes, it has a history of frequent and powerful eruptions.Russian news agency reported that there was no "major damage" in the quake and "buildings are now being examined for potential damage, with special attention paid to social facilities". The US National Weather Service's Pacific Tsunami Warning Centre in Honolulu warned minor sea level fluctuations could occur in some coastal areas near the earthquake site for several hours

Thai King endorses nation's youngest PM 2 days after being elected

Bangkok. Paetongtarn Shinawatra was endorsed as prime minister by Thailand's king on Sunday, two days after parliament elected her, paving the way for her to form a cabinet in the coming weeks. Paetongtarn, 37, becomes Thailand's youngest prime minister just days after ally Srettha Thavisin was dismissed as premier by the Constitutional Court, a judiciary central to Thailand's two decades of intermittent political turmoil.Daughter of divisive former Prime Minister Thaksin Shinawatra, Paetongtarn won by nearly two-thirds in a house vote on Friday to become Thailand's second female prime minister and the third Shinawatra to take the office, following Thaksin and her aunt Yingluck Shinawatra. The approval by King Maha Vajiralongkorn, a formality, was read out by House of Representatives Secretary Apat Sukhanand at a ceremony in Bangkok on Sunday.Dressed in official uniform, Paetongtarn knelt in homage to a portrait of the king before giving a short speech thanking the king and the people's representatives for endorsing her as prime minister." As head of the executive branch, I will do my duty together with the legislators with an open heart," she said. "I will listen to all opinions so together we can take the country forward with stability," she said.

Paetongtarn, who has not served in government previously, faces challenges on



multiple fronts, with the economy floundering and the popularity of her Pheu Thai party dwindling, having yet to deliver on its flagship digital wallet cash handout programme worth 500 billion baht (\$15 billion). After accepting the royal endorsement, Paetongtarn hugged her father Thaksin and other family members.

In her first press conference, Paetongtarn said she will continue with all policies of her predecessor Srettha, including "major" economic stimulus and reform, tackling

illegal drugs, improving the country's universal healthcare system and promoting gender diversity. She said the government will not abandon its flagship digital wallet policy but will seek to "study and listen to additional options" to make sure the scheme is fiscally responsible. The goal is to stimulate the economy so this intention remains," Paetongtarn said. The prime minister said she has no plans to appoint her father Thaksin to any government position but will seek his advice. Paetongtarn said

details of her government policies will be presented to parliament next month.he fall of her predecessor Srettha after less than a year in office is a reminder of the risk for Paetongtarn with Thailand trapped in a tumultuous cycle of coups and court rulings that have disbanded political parties and toppled multiple governments and prime ministers. Also at stake is the legacy and political future of the billionaire Shinawatra family, whose once unstoppable populist juggernaut suffered its first election defeat in over two decades last year and had to make a deal with its bitter enemies in the military to form a government.

The upheaval of recent days indicates a breakdown in a fragile truce struck between Thaksin and his rivals in the royalist establishment, which had enabled the tycoon's dramatic return from 15 years of self-exile in 2023 and ally Srettha to become premier the same day.

More than a week ago, the court that dismissed Srettha over a cabinet appointment dissolved the anti-establishment Move Forward Party the 2023 election winner - over a campaign to amend a royal insult law that the court said risked undermining the constitutional monarchy. The hugely popular opposition, Pheu Thai's biggest challenger, has since regrouped under a new vehicle, the People's

UK plans to treat extreme misogyny as form of terrorism

World For the first time, the United Kingdom government is planning to treat extreme misogyny as a form of terrorism. The Telegraph reported that UK Home Secretary Yvette Cooper has issued an order to review the country's counterterrorism strategy to address violence against women, identify gaps in the current laws, and study emerging ideologies. This move will put violence against women in the same bracket as farright extremism. Under the proposal, it would be compulsory for school teachers to refer students they suspect of extreme misogyny to the government's counterterror program. The local police will assess anyone who is referred to the program to see if they display signs of

radicalisation and need to be deradicalised. Speaking with The Telegraph, Cooper stated, "For too long, governments have failed to address the rise in extremism, both online and on our streets, and we've seen the number of young people radicalised online grow. Hateful incitement of all kinds fractures and frays the very fabric of our communities and our democracy."The Labour MP added, "Action against extremism has been badly hollowed out in recent years, just when it should have been needed most."That's why I have directed the Home Office to conduct a rapid analytical sprint on extremism, to map and monitor extremist trends, to understand the evidence about what works to disrupt and divert people

away from extremist views, and to identify any gaps in existing policy that need to be addressed to crack down on those pushing harmful and hateful beliefs and violence," he stated. This comes after a senior police official warned last month that social media influencers like Andrew Tate could radicalise youth into extreme misogyny in the same way terrorists draw in their followers. Calling it "quite terrifying," Deputy Chief Constable Maggie Blyth stated that the Online Safety Act needs to advance further and

that rapid actions should be taken in order to protect children. Earlier last month, the UK's National Police Chiefs' Council released a report on violence against women and girls.

US man arrested in connection to 1973 murder case based on DNA evidence

Boise An Idaho man has been arrested in connection with the shooting death of a woman in California more than 50 years ago, authorities said.DNA evidence led investigators to identify Michael Eugene Mullen, 75, as a suspect in the death of Nina "Nadine" Fischer in 1973, the Marin County Sheriff's Office said. Mullen was arrested near Salmon, Idaho, on Wednesday, and he is being held in jail while awaiting extradition to California.

Mullen's defense attorney, Dan Brown, did not immediately respond to voice and email messages left for him on Saturday. Fischer lived in San Rafael, California, with her husband and young

daughter when the 31-year-old was killed in November 1973, the Marin County Sheriff's office said in a news release. Both Fischer and her husband were Swedish nationals, and they were preparing to move back to Sweden at the time. Fischer's husband found her body when he returned home from work. She had been sexually assaulted and shot three times, and her 2-year-old child was found unharmed in another room.Law enforcement officials questioned some witnesses — including movers and an assessor who had been at the house that day — but the investigation turned up no leads and the case went cold, according to

newspaper articles published after her death.In 2021, the Marin County Sheriff's Office sent the case to the California Department of Justice's Familial Search Program. The program compares DNA from crime scenes to a DNA database in an effort to try to find relatives of a potential suspect. After several months, the DNA resulted in a possible lead, and after three more years of investigation Mullen was identified as the suspect, the sheriff's office said. The Marin County District Attorney's office and sheriff's office worked with the Idaho State Police and the Lemhi County

Israeli airstrike targeting Hamas vehicle in West Bank kills two terrorists

Ramallah. Israel said it killed two senior Hamas terrorists in an airstrike on their car in Jenin in the occupied West Bank on Saturday, claiming they were involved in the killing of an Israeli. A joint statement from the Israel Security Agency and the Israel Defence Forces identified the terrorists as Ahmed Abu Ara and Rafet Dawasi, both from the West Bank's northern district around Jenin.In a statement, Hamas' Al-Qassam Brigades military wing said it was mourning the deaths of two fighters in an Israeli air strike on their vehicle in Jenin. The Israeli statement said the two terrorists were involved in planning a shooting attack last week in the West Bank's Jordan Valley where an Israeli man, Yonatan Deutsch, was killed.Israeli authorities said then that Palestinian gunmen opened fire on a main road in the occupied West Bank on Aug. 11, killing one and wounding another.Later that day, the al-Qassam Brigades said its West Bank-based fighters killed an Israeli soldier at point-blank range near the settlement of Mehola in the Jordan Valley and "returned to their bases safely."Hamas said the operation came in retaliation for Israel's strike on a school where displaced Palestinians were sheltering in Gaza City which the civil defence service said had killed at least 90 people. Violence in the West Bank has escalated since the war in Gaza between Israel and Palestinian group Hamas broke out in October, with more Israeli raids, Jewish settler violence and Palestinian street attacks. In a move condemned by the United States, the United Kingdom and France, Israeli settlers killed at least one Palestinian on Thursday in an attack on a village near the West Bank city of Qalqilya.The latest West Bank violence comes as a new round of talks in Doha aimed at ending 10 months of fighting in Gaza are due to resume next week. The Gaza war and escalating West Bank violence threaten to spill into a wider regional conflict involving Iran and its proxies in the region, including Hezbollah in Lebanon and the Houthis in Yemen.

85 dead as Sudan paramilitary fighters attack village, authorities allege

The RSF has been repeatedly accused of massacres, rapes and other gross violations across the country since the war started in April last year. Cairo Fighters from Sudan's paramilitary group rampaged through a central village, looting and burning and killing at least 85 people, including women and children, authorities and residents said on Saturday, the latest atrocity in the country's 18-month devastating conflict.

The paramilitary Rapid Support Forces began attacking Galgani in the central province of Sennar late in July and last week RSF fighters "indiscriminately opened fire on the village's unarmed residents" after they resisted attempts to abduct and sexually assault women and girls, Sudan's Foreign Ministry said in a statement.

More than 150 villagers were wounded, it said. The RSF has been repeatedly accused of massacres, rapes and other gross violations across the country since the war started in April last year, when simmering tensions between the military and the group exploded into open fighting in the capital Khartoum and elsewhere. Describing the hours-long attack, three residents said hundreds of RSF fighters stormed the village on Thursday, looting and burning houses and public properties. The offensive came after the residents put up

resistance and repelled an attack by a small group of RSF fighters, according to a health care worker at the local medical centre who spoke to The



Associated Press.The group retreated but hundreds of RSF fighters in dozens of pickup trucks with automatic rifles and heavy weapons returned, according to the worker and another resident. As of Friday, the medical centre had received at least 80 bodies, including 24 women and minors, said the worker, who spoke on condition of anonymity because of fears for his safety. Mohamed Tajal-Amin, a villager, said he saw seven bodies — six men and one woman laying in the street midday Friday.

The Janjaweed are in the street and people are not able to recover their dead and bury them", he said, using the name of the Arab militias that became synonymous with genocide and war crimes in

Darfur two decades ago and from which the RSF grew out.RSF spokespeople didn't return requests for comment on Saturday. In June, the RSF assaulted Sinnar's provincial capital, Singa, about 350 kilometers (217 miles) southeast of Khartoum. They looted the city's main market and took over its main hospital, forcing thousands of people to flee. The latest attack came as the United States has led efforts to resume peace talks between the military and the RSF. The talks, which are boycotted by the military, began last week in Switzerland.Diplomats from Saudi Arabia, Egypt, the United Arab Emirates, the African Union and the United Nations were attending the talks. The RSF sent a delegation to Geneva but didn't take part in the meetings."The RSF remains here ready for talks to start; SAF needs to decide to come", US Special Envoy for Sudan Tom Perriello posted on X on Friday, using the acronym for Sudan's Armed Forces. The talks were the latest international effort to settle the devastating conflict that killed dozens of thousands of people and pushed the county to the brink of famine. Already famine was confirmed last month in a sprawling camp for displaced people in the western region of Darfur.

Biden to make case against Trump in Chicago convention, Harris likely to join

▲ Joe Biden, who stepped aside from running for re-election a month ago under pressure from fellow Democrats, will give a prime-time address to the convention on Monday night to make the case for electing Harris and defeating former President Donald Trump, the Republican candidate.

Washington Vice President Kamala Harris is likely to join President Joe Biden on stage at the Democratic National Convention in Chicago on Monday as he passes the torch to her as the party's candidate in the November 5 presidential election, sources said on Saturday.Biden, who stepped aside from running for re-election a month ago under pressure from fellow Democrats, will give a



prime-time address to the convention on Monday night to make the case for electing Harris and defeating former President Donald Trump, the Republican candidate. Two sources familiar with

internal deliberations said the campaign has been discussing having Biden and Harris appear on stage together on Monday night and that it was likely to happen. There also have been talks about her appearing before

Biden speaks at the big event. Harris will be coming off a bus tour of western Pennsylvania on Sunday. She will be in Chicago for much of the crucial convention week. She will make a side trip to Milwaukee on Tuesday for a campaign event, returning to Chicago to hear her husband, Doug Emhoff, address the convention that night.Biden, 81, reluctantly abandoned his re-election bid after Democrats raised questions about his mental fitness after a poor debate performance against Trump on June 27. The president told reporters on Friday night that he would spend the weekend fine-tuning his convention speech. His message for the convention?

Win," he said with a smile.

Biden had lost ground to Trump in some polls after the debate and Harris, 59, has made the race a more competitive one in several states where the election is likely to be decided.

NEWS BOX

Nottingham Forests' Danilo suffers horror injury in club's Premier League opener

New Delhi Nottingham Forest midfielder Danilo suffered a broken ankle during their Premier League opener against Bournemouth on August 17, a significant setback for both the player and the team. The incident occurred just 10 minutes into the match at the City Ground when Danilo went up for a header in the center of the pitch. As he landed, he collided awkwardly with Bournemouth forward Antoine Semenyo, leading to the severe injury. The match was immediately halted as the medical staff rushed onto the field to attend to the 23-yearold Brazilian. The severity of the injury was evident, and the team used Forest flags to shield the scene from the crowd. After several minutes of treatment, Danilo was stretchered off the pitch, leaving the team and fans concerned about his recovery. Club manager Nuno Espirito Santo confirmed during the post-match press-conference about the seriousness of Danilo's injury."It's a tough moment for all, especially for Danilo. We don't know yet what has happened but we know it's serious," Nuno



told Sky Sports."Since last season he has been talented in the way he manages the game. He is a very good player so it is a tough moment. Everyone loves him in the dressing room," Nuno added.

Danilo joined Nottingham Forest from

Danilo joined Nottingham Forest from Brazilian side Palmeiras in January 2023 and quickly established himself as a key player. In his time with the club, he has made 43 appearances, becoming a vital part of the team's midfield. However, this injury could see him sidelined for a significant portion of the season, if not the entire campaign.

The injury marks the first major setback in Danilo's career, and it comes at a time when Nottingham Forest is aiming to make an impact in the Premier League. With Danilo potentially out for the long term, Forest may now need to explore options in the transfer market to find a replacement and strengthen their squad to cope with his absence.

Pat Cummins wants to play cricket in LA 2028: Watching Olympics got us excited

New Delhi, Australia fast bowler Pat Cummins wants to participate in the Los Angeles Olympics, set to be hosted in 2028.



the first time since 1900, and Cummins is excited to become a part of it. Speaking to Fox Sports, Cummins said that the Australian players were excited to be a part of the Olympics when the action unfolded in Paris, earlier in July and August."Watching the Olympics, it got us all excited. You want to be part of it right there in the middle. I'd love to be on that side (at LA28). I think I'll be 35 or something, so hopefully still there or thereabouts," Cummins said. "Honestly right now, it feels a long way away. Maybe once we get closer and start building into it, everyone gets a bit more excited," the fast bowler further added. T20I is the only format where Cummins does not captain Australia. The fast bowler has won a hat-trick of ICC trophies with the Australian team, winning the T20 World Cup in 2021 and then ODI World Cup and World Test Championship in 2023.CRICKET'S INCLUSION IN LA **OLYMPICS**

Cricket is set to make a historic comeback to the Olympic Games after a 128-year absence, with its inclusion in the 2028 Los Angeles Olympics. This significant development marks a major milestone for the sport, which has been steadily gaining popularity globally. The decision to include cricket in the Olympics was made following a comprehensive two-year process, during which the International Cricket Council (ICC) collaborated closely with the Los Angeles 2028 Organising Committee (LA28).The inclusion of cricket in the Olympics is expected to have a profound impact on the sport's global reach and appeal. Cricket enjoys immense popularity in the Asian sub-continent, and its inclusion in the Olympics is anticipated to tap into this lucrative market, boosting India's broadcasting rights for the IOC by over \$100 million. The area of the IOC by over \$100 million. million. The sport's return to the Olympics is also seen as a significant opportunity to expand its audience and attract new fans, particularly in the United States, where cricket is gaining traction through the success of Major League Cricket.

CA to celebrate 150 years of Test cricket with AUS vs ENG one-off match in 2027

Cricket Australia has
announced a special oneoff Test between Australia
and England in 2027 to
celebrate 150 years of Test
cricket.

New Delhi Cricket Australia (CA) has announced to host a special Test between Australia and England to commemorate 150 years of Test cricket in 2027. Notably, CA released the men's hosting rights schedule for home Tests till 2031 on Sunday, August 18. While finalizing the schedule, CA revealed the hosting of the special Test between the oldest rivals of the game at the historic Melbourne Cricket Ground (MCG) to celebrate cricket's most respected format. Notably, the first-ever Test match was played from March 15-19 between Australia and England in 1877 at MCG where Australia



emerged victorious by 45 runs. CA CEO Nick Hockley expressed his excitement for the highly anticipated sesquicentenary calling it a wonderful celebration of the pinnacle format."The 150th anniversary

Test match at the MCG in March 2027 will be a wonderful celebration of the pinnacle format of the game at one of the world's great sporting arenas and we can't wait to host England on that occasion," CA CEO Nick Hockley told cricket.com.au.

/Notably, CA earlier hosted the centenary Test between the two teams held from March 12-17 in 1977. It was a grand occasion at the MCG as every living men's cricketer who had played either Australia or England in an Ashes was invited to watch the game.

CA hosted centenary Test in 1977

In a major coincidence, Greg Chappel's Australia beat Tony Greig's England by 45 runs, the same margin by which Australia had won the maiden Test. Meanwhile, Australia and England will ignite their rivalry down under ahead of the sesquicentenary Test in Ashes 2025-26. Notably, Australia have retained the urn since 2017 with England last holding it in 2015. Furthermore, the Three Lions are yet to win a Test in Australia since 2011 having suffered 0-5, 0-4 and 0-4 series losses in the last three Ashes tours. However, England have given tough competition to Australia at home with their last series loss coming in 2003 against their arch-rivals. The Kangaroos managed to draw the series 2-2 on the last two occasions and hence will be hungry to continue their dominance at home in the upcoming series.

Jaspal Rana blasts NRAI selection policy: 'No system to protect shooters'

Manu Bhaker's coach Jaspal Rana
has blasted the National Rifle
Association of India (NRAI) for its
inconsistencies in selection policy.
Rana has said that he wants
continuity from the NRAI where the
shooters are better protected by the
system.

New Delhi Double Olympic-medallist shooter Manu Bhaker's coach Jaspal Rana has strongly criticized the National Rifle Association of India's (NRAI) "everchanging" Olympic selection policy, stating that it has harmed promising talents and will continue to do so if consistency is not maintained. Rana, a pistol legend with three Asiad gold medals, emphasized the need for a fixed policy, highlighting that the current system fails to support shooters and often leads to their decline. Rana pointed out that the selection policy changes every six months, which creates uncertainty and makes it difficult for shooters to prepare. He



suggested that the federation should decide on a policy and stick to it, regardless of whether it is right or wrong. This consistency, he believes, will significantly improve the performance of shooters."The (federation's) selection policy changes every six months. I met the sports minister and told him 'get the selection policy from the federation. Let them decide...

whatever they decide, right or wrong, we are not discussing that, and then stick to it'. You will see the difference (in the performance of shooters)," said the decorated marksman. Rana cited examples of talented shooters like Saurabh Chaudhary and Jitu Rai, who faded away quickly despite their initial success. He also mentioned Arjun Babuta, who finished fourth in Paris and is now struggling to regain his form. Rana questioned why there is no effort to support these shooters and help them regain their

position. The NRAI had amended its selection criteria in 2021, reducing bonus points for quota winners and reintroducing trials

However, Rana argued that even with these changes, there is no consistency, and the federation's approach remains unclear. He emphasized that Olympic and world medallists need protection and support to continue performing at the highest level.

"Where is (pistol shooter) Saurabh Chaudhary, where is (Asian Games gold medallist pistol shooter) Jitu Rai? Does anybody talk about them? No. Are we talking about (10m air rifle shooter) Arjun Babuta, who finished fourth in Paris? He missed the medal by a fraction," the firebrand 48-year-old asked.

"Nobody is thinking how to get him back on the platform (again)," said Rana, who was allegedly told to leave the Karni Singh ranges by the federation's High Performance Director Pierre Beauchamp during the Paris Olympics Selection Trials.Rana's concerns are particularly relevant for Manu Bhaker, who won two bronze medals in Paris but will have to fight for a place in the national squad once she returns from her break. He advocated for a system that allows Olympic medallists to compete in every trial, ensuring they receive the necessary facilities and support to continue their success.

Rishabh Pant tries his hand at bowling in Delhi Premier League opener



New Delhi Star India wicketkeeper batter Rishabh Pant was spotted bowling in the opening match of the Delhi Premier League between South Delhi Superstarz (SDS) and Purani Dilli 6 (PDL) on Saturday, August 17 at Arun Jaitely Stadium in Delhi. Captaining Purani Dilli 6, Pant came in to bowl the last over of the match with SDS requiring just one run to win. The wrist-spinner ended up bowling a low full toss which was driven towards long on for a single as SDS won the match by seven wickets after successfully chasing the target of 198 in 19.1 overs. However, fans were happy to have witnessed the rare sight of Pant bowling.Pant has bowled just two overs in his professional career in first-class cricket where he managed to pick one wicket in the two overs he bowled. Apart from that, he's never bowled in international cricket or IPL. The southpaw scored 35 (32) with the bat in the first innings with the help of four fours and a

Pant seemed to struggle against the spinners as he failed to maintain a strike rate of 100. However, he managed to break loose in the end with a flurry of boundaries to boost his score. The India cricketer didn't have a memorable start to DPL as his team lost the match.

Ayush Badoni stars in SDS' win

After being put in to bat first, Purani Dilli 6 posted a huge score of 197/3 in their allotted 20 overs with Arpit Rana (59 off 41), Vansh Bedi (47 off 19) and Lalit Yadav (34* off 21) doing the bulk of the scoring. SDS Captain Ayush Badoni had a good outing with the ball registering figures of 1/27 in four overs.

n reply, SDS chased down the target in 19.1 overs courtesy of half-centuries from Priyansh Arya (57 off 30) and Badoni (57 off 29). Sarthak Ray also played a brilliant innings of 41 (26) with the help of four fours and three sixes. Shivam Sharma starred with the ball for PDL picking 2/38 in four overs.

Enzo Maresca says Chelsea ready for 'always changing' Pep Guardiola and City

Maresca is ready for the challenge of facing Pep Guardiola's Manchester City in their Premier League opener, acknowledging the tough task ahead while embracing the excitement of starting against the reigning champions.

New Delhi The Premier League 2024-2025 will witness its first big clash of the new season in the highly-anticipated clash between defending champions Manchester City against Chelsea on August 18.



Meanwhile, the new Chelsea boss Enzo Marseca believes that his side is all ready to take on his former colleague Pep Guardiola's tactical genius.Maresca, who once served as Guardiola's assistant at City, had a successful stint with Leicester City, helping them gain promotion last season. Now, he is tasked with revitalising Chelsea, who parted ways with Mauricio Pochettino

promises to be an exciting contest, as both teams aim to start their campaigns on a strong note." After eight or nine years together, you can do so many different things. Pep is not a manager that is always doing the same, he is always changing. For us, it will be exactly the same. It will be a tough game but exciting to start against the champions," Maresca said, at the prematch press-conference City under the

ahead of the new season. This match

champions," Maresca said. at the prematch press-conference. City, under the leadership of Guardiola, are chasing an unprecedented fifth consecutive Premier League title, while Chelsea are looking to find consistency after a turbulent season. With Manchester United and Liverpool already securing wins in their opening matches, the pressure is on both City and Chelsea to perform.

Kamran Akmal bashes PCB for 'international mockery' due to no crowd in Karachi Test

Former Pakistan cricketer

Kamran Akmal has lashed out at
the PCB for hosting the second
Test between Pakistan and
Bangladesh in Karachi despite
the ongoing construction work at
the stadium.

New Delhi Former Pakistan cricketer Kamran Akmal has lashed out at Pakistan Cricket Board (PCB) for hosting the second Test against Bangladesh at National Bank Stadium in Karachi. Notably, due to the ongoing construction work at the stadium as

part of the preparations for the ICC Champions Trophy 2025, the PCB has not allowed the crowd the game. However, the decision hasn't gone down well with Akmal who called it a joke for Pakistan cricket that matches are played without any crowd. The former wicketkeeper-batter said that the board could've arranged the game in some other stadium as Pakistan have many options."The second Test match will be played in Karachi. So I think you know that there is a renovation going on in Karachi. They are preparing a stadium for the Champions Trophy. So it will be a joke of Pakistan that Test matches are being played in Pakistan without a crowd. And we don't just have 2-3 stadiums; we also have Faisalabad Stadium. We could have played there too; it is a top-class stadium. So much cricket has happened there," Kamran said in a video uploaded from his YouTube



channelFurther speaking ahead, Akmal suggested that Multan stadium would've been a good option calling PCB's decision an international mockery of their cricket.

Pakistan's unbeaten record over Bangladesh

'There is a stadium in Multan. And you know that Multan Stadium is very good. And the crowd also comes there. So you know that this is your stadium; you could have put another Test match at one of these two venues. So it would have been good. So I think it will be an international mockery of our cricket. These things should not happen," he added.Meanwhile, Pakistan will take on Bangladesh in the first Test beginning from August 21 at Rawalpindi. Cricket Stadium, Rawalpindi. Bangladesh arrived in Pakistan four days in advance to prepare for the series due to the ongoing political turmoil in their country.

Notably, Pakistan have an unbeaten record over Bangladesh having beaten them in 12 out of the 13 matches played between the two teams. Hence, the Shan Masood-led side will be eager to continue their dominant record in the upcoming series as well.

Rhea Kapoor Supports Blake Lively Amid Criticism Over It Ends With Us



lake lively, following her latest release It Ends With Us, has hogged the limelight for all the wrong reasons. The actress is facing criticism for her 'tone-deaf' promotional strategy for the film which is an adaptation of Colleen Hoover's bestselling novel. As fans call out Blake for her 'insensitivity' to belittle the issue of domestic violence that her film addresses, producer Rhea Kapoor came out in her support. She dropped a comment on Blake's Instagram, addressing the criticism around her promotional campaigning.Rhea Kapoor wrote, "The commentary on the marketing of the film is so sad. More power to Blake, Colleen and the producers for promoting the crap out of this movie. As a filmmaker, we know how difficult it is to bring real women's stories into the mainstream and share them with as many people as possible. Celebrate women that we see everyday that have been through this and come out stronger and embrace their light. Normalise telling their stories instead of throwing them into a box."

Further, Rhea Kapoor also called out those criticising Blake Lively for wearing 'pretty dresses' during the promotions of a film that addresses a serious issue of domestic violence. She added, "You want to shame the actress for wearing pretty dresses for the press tour instead? What was she supposed to do? Hide at home in sweats? a great way to ensure even fewer of these stories are told. And so what if she promoted her brand she's a business woman and she's doing press god how judgmental. Are. We."To give you some context, Blake Lively's promotional approach for her recently released film It Ends With Us has not sat down well with the netizens.

A Sneak Peek Into Yash And Radhika Pandit's Varamahalakshmi Puja With Kids

about a project and I are false

and not shared by me." The actress added, "Whenever there is something to share, I

will share it with all of you! My love always. PS - Nobody is

According to an earlier report by Peeping Moon, Tara will play one of the two love interests of Yash in the upcoming film Toxic, with Kiara Advani cast as the other. The high-octane, multi-lingual film boasts an impressive ensemble cast, including Nayanthara as Yash's sister and Huma Qureshi in a negative role. Set against the dark backdrop of the drug mafia, Toxic will feature Yash in a gritty gangster avatar, promising an intense cinematic experience. The makers have not revealed the information about the additional cast members yet. The fans of the actor have been waiting for updates regarding the shooting schedules of the movie. The wait is now over. As per reports, the first shooting schedule of the movie is set to begin in the

second to anyone.'

second week of April. The makers have not announced

this officially yet.



GF star Yash and his wife Radhika Pandit have been married for seven years now. The couple continues to celebrate their union through posts dedicated to each other on various occasions. Often documenting special occasions on Instagram, Radhika shared a new post on Saturday, featuring a few glimpses from her Varamahalakshmi puja with family. Apart from Yash and Radhika, the picture also featured Ayra and Yatharv taking part in the festivities at their residence. As seen in the pictures, Yash and Radhika Pandit's house was beautifully decorated with flowers, with an idol of Goddess Lakshmi placed in the living area. Radhika, for the puja, wore a mauve traditional silk saree adorned with golden patterns. With a gold necklace and earrings, she elevated her look. Yash, on the other hand, was dressed in a classic white dhoti and shirt. The pictures captured the couple offering prayers with both their cute

Captioning the images, Radhika Pandit wrote, "A day filled with devotion, gratitude, and family. May the blessings of the Goddess fill your lives with joy and prosperity. Happy Varamahalakshmi to you all."

Earlier this year, Yash and Radhika Pandit celebrated a milestone in their relationship as they completed eight years of being engaged to each other. Seizing the opportunity, Radhika made sure to express her love for her husband through a short yet striking note. Sharing a bunch of throwback pictures on the photo-sharing application, she wrote, "8 years ago on this day, when we got engaged, I knew I would choose you in every lifetime."Radhika Pandit and Yash met each other on the sets of TV show Nandagokula. Their on-screen chemistry soon evolved into a real-life romance which only intensified during the filming for back to back projects together. In 2016, the couple decided to get married. Now, they are proud parents to two children. Work-wise, Yash is busy filming for his upcoming film Toxic. A few days back, the actor unveiled his look for the new role wherein he is seen flaunting his short hair and a beard.



Reveals She Is 'Tired Of Crying On Screen', Credits OTT For Career Boost

Rasika Dugal, known for her pathbreaking performances in shows such as Mirzapur and Delhi Crime, recently said that she is tired of crying on camera, with or without glycerine. She said that there was a time when the could read a script backwards and it would at least have two crying scenes in the last.

recently said that she is tired of crying on camera, with or without glycerine. She said that there we time when she could read a script backwards and it would at least have two crying scenes in the last 10 minutes. The candid comments came during an interview with The Indian Express where the actor shared how OTT has added a variety to the roles offered to her.Rasika has carved a niche for herself in the Indian film industry, especially in the digital entertainment space. Talking to the publication, Rasika mentioned how OTT has acted as a driving force in her acting career and

helped her find nuanced work where she could play a femme fatale (such as in Mirzapur) instead of the same overly emotional roles.

Moreover, she said it was due to streaming services that much of her work reached a larger and inner "Streaming services".

services that much of her work reached a larger audience. "Streaming services provided a new lease on life for me because many of my films had not received the recognition they deserved. There were numerous small films. Besides the fact that I got a lot of work, shows like Mirzapur allowed me to reach a large audience. This is when I realized that streaming services can help smaller films find an audience," Rasika noted.

However, the actor maintained that although much better than before, small-budget cinema still struggles to find its due on streaming platforms. Moreover, the emergence of OTT has supported new actors and directors but at the same time, not all content on OTT is good. "Time has changed again and smaller films are struggling to find an audience on digital platforms. It is not true that all the shows being made for OTT are of good quality. But there is enough work and enough room for newness, new talent, new directors, new script ideas, all of that, so that's good," the actress added.

